NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विज़डम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

लखनऊ से प्रकाशित

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

वर्षः 15 अंकः 49 लखनऊ, मंगलवार 07 अक्टूबर 2025 मूल्यः 02 रुपये पृष्ठ- 08

लोकतंत्र का महापर्व बिहार चुनाव भाजपा आश्वस्त, जनता देगी ऐतिहासिक जनादेश, फिर एनडीए सरकार

चुनाव आयोग द्वारा बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद भाजपा ने अपनी जीत का परचम लहराने का दावा किया है। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह ने मोदी सरकार के नेतृत्व में विकास और सुशासन की नीतियों पर जोर देते हुए जंगलराज की वापसी रोकने का आह्वान किया है।

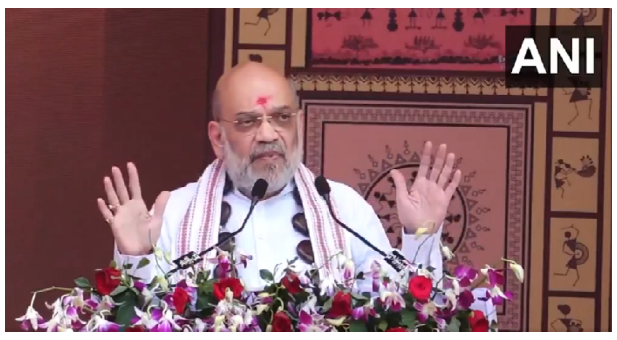

चुनाव आयोग ने सोमवार को बिहार विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी। 243 विधानसभा सीटों के लिए दो चरणों में 6 नवंबर और 11 नवंबर को मतदान होगा और मतगणना 14 नवंबर को होगी। इसको लेकर राजनीतिक दलों की ओर से प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा कि चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा कर दी है। लोकतंत्र के इस महापर्व के लिए समस्त बिहारवासियों को बधाई। मोदी जी के नेतृत्व में छक। सरकार ने बिहार को जंगलराज से निकालकर विकास और सुशासन की नई दिशा दी है। आज बिहार, गरीब कल्याण के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य, शिक्षा हर क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव का साक्षी बन रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि बिहार की जनता इस बार भी विकास की राजनीति को चुनेगी। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा आज बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा का मैं स्वागत करता हूँ। चुनाव लोकतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव है। यह देश व प्रदेश को विकास और सुशासन के पथ पर अग्रसर रखने का प्रमुख माध्यम है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिहार में छक। सरकार जनकल्याण और सुशासन का पर्याय बनी है। बिहार का यह चुनाव प्रदेश को विकास के रास्ते पर अनवरत ले जाने, घुसपैठिया मुक्त करने और जंगलराज को फिर से आने से रोकने का चुनाव है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि लोकतंत्र की जननी बिहार की पुण्यधरा की जनता इन विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी एवं छक। को अपना आशीर्वाद और प्रचंड मतों से समर्थन प्रदान करेगी।भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद जफर इस्लाम ने कहा कि जब हम एनडीए की बात करते हैं, तो हम पूरी तरह से तैयार हैं...हम एक शानदार जीत की ओर बढ़ रहे हैं। मुझे लगता है कि हम एक ऐतिहासिक जीत दर्ज करेंगे और हमें रिकॉर्ड संख्या में सीटें मिलेंगी...तेजस्वी यादव बड़े-बड़े दावे करते हैं लेकिन उन्हें पता है कि उनकी पहुँच सीमित है। हमारा गठबंधन पूर्ण है, सभी सहयोगी मजबूत हैं। हमें लोगों का आशीर्वाद और समर्थन प्राप्त है...महागठबंधन में, कांग्रेस राजद को कमजोर करती है और उन्हें नुकसान का सामना करना पड़ेगा। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि लोकतंत्र की जननी वैशाली, बिहार की इसी पावन धरती पर विराजमान है...बिहार के लोग अपने राजनीतिक ज्ञान के लिए जाने जाते हैं.

..1990 से 2005 तक जंगलराज में बूथ लूट होती थी, मतदाताओं को धमकाया और रोका जाता था। अब बिहार में ऐसा नहीं होगा...लोगों ने बिहार में विपक्षी दलों के सफाए की तारीख तय कर दी है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, मेरा मानना है कि चुनाव आयोग ने सभी दलों से बात करने के बाद तारीखों और दो चरणों के चुनाव की घोषणा की है... दो तिहाई से अधिक वोटों के साथ एनडीए सरकार का गठन निश्चित है।

जनता की खुशी-संतुष्टि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता- सीएम योगी, जनता दर्शन में सुना दर्द

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में नागरिक संतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया, अधिकारियों को समयबद्ध और निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। यह उत्तर प्रदेश सरकार की सुशासन और लोक कल्याण के प्रति प्रतिब)ता को दर्शाता है, जहाँ सरकारी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के हर व्यक्ति तक पहुँच रहा है।

संवाददाता।

लखनऊ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन कार्यक्रम में राज्य भर से आए लोगों से मुलाकात की और पुलिस, राजस्व, रोजगार, बिजली और वित्तीय सहायता से संबंधित उनकी शिकायतें सुनीं। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से प्रार्थना-पत्र प्राप्त किए और अधिकारियों को प्रत्येक मामले का निर्धारित समय-सीमा के भीतर त्वरित और निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि प्रत्येक नागरिक के चेहरे पर खुशी और संतुष्टि सुनिश्चित करना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। योगी ने कहा कि किसी के चेहरे पर मुस्कान लाना ईश्वर की सेवा के समान है। राज्य सरकार प्रत्येक व्यक्ति के दुख-दर्द को कम करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के सभी तक पहुँच रहा है और श्जनता दर्शनश लोगों की समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री ने अपने अभिभावकों के साथ आए बच्चों से भी गर्मजोशी से बातचीत की। उन्होंने प्यार से उनके सिर थपथपाए, उन्हें चॉकलेट और टॉफियाँ दीं और उन्हें खूब पढ़ने और उत्साह से खेलने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे कार्यक्रम में एक घरेलू और करुणामयी माहौल बना। एक दिन पहले, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य भर में महिलाओं और बेटियों को सशक्त बनाने के प्रयासों को जारी रखते हुए मिशन शक्ति 5.0 का शुभारंभ किया। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि इस अभियान के तहत, एडीजी पद्मजा चौहान के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पुलिस ने 1,08,292 से अधिक मंदिरों और सार्वजनिक स्थलों का निरीक्षण किया, 9,77,269 व्यक्तियों की जाँच की, 2,500 से अधिक एफआईआर दर्ज कीं और जनता का विश्वास मजबूत किया। मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी, एडीजी पद्मजा चौहान के अनुसार, और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के बाद, एंटी-रोमियो स्क्वॉड ने मंदिरों, बाजारों, मॉल और पार्कों समेत सार्वजनिक स्थलों पर निगरानी बढ़ा दी है। अभियान के दौरान, 1,08,292 मंदिरों और सार्वजनिक स्थलों पर निरीक्षण किए गए, जबकि 9,77,269 व्यक्तियों की जाँच की गई, जिसके परिणामस्वरूप 2,500 से अधिक प्राथमिकी दर्ज की गईं। इस व्यापक अभियान ने जीवन के हर क्षेत्र में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण सुनिश्चित करने की उत्तर प्रदेश की प्रतिबद्धता को और पुष्ट किया है।

मध्यप्रदेश में 'फर्जी' शराब चालान घोटाले में ईडी ने दो लोगों को गिरफ्तार किया

एजेंसी।

मध्यप्रदेश चालान प्रतियों को बाद में देशी शराब के गोदामों या जिला आबकारी कार्यालयों (विदेशी शराब के मामले में) में आबकारी शुल्क, मूल लाइसेंस शुल्क या न्यूनतम गारंटी प्रतिबद्धताओं के भुगतान के झूठे सबूत के रूप में प्रस्तुत किया गया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कहा कि उसने मध्यप्रदेश में कथित तौर पर 50 करोड़ रुपये के फर्जी शराब चालान घोटाले के सिलसिले में धनशोधन रोधी कानून के तहत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। संघीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि अंश त्रिवेदी और राजू दशवंत को तीन अक्टूबर को इंदौर में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत हिरासत में लिया गया था। इसने कहा कि एक मजिस्ट्रेट अदालत ने उन्हें आठ अक्टूबर तक ईडी की हिरासत में भेज दिया है। ईडी के अनुसार, दोनों की पहचान ''मुख्य षड्यंत्रकारियों'' के रूप में की गई है, जिन्होंने ''धोखाधड़ीपूर्ण'' तरीका तैयार किया और उसे क्रियान्वित किया, जिससे शराब ठेकेदारों को ''अवैध'' रूप से लाभ प्राप्त करने में मदद मिली, जबकि सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ। एजेंसी की जांच में पाया गया कि एक ''धोखाधड़ी'' योजना शुरू की गई थी, जिसमें आरोपी शराब ठेकेदारों ने शुरू में नाममात्र राशि के ट्रेजरी चालान जमा किए, लेकिन जानबूझकर ''शब्दों में रुपये'' खंड को खाली छोड़ दिया। इसने कहा कि राशि जमा करने के बाद उन्होंने धोखाधड़ी से अंकों और शब्दों में बढ़ा-चढ़ाकर राशि भर दी। ईडी ने कहा, ''इन छेड़छाड़ की गई चालान प्रतियों को बाद में देशी शराब के गोदामों या जिला आबकारी कार्यालयों (विदेशी शराब के मामले में) में आबकारी शुल्क, मूल लाइसेंस शुल्क या न्यूनतम गारंटी प्रतिबद्धताओं के भुगतान के झूठे सबूत के रूप में प्रस्तुत किया गया।'' इसने कहा कि इन जाली दस्तावेजों के आधार पर आरोपियों ने ''अवैध'' एनओसी और शराब लाइसेंस अनुमोदन प्राप्त किए, जिससे मध्यप्रदेश सरकार के साथ ''धोखाधड़ी'' हुई।

दिवाली पर हरित पटाखों पर प्रतिबंध हटाने के लिए दिल्ली सरकार न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी- रेखा गुप्ता

एजेंसी।

दिल्ली मुख्यमंत्री ने कहा कि दिवाली सबसे बड़े त्योहारों में से एक है और उनकी सरकार ने शहर में करोड़ों लोगों द्वारा इस त्योहार को मनाने के मद्देनजर अदालत का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार राष्ट्रीय राजधानी में दिवाली पर हरित पटाखे फोड़ने की अनुमति के लिए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी। गुप्ता ने कहा कि सरकार उच्चतम न्यायालय के समक्ष लिखित रूप में अपना पक्ष रखेगी। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार प्रमाणित हरित पटाखों के उपयोग, जनभागीदारी सुनिश्चित करने और नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए निर्देश मांगेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिवाली सबसे बड़े त्योहारों में से एक है और उनकी सरकार ने शहर में करोड़ों लोगों द्वारा इस त्योहार को मनाने के मद्देनजर अदालत का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, ''दिल्ली सरकार प्रदूषण को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने और पर्यावरण की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है तथा इस संबंध में जारी किसी भी निर्देश को लागू करने में उच्चतम न्यायालय को पूर्ण सहयोग का आश्वासन देती है।'' अदालत के आदेशानुसार, दिल्ली में सभी प्रकार के पटाखों पर प्रतिबंध है।

बिहार चुनाव से पहले तेजस्वी का दावा दलित-आदिवासी करेंगे एनडीए का सफाया

एजेंसी।

बिहार पटना। तेजस्वी यादव ने दावा किया है कि बिहार में दलित और आदिवासी समुदाय आगामी विधानसभा चुनावों में एनडीए सरकार को सत्ता से बेदखल करने का मन बना चुके हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मानसिक स्वास्थ्य और नेतृत्व क्षमता पर गंभीर सवाल उठाते हुए उनकी श्अजीबोगरीब हरकतोंश का वीडियो साझा किया, जिससे बिहार की राजनीति में गरमागरमी बढ़ गई है। चुनावों से पहले आत्मविश्वास जताते हुए, बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता और राजद नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को कहा कि दलित और आदिवासी समुदायों ने आगामी विधानसभा चुनावों में एनडीए सरकार को हटाने का फैसला कर लिया है। एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान एएनआई से संक्षिप्त बातचीत में, यादव ने कहा कि सत्ता बदलने वाली है। बिहार बदलेगा। दलित और आदिवासी समुदायों ने मौजूदा सरकार को सत्ता से हटाने का संकल्प लिया है।

केजरीवाल का बिहार दांव आप ने जारी की 11 उम्मीदवारों की पहली सूची, अकेले लड़ेगी चुनाव!

एजेंसी।

बिहार पटना। आम आदमी पार्टी (आप) ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए अपने 11 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली यह पार्टी 243 सदस्यीय विधानसभा में अकेले चुनाव लड़ने का फैसला कर इंडिया ब्लॉक से अपनी अलग राह बना रही है, जो आगामी चुनाव में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बदलाव को दर्शाता है। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप) ने सोमवार को 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा के आगामी चुनावों के लिए अपने 11 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। बिहार में नई पार्टी आप ने जुलाई में घोषणा की थी कि वह बिहार चुनाव लड़ेगी। हालाँकि पार्टी 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान भारत ब्लॉक का हिस्सा थी, आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने घोषणा की थी कि उनकी पार्टी बिहार चुनाव अकेले लड़ेगी। बाद में, आप के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने भी पुष्टि की कि पार्टी बिहार चुनाव अकेले लड़ेगी।

आदिवासी नेता खगेन मुर्मू पर हमला संबित पात्रा ने ममता पर फोड़ा ठीकरा, बोले- टीएमसी ने शुरू किया जंगल राज

एजेंसी।

जलपाईगुड़ी। संबित पात्रा ने पश्चिम बंगाल में भाजपा नेताओं खगेन मुर्मू और शंकर घोष पर बाढ़ राहत कार्य के दौरान हुए हमले को टीएमसी का जंगल राज करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी सरकार के संरक्षण में टीएमसी कार्यकर्ताओं ने आदिवासी नेता मुर्मू पर हमला किया, जबकि मुख्यमंत्री कार्निवल में व्यस्त थीं, जिससे राज्य में बढ़ती राजनीतिक हिंसा उजागर हुई। यह घटना पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति पर गंभीर सवाल उठाती है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने सोमवार को जलपाईगुड़ी के नागराकाटा में आदिवासी नेता और दो बार सांसद रहे खगेन मुर्मू पर हुए हमले को लेकर ममता सरकार की आलोचना की और इसे पश्चिम बंगाल में जंगल राज का उदाहरण बताया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि टीएमसी नेताओं ने पार्टी कार्यकर्ताओं को बाढ़ राहत के लिए मुर्मू और स्थानीय विधायक शंकर घोष के दौरे के दौरान उन पर हमला करने के लिए उकसाया, जिससे मुर्मू के सिर में चोटें आईं।प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि हमने एक बार फिर पश्चिम बंगाल में टीएमसी द्वारा शुरू किया गया श्जंगल राजश देखा है। जब खगेन मुर्मू बाढ़ राहत के लिए जलपाईगुड़ी के नागराकाटा जा रहे थे, तो स्थानीय विधायक शंकर घोष भी उनके साथ थे। उस समय, टीएमसी नेताओं के इशारे पर, पार्टी कार्यकर्ताओं ने खगेन मुर्मू और शंकर घोष पर हमला किया। पूरे भारत ने इसे देखा। खगेन मुर्मू को सिर में चोटें आई हैं... आज, एक आदिवासी नेता और 2 बार के सांसद पर अमानवीय तरीके से हमला किया गयाय यह क्रूरता और बर्बरता है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। उत्तर बंगाल में बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, पात्रा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री की आलोचना की कि उन्होंने वास्तविक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित न करके कार्निवल कार्यक्रम में टॉलीवुड संगीत की धुनों पर नाचने का काम किया। पात्रा ने कहा, ष्उत्तर बंगाल में बाढ़ और भूस्खलन के कारण कई लोगों की मौत हो गई है। इसके बावजूद, मेरा मानना ष्है कि ममता बनर्जी टॉलीवुड संगीत की धुनों पर नाच रही थीं। उन्हें पता है कि इससे लोगों में गलत संदेश गया है। इसलिए, उन्होंने हमारे विधायक और सांसद (शंकर घोष और खगेन मुर्मू) पर हमला करवाया। भाजपा विधायक शंकर घोष ने आरोप लगाया कि राज्य में बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित लोगों के लिए राहत सामग्री वितरित करते समय उत्तर बंगाल के नागराकाटा में उन पर और मालदा उत्तर के सांसद खगेन मुर्मू पर हमला किया गया। पश्चिम बंगाल भाजपा के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने कथित हमले को लेकर बनर्जी की आलोचना की और इसे ष्टीएमसी का जंगल राजष बताया। कथित हमले का वीडियो शेयर करते हुए, अमित मालवीय ने एक्स पर लिखा, ष्बंगाल में टीएमसी का जंगल राज! भाजपा सांसद खगेन मुर्मू, जो एक सम्मानित आदिवासी नेता और उत्तरी मालदा से दो बार सांसद रहे हैं, पर टीएमसी के गुंडों ने उस समय हमला किया जब वे जलपाईगुड़ी के दुआर्स क्षेत्र के नागराकाटा में विनाशकारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के बाद राहत और बचाव कार्यों में मदद करने जा रहे थे। एक्स पोस्ट में लिखा है है कि भाजपा नेता ने दावा किया कि पार्टी कार्यकर्ताओं पर राहत कार्य करने के लिए हमला किया जा रहा है, ।

पप्पू यादव का सनसनीखेज आरोप भाजपा की तय तारीख पर चुनाव करा रहा आयोग, निष्पक्षता पर सवाल

बिहार पटना।

बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के साथ ही राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है, जहां पप्पू यादव ने चुनाव आयोग पर भाजपा की तारीखों पर मतदान कार्यक्रम तय करने का गंभीर आरोप लगाया है और उसकी निष्पक्षता पर सवाल उठाया है। यादव ने इसे आयोग की श्बेशर्मीश बताया है, जबकि मुख्य चुनाव आयुक्त ने पारदर्शी और शांतिपूर्ण चुनाव कराने का आश्वासन दिया है। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने सोमवार को 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा के लिए मतदान कार्यक्रम की घोषणा कर दी। चुनाव आयोग के अनुसार, मतदान दो चरणों में होगा और मतगणना 14 नवंबर को होगी। पहला चरण 6 नवंबर को और दूसरा चरण 11 नवंबर को होगा। चुनाव आयोग ने बताया कि पहले चरण में 121 सीटों पर और दूसरे चरण में 122 सीटों पर मतदान होगा। हालांकि, इसको लेकर पूर्णियां से निर्दलीय सांसद और कांग्रेस नेता पप्पू यादव ने चुनाव आयोग और भाजपा के बीच सांठगांठ का आरोप लगाया है। पप्पू यादव ने एक्स पर लिखा कि इतना बेशर्म तो कभी चुनाव आयोग नहीं रहा, बीजेपी कार्यालय से चुनाव कार्यक्रम भेजा ज्ञानेश जी ने पढ़ दिया। उन्होंने कहा कि बिहार का बच्चा बच्चा जानता था अधूरे मेट्रो के उद्घाटन होते ही डेट घोषित हो जाएंगे। चुनाव आयोग ने पूरी बेशर्मी दिखाई। निष्पक्ष होने का भ्रम भी नहीं रहने दिया। पहले चरण के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर है जबकि जाँच 18 अक्टूबर को होगी। पहले चरण के चुनावों के लिए नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर है। इसी प्रकार, दूसरे चरण के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर है जबकि जाँच 21 अक्टूबर को होगी। पहले चरण के चुनावों के लिए नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 23 अक्टूबर श्स्वच्छश कर दिया है। उन्होंने बताया कि अंतिम मसौदा 30 सितंबर को प्रकाशित किया गया है। नई दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन में बिहार चुनाव की तारीखों की घोषणा करते हुए, मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने भी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की सराहना की और कहा कि इसने मतदाता सूचियों को था। कुमार ने यह भी कहा कि चुनाव निकाय यह सुनिश्चित करना चाहता है कि चुनाव श्पारदर्शी और शांतिपूर्ण तरीकेश से हों। उन्होंने बताया कि डाक मतपत्रों की गिनती मतगणना के अंतिम दो दौर से पहले पूरी हो जाएगी।

ठाणे के शहापूर में बाल विवाह नाकाम, चार गिरफ्तार

एजेंसी।

महाराष्ट्र। डब्ल्यूसीडब्ल्यू अधिकारी की शिकायत पर बाल विवाह निषेध अधिनियम, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक नाबालिग लड़की की शादी कराने की कोशिश के आरोप में सोमवार को चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। खिनावली पुलिस थाने के निरीक्षक नितिन खैरनार ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस और जिला बाल एवं महिला कल्याण (डब्ल्यूसीडब्ल्यू) की टीम रविवार को शहापूर के शेनवे स्थित 17 वर्षीय लड़की के घर में उसके हल्दी समारोह में पहुंची। खैरनार ने बताया कि लड़की के पिता, दूल्हा और उसके पिता तथा एक विवाह दलाल को गिरफ्तार किया गया हैं। उन्होंने बताया कि डब्ल्यूसीडब्ल्यू अधिकारी की शिकायत पर बाल विवाह निषेध अधिनियम, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। श्रमजीवी संगठन के पदाधिकारी प्रकाश खोडका ने ऐसी घटनाओं के लिए ।

लखनऊ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, गैंगस्टर अजय यादव उर्फ रिंकू की 3.70 लाख की कार कुर्क

लखनऊ(आरएनएस) राजधानी लखनऊ पुलिस ने अपराधियों पर नकेल कसने की दिशा में एक और बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के अधीन कार्य कर रही टीम ने गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1986 के तहत कार्रवाई करते हुए कुख्यात अपराधी अजय यादव उर्फ रिंकू पुत्र सुरेश यादव निवासी पश्चिम पट्टी, कंधरापुर, जनपद आजमगढ़ की अवैध संपत्ति जब्त कर ली है। यह कार्रवाई माननीय न्यायालय, पुलिस आयुक्त लखनऊ के आदेश पर की गई, जिसके तहत अभियुक्त की एक स्विफ्ट डिजायर कार (रजिस्ट्रेशन नंबर न्च 81 ठ८ 8129) कुर्क की गई है। इस वाहन की अनुमानित कीमत लगभग तीन लाख सत्तर हजार रुपये आंकी गई है।पुलिस के अनुसार, जांच में यह तथ्य स्पष्ट हुआ कि अभियुक्त के पास इस कार को खरीदने का कोई वैध आय स्रोत नहीं था। विवेचना से यह भी प्रमाणित हुआ कि कार की खरीदारी में प्रयुक्त धन विभिन्न आपराधिक गतिविधियों से अर्जित अवैध आय से संबंधित है। माननीय न्यायालय ने इसे अपराध से अर्जित संपत्ति मानते हुए राज्य सरकार के पक्ष में जब्त करने का आदेश पारित किया।लखनऊ पुलिस की यह कार्रवाई अपराधियों के खिलाफ चल रही "जीरो टॉलरेंस" नीति का हिस्सा है, जिसके अंतर्गत अपराधियों को न केवल जेल भेजा जा रहा है, बल्कि उनकी अवैध संपत्तियों को भी कुर्क किया जा रहा है ताकि उन्हें आर्थिक रूप से कमजोर किया जा सके। पुलिस का कहना है कि इस कार्रवाई से अपराधियों में कानून का भय और आम नागरिकों में विश्वास दोनों स्थापित होंगे। अभियुक्त अजय यादव उर्फ रिंकू का आपराधिक इतिहास लंबा और गंभीर है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, उसके खिलाफ आजमगढ़, अयोध्या, बाराबंकी और लखनऊ जिलों में हत्या, हत्या का प्रयास, लूट, अपहरण और धोखाधड़ी जैसे 16 से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं। उसका पहला आपराधिक मामला वर्ष 2018 में थाना मेंहनगर, जनपद आजमगढ़ में हत्या के प्रयास के रूप में दर्ज हुआ था। इसके बाद से वह लगातार विभिन्न आपराधिक गिरोहों में शामिल रहकर अपराधों को अंजाम देता रहा है।पुलिस ने बताया कि अजय यादव एक खतरनाक अपराधी है, जिसने किशोरावस्था से ही आपराधिक प्रवृत्ति अपनाई। वह बुरे तत्वों के संपर्क में आकर अपराध की दुनिया में सक्रिय हो गया। समय–समय पर गैंग बदलकर उसने आजमगढ़, अयोध्या, बाराबंकी और लखनऊ जिलों में गंभीर अपराध किए। उसके गिरोह के आतंक से आम जनता भयभीत रहती थी और कोई भी व्यक्ति उसके खिलाफ शिकायत या गवाही देने का साहस नहीं जुटा पाता था।लखनऊ पुलिस के मुताबिक, अभियुक्त के खिलाफ थाना पारा में गिरोहबंद अधिनियम की धारा 2५3 के तहत मु0अ0सं0 440५2025 पहले से दर्ज है। पुलिस उसकी अन्य अवैध संपत्तियों की पहचान कर रही है ताकि आगे भी इसी प्रकार की कुर्की की कार्रवाई की जा सके। पुलिस का मानना है कि अपराधियों के खिलाफ इस प्रकार की आर्थिक कार्रवाई से उनके नेटवर्क और प्रभाव दोनों पर अंकुश लगेगा।पुलिस आयुक्त लखनऊ के आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि अभियुक्त के पास कार जैसी संपत्ति खरीदने का कोई ज्ञात वैध स्रोत नहीं है। जांच के दौरान यह स्पष्ट रूप से सामने आया कि यह संपत्ति अपराध से अर्जित धन से खरीदी गई थी। इसी आधार पर संपत्ति को राज्य सरकार के पक्ष में जब्त करने का आदेश पारित किया गया।यह कार्रवाई न केवल लखनऊ पुलिस की सतर्कता और सख्त रुख को प्रदर्शित करती है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि अपराध की दुनिया से कमाई गई कोई भी संपत्ति कानून के दायरे से बाहर नहीं रह सकती। पुलिस प्रशासन का यह प्रयास अपराधियों को आर्थिक रूप से पंगु बनाकर समाज में कानून व्यवस्था की मजबूती की दिशा में एक ठोस कदम माना जा रहा है।

बीबीएयू में 'यौन उत्पीड़न की रोकथाम' पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, कुलपति बोले सामूहिक प्रयासों से ही होगा वास्तविक परिवर्तन

लखनऊ(आरएनएस) बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में सोमवार को आंतरिक शिकायत समिति की ओर से 'यौन उत्पीड़न की रोकथाम (POSH – Prevention of SeÛual Harassment)' विषय पर एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ज्वाइंट सेक्रेटरी डॉ. आशिमा मंगला ऑनलाइन माध्यम से जुड़ीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की सदस्य विजया भारती सयानी एवं आंतरिक शिकायत समिति की अध्यक्ष प्रो. आभा मिश्रा उपस्थित रहीं।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। विश्वविद्यालय कुलगीत के बाद अतिथियों का स्वागत पौधा, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया। इस अवसर पर प्रो. आभा मिश्रा ने कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्य बताते हुए कहा कि का लक्ष्य विश्वविद्यालय परिसर में ऐसा वातावरण तैयार करना है जो सभी के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक और संवेदनशील हो।कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज समाज में लोग अपने साथ हुए अन्याय के प्रति जागरूक हो रहे हैं और निडर होकर शिकायत दर्ज करा रहे हैं, जो सामाजिक परिवर्तन की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है। उन्होंने 'विशाखा गाइडलाइन्स' का उल्लेख करते हुए कहा कि इन दिशा–निर्देशों ने महिलाओं को अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने का सशक्त माध्यम दिया। प्रो. मित्तल ने कहा कि की भूमिका केवल शिकायतों के निस्तारण तक सीमित नहीं, बल्कि यह विश्वविद्यालय परिसर में लैंगिक समानता, संवाद और संवेदनशीलता को बढ़ावा देने का माध्यम है। उन्होंने शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच निरंतर संवाद को आवश्यक बताते हुए कहा कि इससे आपसी विश्वास और सम्मान की संस्कृति मजबूत होगी।राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की सदस्य विजया भारती सयानी ने कहा कि दायित्व केवल शिकायतों का समाधान करना नहीं, बल्कि विश्वविद्यालय को भयमुक्त, सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण प्रदान करना भी है। उन्होंने बताया कि 1997 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी 'विशाखा गाइडलाइन्स' ने कार्यस्थलों पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए एक ऐतिहासिक दिशा दी थी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में गठित ප්ब न केवल शिकायतों की जांच करती हैं, बल्कि संवाद और जागरूकता

की संस्कृति को भी प्रोत्साहित करती हैं। सयानी ने अपने वक्तव्य में 'यूजीसी विनियम 2015' और 'शून्य सहिष्णुता नीति (Zero Tolerance Policy)' पर विस्तृत जानकारी दी।ऑनलाइन माध्यम से जुड़ीं यूजीसी की ज्वाइंट सेक्रेटरी डॉ. आशिमा मंगला ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में की स्थापना महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने की दिशा में एक ठोस कदम है। उन्होंने बताया कि किसी भी पीड़िता को तीन माह के भीतर शिकायत दर्ज कराने का अधिकार है और आवश्यक होने पर उसका परिवार भी यह शिकायत प्रस्तुत कर सकता है। न्ळब् ने लैंगिक संवेदनशीलता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण, कार्यशालाओं, जागरूकता अभियानों, हेल्पलाइन नंबरों और शिकायत पेटियों जैसी व्यवस्थाओं को अनिवार्य किया है। उन्होंने बताया कि आयोग ने 'सक्षम पोर्टल ';AKSHAM Portal½' की शुरुआत की है, जिसके माध्यम से महिलाएँ अपनी शिकायतें ऑनलाइन दर्ज कर सकती हैं, जिससे प्रक्रिया पारदर्शी और सुलभ हो गई है।कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो. मित्तल एवं अतिथियों द्वारा द्वारा तैयार ' शीर्षक हैंडबुक का विमोचन किया गया। साथ ही, ICC द्वारा आयोजित स्लोगन प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों ने ICC अधिनियम और शिकायत प्रक्रिया से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका उत्तर अतिथियों ने विस्तारपूर्वक और संतोषजनक ढंग से दिया।कार्यक्रम में दो व्याख्यान सत्र भी आयोजित किए गए। प्रथम सत्र में उच्च न्यायालय के अधिवक्ता डॉ. वी. के. सिंह ने 'यूजीसी विनियम 2013 बनाम यूजीसी विनियम 2015' विषय पर अपने विचार रखे, जबकि द्वितीय सत्र में मनोचिकित्सक डॉ. शाजिया सिद्दीकी ने 'यौन उत्पीड़न का मनोवैज्ञानिक प्रभावरू साधन, सहायता और संसाधन' विषय पर वक्तव्य दिया।जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के खिलाफ एक मार्च भी निकाला गया, जिसमें छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर सभी को लैंगिक समानता, सुरक्षा और सम्मानपूर्ण वातावरण सुनिश्चित करने के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम का समापन डॉ. दीपा राज के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।इस अवसर पर विभिन्न संकायों के डीन, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे, जिन्होंने विश्वविद्यालय परिसर को सुरक्षित और समानतापूर्ण बनाए रखने के संकल्प को दोहराया।

आउटर रिंग रोड पर भीषण बस-ट्रक टक्कर, चालक घायल, सभी यात्री सुरक्षित

लखनऊ(आरएनएस) राजधानी के आउटर रिंग रोड पर सोमवार की दोपहर उस समय अफरा–तफरी मच गई जब बिहार के मुजफ्फरनगर से दिल्ली जा रही एक यात्री बस आउटर रिंग रोड पर उदयत खेड़ा अंडरपास के निकट पीछे से एक अज्ञात ट्रक–कंटेनर से जा टकराई। हादसा इतना जबरदस्त था कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और केबिन में ड्राइवर फँस गया।घटना की सूचना मिलते ही थाना स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और फायर बिग्रेड की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। राहत दल ने घटनास्थल पर मौजूद लोगों की मदद से बस के केबिन में फँसे चालक को बड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाला। घायल चालक की पहचान नफीस पुत्र ज्ञानुद्दीन निवासी ग्राम पलड़ा, जनपद बागपत के रूप में हुई है। उसे एम्बुलेंस द्वारा उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।इस हादसे में सबसे राहत की बात यह रही कि बस में सवार सभी चालीस यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं। किसी भी यात्री को कोई चोट नहीं आई। पुलिस ने तत्काल बस कंपनी से संपर्क कर दूसरी बस की व्यवस्था कराई, जिसके माध्यम से सभी यात्रियों को सकुशल उनके गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया।थाना स्थानीय पुलिस के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त बस को सड़क किनारे हटा दिया गया है, जिससे आवागमन की स्थिति सामान्य हो गई है। मौके पर पुलिस बल मौजूद रहा और स्थिति पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा गया। हादसे के बाद यात्रियों में कुछ समय के लिए दहशत का माहौल जरूर रहा, लेकिन तत्परता से की गई कार्रवाई के कारण कोई बड़ी अनहोनी नहीं हुई।फिलहाल पुलिस ने दुर्घटना में शामिल अज्ञात ट्रक–कंटेनर की तलाश शुरू कर दी है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार ट्रक चालक घटना के बाद वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने में जुटी है ताकि ट्रक की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जा सके।

लखनऊजलकल विभाग में सेवानिवृत्त कर्मचारियों को गरिमामय सम्मान

लखनऊ।(आरएनएस) ऐशबाग स्थित जलकल मुख्यालय में 30 सितंबर को सेवानिवृत्त हुए पांच कर्मचारियों के सम्मान में एक भव्य और भावपूर्ण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शॉल, स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र भेंट कर उन्हें सम्मानित किया।कार्यक्रम में पार्षद दल के उपनेता सुशील तिवारी 'पम्मी', पार्षद संदीप शर्मा, जीएम जलकल कुलदीप सिंह, अधिशासी अभियंता सचिन सिंह यादव सहित जलकल विभाग के अनेक अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। समारोह के दौरान माहौल भावनात्मक रहा, जब सहकर्मियों ने अपने साथ वर्षों तक काम करने वाले साथियों को विदाई दी।

आनलाइन गेमिंग की लत ने ली मां की जान जुए में कर्ज चुकाने के लिए बेटे ने की हत्या, लखनऊ पुलिस ने किया सनसनीखेज खुलासा

लखनऊरू(आरएनएस)राजधानी लखनऊ के पीजीआई थाना क्षेत्र में हुई एक महिला की हत्या की गुत्थी को पुलिस ने मात्र तीन दिनों में सुलझा लिया। यह घटना तब सामने आई जब मृतका के अपने ही पुत्र ने ऑनलाइन गेमिंग और जुए की लत के चलते अपनी मां की बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की सर्विलांस सेल दक्षिणी जोन, क्राइम टीम और थाना पीजीआई पुलिस की संयुक्त टीम ने हत्यारे बेटे निखिल यादव उर्फ गोलू (20 वर्ष), निवासी बाबूखेड़ा, कल्ली पश्चिम थाना पीजीआई, को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से मृतका के जेवरातकृएक चौन, एक मंगलसूत्र, एक जोड़ा टप्स, एक जोड़ा कान की बाली, एक अतिरिक्त बाली और हत्या में प्रयुक्त पेचकस बरामद किया है।मामला 3 अक्टूबर 2025 का है, जब वादी रमेश यादव ने पुलिस को सूचना दी कि उसकी पत्नी रेनू यादव की घर में हत्या कर दी गई है। उसने बताया कि उसके बेटे निखिल ने फोन कर कहा कि "पापा घर आओ, मम्मी को मार दिया है।" सूचना मिलने पर जब रमेश यादव घर पहुंचा तो घर का सारा सामान बिखरा पड़ा था और उसकी पत्नी को अस्पताल ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।घटना की गंभीरता को देखते हुए उच्चाधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच टीमें गठित कीं। सीसीटीवी

फुटेज, मैनुअल और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच में पता चला कि हत्या मृतका के बेटे निखिल यादव ने की थी। उसे पुलिस ने ग्राम औरम्हा, अलीपुर बहेरा, थाना सुल्तानपुर घोष, जनपद फतेहपुर से गिरफ्तार कर लिया।पूछताछ में निखिल ने जो स्वीकारोक्ति दी, उसने सबको झकझोर दिया। उसने बताया कि वह "जपतंदहंहंउमम.हंउमे" वेबसाइट पर ।अपंजवत नामक ऑनलाइन गेम खेलता था, जिसमें उसने लगातार हार कर भारी रकम गंवा दी थी। इस नुकसान की भरपाई के लिए उसने "डच्व्ज्ञझम्ज्" से ₹25,000, "थ्स्ॅ।ट्र ।स्स्ज्" से ₹2,600 और "ट।ड थ्पदबवतच" से ₹2,000 का त्वरित ऑनलाइन लोन लिया। लेकिन ऊंचे ब्याज, छिपे शुल्क और वसूली के दबाव ने उसे बुरी तरह परेशान कर दिया।निखिल ने बताया कि पहले भी उसने अपनी मां के कुछ जेवर बेचकर पुराने कर्ज चुकाए थे, पर किस्तें भरने में असमर्थ रहने पर उसने दोबारा चोरी की योजना बनाई। घटना वाले दिन वह घर में रखे जेवर चुरा रहा था, तभी उसकी मां ने उसे देख लिया। पकड़े जाने के डर से उसने गुस्से में आकर घर में रखे पेचकस से कई वार किए और फिर गैस सिलेंडर उठाकर दो–तीन बार उस पर प्रहार किया, जिससे उसकी मां की मौत हो गई।हत्या के बाद आरोपी ने अपने पिता, मामा और एक दोस्त को फोन कर खुद को बचाने के लिए झूठी कहानी गढ़ी कि "घर में कुछ लोग मम्मी को मार रहे हैं और मैं भी खतरे में हूं।" फिर वह बैग में गहने और पेचकस रखकर मोटरसाइकिल से फरार हो गया। पुलिस ने उसकी तलाश में तकनीकी निगरानी और सर्विलांस की मदद ली और अंततः उसे फतेहपुर जिले से दबोच लिया।

थाना पीजीआई में दर्ज मुकदमा संख्या 501५2025 में प्रारंभिक रूप से धारा 103(1) बीएनएस लगाई गई थी, जिसे अब बढ़ाकर धारा 238५315 बीएनएस के तहत आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी ने इस सफल अनावरण पर पुलिस टीम को ₹25,000 के पुरस्कार से सम्मानित किया है।यह मामला एक बार फिर यह चेतावनी देता है कि ऑनलाइन गेमिंग और जुए की लत न केवल युवाओं का भविष्य बर्बाद कर रही है, बल्कि परिवारों को भी तबाह कर रही है।

भाजपा सरकार में किसान ठगा और उपेक्षित अखिलेश यादव

लखनऊ (आरएनएस) समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में किसान पूरी तरह उपेक्षा और शोषण का शिकार है। भाजपा के सत्ता में आने के बाद से न तो किसानों को समय से खाद और बीज उपलब्ध कराया जा रहा है, और न ही उनकी मेहनत का उचित मूल्य मिल पा रहा है। बढ़ती महंगाई के कारण खेती की लागत दोगुनी हो गई है, लेकिन किसानों की फसलों का दाम लगातार घट रहा है।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों को धान और अन्य फसलों के लिए डीएपी, यूरिया जैसी जरूरी खाद समय पर उपलब्ध नहीं करा पाई। किसानों को खाद के लिए लंबी लाइनों में लगना पड़ा, कई स्थानों पर लाठीचार्ज हुए, किसानों की तबीयत बिगड़ी और कुछ की तो जान तक चली गई, परंतु संवेदनहीन भाजपा सरकार ने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा कि अब जब किसानों को गेहूं, आलू, चना, मटर जैसी रबी फसलों के लिए खाद की आवश्यकता है, तब भी सरकार की कोई तैयारी नहीं है।पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में कालाबाजारी और मुनाफाखोरी चरम पर है। खाद की किल्लत और कालाबाजारी के चलते किसान परेशान है जबकि प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। उन्होंने कहा कि किसान अपनी मेहनत से फसल पैदा करता है लेकिन भाजपा सरकार में उसका लागत मूल्य भी वसूल नहीं हो पाता। आलू, गन्ना, धान और गेहूं के किसानों को न तो समर्थन मूल्य मिल रहा है, न बकाया भुगतान।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों से झूठे वादे किए और "आय दोगुनी" करने का दावा सिर्फ जुमला साबित हुआ।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत छात्राओं ने निकाली जन-जागरूकता रैली, अमीनाबाद में दिखा महिला सुरक्षा के प्रति उत्साह और संकल्प

लखनऊ(आरएनएस)पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के थाना अमीनाबाद क्षेत्र में मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत सोमवार को एक प्रभावशाली जन–जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में मुमताज इंटर कॉलेज, महिला इंटर कॉलेज और सेंट टेरेसा डे स्कूल की छात्राओं ने अपने शिक्षकों और अमीनाबाद व्यापार मंडल के सदस्यों के साथ मिलकर भाग लिया। इस दौरान छात्राओं ने नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के प्रति समाज को जागरूक करने का संदेश दिया।रैली को कैसरबाग के सहायक पुलिस आयुक्त ने थाना अमीनाबाद से पिंक झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली का मार्ग श्रीराम चौराहा, लाटूश रोड, सेंट्रल बीट, नजीराबाद, मौलवीगंज, सकरी सेंटर और अमीनाबाद तिराहा होते हुए पुनः थाना परिसर पर समाप्त हुआ। इस विशाल रैली में लगभग 400 से 500 छात्र–छात्राओं, अध्यापकगणों, महिलाओं और पुरुषों

ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।थाना अमीनाबाद की प्रभारी निरीक्षक के निर्देशन में मिशन शक्ति प्रभारी महिला उपनिरीक्षक गौरव कुमारी ने अपनी टीम, एंटी रोमियो स्क्वाड और स्थानीय पुलिस बल के साथ इस अभियान का नेतृत्व किया। रैली के दौरान प्रतिभागियों को महिला सुरक्षा से संबंधित अपराधों, सरकारी योजनाओं और सहायता सेवाओं की जानकारी दी गई। विशेष रूप से हेल्पलाइन नंबर 1090, 1098, 1076, 1930, 101, 112 और 108 की जानकारी साझा की गई ताकि संकट की स्थिति में महिलाएं और बालिकाएं तुरंत सहायता प्राप्त कर सकें।मिशन शक्ति 5.0 के तहत लखनऊ पुलिस ने शहर के सभी 54 थानों में विशेष 'मिशन शक्ति केंद्र' स्थापित किए हैं। पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर के ... ात कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। साथ ही, डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से छात्राओं को ऑनलाइन सतर्कता और सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग की जानकारी दी गई।रैली का मुख्य उद्देश्य समाज में महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर जनमानस में जागरूकता पैदा करना था।

बांदा में नए 33-11 केवी विद्युत उपकेंद्र का वर्चुअल लोकार्पण, क्षेत्रीय बिजली आपूर्ति होगी सुदृढ़

बांदा रू(आरएनएस) नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने आज जनपद बांदा में स्थापित 33५11 केवी क्षमता के नवीन विद्युत उपकेंद्र का लखनऊ कैम्प कार्यालय से वर्चुअल माध्यम से लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक नागरिक को सुचारु, स्थायी और गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध हो। उन्होंने बताया कि इस उपकेंद्र के निर्माण से आस–पास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति और अधिक मजबूत होगी और उपभोक्ताओं को कम वोल्टेज, ट्रिपिंग और अघोषित कटौती जैसी परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। इसके साथ ही क्षेत्र के उद्योग, शैक्षणिक संस्थान और घरेलू उपभोक्ता इसका सीधा लाभ उठाएंगे।ऊर्जा मंत्री ने बताया कि यह उपकेंद्र जनपद की बढ़ती आबादी और भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए स्थापित किया गया है और इससे लगभग बीस हजार उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि यह प्रयास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "सभी के लिए बिजली" और मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ के "ऊर्जा आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश" के विजन को साकार करने की दिशा में किया जा रहा है।श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश के हर जिले में विद्युत ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए नए उपकेंद्रों की स्थापना, जर्जर लाइनों का प्रतिस्थापन और ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता वृद्धि का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपकेंद्र के संचालन और रखरखाव में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और उपभोक्ता संतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उनका कहना था कि बिजली विभाग अब सेवा भाव से काम करने वाला विभाग बने, जहाँ हर उपभोक्ता को समयबद्ध समाधान और बेहतर सुविधा मिले।वर्चुअल लोकार्पण के दौरान कार्यक्रम स्थल बांदा में सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी, जिलाध्यक्ष कल्लू राजपूत, नगर पालिका अध्यक्ष मालती वासु, ब्लॉक प्रमुख स्वर्ण सिंह, रविंदर गर्ग सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण और विभागीय अधिकारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

मॉरीशस में भारत की सांस्कृतिक, एकता का भव्य उत्सव

विजडम इंडिया संवाददाता। मॉरीशस के पवित्र गंगा तालाब स्थित मंगल महादेव मंदिर में आयोजित मां दुर्गा पूजन समारोह ने भारत और मॉरीशस के बीच सांस्कृतिक और आध्यात्मिक एकता को नया आयाम दिया। इस भक्तिमय आयोजन में उत्तर प्रदेश के अम्बेडकरनगर जिले के देवापुर गांव से निकलकर ज्योतिष और वास्तु शास्त्र के क्षेत्र में ख्याति प्राप्त आचार्य राकेश चतुर्वेदी ने विशेष सम्मान अर्जित किया। मॉरीशस के स्वास्थ्य मंत्री अनिल कुमार बैजू द्वारा आयोजित इस भव्य समारोह में आचार्य राकेश को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था, जो सनातन धर्म के प्रचार–प्रसार में उनकी अटूट निष्ठा का प्रतीक है।आयोजन के दौरान आचार्य राकेश चतुर्वेदी ने मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम और उनकी धर्मपत्नी वीना रामगुलाम का तिलक कर उनका हार्दिक अभिनंदन किया। उन्होंने दोनों को शुभ आशीर्वाद प्रदान करते हुए इस अवसर को और भी गरिमामय बनाया। भजन, मंत्रोच्चारण और आरती की मधुर ध्वनियों से सजा यह समारोह आध्यात्मिकता का अनुपम संगम बना। मंदिर परिसर में उपस्थित भक्तों ने भारत और मॉरीशस की साझा सांस्कृतिक विरासत की जीवंत झलक का अनुभव किया।आचार्य राकेश चतुर्वेदी ने अपने उद्बोधन में कहा, "धर्म और संस्कृति ही वह सूत्र हैं, जो भारत और मॉरीशस को आत्मीयता के बंधन में जोड़ते हैं।" उनके शब्दों ने दोनों देशों के बीच गहरे सांस्कृतिक रिश्तों को रेखांकित किया। मॉरीशस की धरती पर सनातन धर्म के ध्वज को बुलंद करने वाले स्वास्थ्य मंत्री अनिल कुमार बैजू की पहल ने इस आयोजन को और भी विशेष बना दिया। यह समारोह न केवल आध्यात्मिक उत्साह का प्रतीक रहा, बल्कि दोनों राष्ट्रों के बीच सांस्कृतिक एकता का एक स्वर्णिम अध्याय भी सिद्ध हुआ।

देहरादून में सरिता यादव को मिला "चाणक्य सम्मान"

मिशन न्यू इंडिया ने विश्व शिक्षक दिवस पर निःशुल्क पाठशाला के कार्य को सराहा

सुलतानपुर।(आरएनएस) गरीब और वंचित बच्चों के लिए शिक्षा की अलख जगाने वाली सुलतानपुर की बाल कल्याण न्याय पीठ की सदस्य मजिस्ट्रेट सरिता यादव को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ा सम्मान मिला है। देश की प्रतिष्ठित संस्था मिशन न्यू इंडिया ने उन्हें "चाणक्य सम्मान" से नवाजा है। यह सम्मान उन शिक्षकों और समाजसेवियों को दिया जाता है जो कठिन परिस्थितियों में रह रहे नौनिहालों के जीवन में शिक्षा का उजाला फैलाने का कार्य कर रहे हैं। यह सम्मान देहरादून के एक पाँच सितारा होटल में रविवार को आयोजित समारोह में दिया गया, जिसे नरेंद्र मोदी विचार मंच द्वारा आयोजित किया गया था। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राजकुमार पुरोहित ने सरिता यादव सहित देशभर के 20 उत्कृष्ट समाजसेवियों और शिक्षकों को माँ सरस्वती की प्रतिमा, सम्मान पत्र और अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह में नरेंद्र मोदी विचार मंच के राष्ट्रीय संयोजक रवि चाणक्य, राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. ज्योति श्रीवास्तव, प्रदेश अध्यक्ष निशा शर्मा और निर्मल रतनलाल वैद्य सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सम्मान मिलने पर अपनी प्रतिक्रिया में सरिता यादव ने कहा कि वे यह पुरस्कार उन बच्चों को समर्पित करती हैं जो सीखने की लगन से हर कठिनाई को पार करते हैं। उन्होंने बताया कि उनकी निःशुल्क पाठशाला चलाने में अंकुरण फाउंडेशन, प्रज्ञालय अमेरिका के डी.के. सिंह, युवा समाजसेवी अभिशेष सिंह, गगनदीप सिंह और रिशा वर्मा का सक्रिय सहयोग रहा है। सरिता यादव को राष्ट्रीय सम्मान मिलने पर बाल कल्याण न्याय पीठ, आदर्श सेवा संस्थान, और जिले के तमाम समाजसेवियों ने खुशी व्यक्त की है।

स्वदेशी जनजागरण से आत्मनिर्भर भारत का निर्माण-मुकुंद मिश्रा

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल सुल्तानपुर की बैठक में व्यापारियों ने किया जोरदार स्वागत

सुलतानपुर।(आरएनएस) उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल सुल्तानपुर की एक बैठक जिलाउपाध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल के बाधमंडी स्थित प्रतिष्ठान पर आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता संगठन के जिला अध्यक्ष मनीष साहू ने की। इस अवसर पर संगठन के मुखिया मुकुंद मिश्रा एवं राष्ट्रीय व्यापार कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के नवनियुक्त सदस्य सुनील पांडेय का पदाधिकारियों और व्यापारियों ने जोरदार स्वागत किया।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा ने कहा कि "स्वदेशी जनजागरण" एक सामाजिक और आर्थिक आंदोलन है, जिसका उद्देश्य भारत में निर्मित वस्तुओं के उपयोग को बढ़ावा देना, विदेशी वस्तुओं पर निर्भरता कम करना और आत्मनिर्भर भारत की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी अपनाने से कुटीर एवं लघु उद्योगों को बल मिलेगा, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और ग्रामीण विकास को नई दिशा मिलेगी। मुकुंद मिश्रा ने व्यापारियों से आह्वान किया कि विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार कर भारतीय उत्पादों को प्राथमिकता दें और स्थानीय दुकानों से खरीदारी करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा जीएसटी दरों में कमी से व्यापारियों और आम जनता दोनों को लाभ हुआ है। दीपावली जैसे त्योहारों पर लोकल दुकानदारों से खरीदारी करना ही देशहित में सच्चा योगदान है। ऑनलाइन कंपनियों की नीतियों पर उन्होंने कहा कि ये कंपनियां आकर्षक ऑफर और झूठे वादों से उपभोक्ताओं को भ्रमित करती हैं। व्यापारी वर्ग को चाहिए कि वे अपने प्रतिष्ठानों तक ग्राहकों की निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करें, पार्किंग जैसी असुविधाएं न होने दें और उचित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण वस्तुएं उपलब्ध कराएं। बैठक में वरिष्ठ जिला महामंत्री नरेंद्र बरनवाल, जिला संगठन महामंत्री संजय गुप्ता, मनीष जायसवाल सभासद, जिला उपाध्यक्ष आत्मजीत सिंह टीटू, जिलाकोषाध्यक्ष बैजनाथ कसौधन, इंद्रमणि बरनवाल, प्रतीक बरनवाल, अंकित साहू सहित दर्जनों व्यापारी उपस्थित रहे।

राजस्वकर्मियों की मिलीभगत से ग्राम समाज की जमीन पर अवैध निर्माण जारी

सुलतानपुर(आरएनएस)। धम्मौर थाना क्षेत्र के मनियारपुर गांव में सरकारी जमीन पर दबंगों द्वारा खुलेआम अवैध निर्माण किए जाने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, सुलतानपुर–रायबरेली राष्ट्रीय राजमार्ग के बगल, श्री हनुमत इंटर कॉलेज के सामने स्थित ग्राम समाज की भूमि (गाटा संख्या 378) जो राजस्व अभिलेखों में भीटा के रूप में दर्ज है, उस पर दबंग किस्म के लोगों ने कब्जा जमाना शुरू कर दिया है।

ग्रामीणों का कहना है कि कई बीघों में फैली इस सरकारी जमीन पर कुछ भू–माफिया लोगों ने खंडजा बनाकर पक्की दीवार खड़ी कर दी है। स्थानीय नागरिकों ने इसकी शिकायत कई बार संबंधित राजस्वकर्मियों व प्रशासनिक अधिकारियों से की, लेकिन कार्रवाई के नाम पर अब तक कुछ नहीं हुआ। ग्रामीणों का आरोप है कि राजस्व विभाग के कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत से यह अवैध निर्माण हो रहा है। वे न तो मौके पर जाते हैं, न ही कब्जा हटाने की कोई पहल करते हैं।

इससे यह स्पष्ट होता है कि अधिकारियों की शह पर ही सरकारी जमीन पर निर्माण कराया जा रहा है। ग्राम पंचायत के जागरूक नागरिकों ने कहा कि ग्राम समाज की जमीनों की सुरक्षा की जिम्मेदारी प्रशासन की होती है, लेकिन यहां जिम्मेदार ही लापरवाही बरत रहे हैं।

ग्रामीणों ने मामले की शिकायत जिले के उच्चाधिकारियों, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार तथा राजस्व परिषद अध्यक्ष को भेजी है।

उन्होंने मांग की है कि गाटा संख्या 378 पर चल रहे अवैध निर्माण को तत्काल रोककर भूमि को खाली कराया जाए, ताकि सरकारी संपत्ति सुरक्षित रह सके।

जुटे मरीज, हुई रक्तव सुगर की जाँच, बंटी दवाएं और प्रसाद

सुलतानपुर(आरएनएस)। दुर्गा पूजा महोत्सव में देवी माँ के बिभिन्न रूपों के साथ समाज सेवा के तमाम सोपान गढ़े जा रहे है. इनमे खास रहा अंकुरण फाउंडेशन का निःशुल्क चिकित्सा शिविर जहाँ श्रद्धालुओं को मुफ्त में इलाज, जाँच हुई दवाई दी गई। रविवार को यहाँ की सारी व्यवस्था नारी शक्ति को समर्पित रहा जिसमें संस्था के महिला विंग के सदस्यों ने शिविर की सारी व्यवस्था संभाली और पुरुषों ने देवी माँ का प्रसाद बांटा। दशहरा के शाम से ही बस अड्डा के निकट स्थित आजाद पार्क के बगल पिछले सात साल से अंकुरण

फाउंडेशन का शिविर लगता है. इसमें जिले के नामी डाक्टर सलिल श्रीवास्तव, परिवर्तन सहगल काजल अग्रहरि अमित कौशल आलोक साहू, डॉ रितेश, डॉ संजय त्रिपाठी, डॉ अमित कौशल, डॉ रवि त्रिपाठी, डॉ राजेंद्र कपूर, पूजा शुक्ला त्रिपाठी, डॉ पंकज पांडेय, डॉ प्रियंका पांडेय, डॉ आशुतोष सुनील अग्रहरि आदि के साथ संदीप तिवारी मनीष श्रीवास्तव अभिनव ठाकुर दवा बाँटते रहे। ब्रदर्स पैथोलॉजी ब्लड ग्रुप व सुगर की जाँच करती रही। गायत्री वर्मा, प्रांजलि श्रीवास्तव सीमा सिंह ममता पांडे सरिता यादव रेनू श्रीवास्तव पूनम जोग रिशा वर्मा आदि ने मरीजों का पंजीयन किया और दवा वितरण में सहयोग किया। उद्घाटन डॉ रवि त्रिपाठी व सुधाकर सिंह सीएमएस आर के मिश्र ने किया था। कामधेनु केटरर ने भंडारा आयोजित किया।

शिक्षक रत्न सम्मान 2025 से सम्मानित हुए डा.चन्द्रपाल राजभर

सुल्तानपुर(आरएनएस)। जनपद सुल्तानपुर का मान सम्मान गौरव बढ़ाने वाले आर्टिस्ट, लेखन शिक्षक, डॉ.चन्द्रपाल राजभर को 5 अक्टूबर अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के अवसर पर फ्यूचर विश्वविद्यालय बरेली विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पंकज कुमार मिश्रा, जिला विद्यालय निरीक्षक(सहायक शिक्षा निदेशक बरेली) डॉ. अजीत कुमार, पूर्व सांसद प्रोफेसर ओमपाल सिंह निडर, कुंवर महाराज सिंह (सदस्य विधान परिषद बरेली रामपुर) विधायक बरेली कैंट संजीव अग्रवाल, बेसिक एजुकेशन मोमेंट ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राजेश शर्मा ने मिलकर डॉक्टर चन्द्रपाल राजभर को फ्यूचर विश्वविद्यालय में शिक्षक रत्न सम्मान 2025 से सम्मानित किया यह सम्मान डॉ. चन्द्रपाल राजभर को शिक्षक प्रशिक्षण, नामांकन, कायाकल्प, पर्यावरण, भाषा, स्वच्छता, बालिका शिक्षा, मिशन शक्ति, निपुण भारत मिशन, भारत स्काउट एण्ड गाइड, मध्यान्ह भोजन, शोध एवं नवाचार, शैक्षिक उन्नयन में शिक्षकों की भूमिका, शैक्षिक संगोष्ठी, कार्यशाला एवं शैक्षिक भ्रमण हेतु उनकी विशिष्ट सेवा एवं समर्पित सहयोग के लिये प्रदान किया गया इस सम्मान की खुशी जनपद के साथ–साथ समस्त देशवासियों को है ।

बच्चों को राज्यपाल के हाथों मिला उपहार

जौनपुर(आरएनएस)। दीक्षांत समारोह में प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमतीआनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांव में आयोजित खेलप्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने वाले अर्जुन, दिव्या यादवऔर राज चौहान को पुरस्कार दिया ।उच्चतर माध्यमिकविद्यालय जफरपुर के कक्षा ०८ के छात्र अर्जुन ने दहेज कुप्रथा पर दीक्षांत समारोहमें भाषण दिया। इसके साथ ही जासोपुर, देवकली और जफरपुर केप्राथमिक और कंपोजिट विद्यालय की छात्राओं द्वारा पर्यावरण एवं जल संरक्षण गीतप्रस्तुत किया गया। कुलाधिपति जी ने राजभवन की तरफ से प्राथमिक विद्यालय कीशिक्षिका एकता गुप्ता को पुस्तकें प्रदान किया. दीक्षांतसमारोह के पूर्व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल जी ने 9 से 14वर्ष की उम्र की बालिकाओं को जिन्हें पूर्वमें निःशुल्क एचपीवी वैक्सीनेशन कराया गया था प्रमाणपत्र वितरित किया।

वनवास से लौटे चारों भाइयों का मिलन देख लोग हर्षित

जौनपुर।(आरएनएस) पण्डित जी का ऐतिहासिक भरत मिलाप

रविवार को बड़े धूमधाम एवं आकर्षक झांकियों के बीच सम्पन्न हुआ । 14 वर्ष के बनवास बाद चार भाइयों का मिलन हुआ तो उपस्थित भक्त जनों की आंखें नम हो गईं। बनवास से लौटे भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और माता सीता के अयोध्या आगमन पर पूरा इलाका प्रफुल्लित हो उठा ।नगर को विद्युत के आकर्षक झालरों, रंग बिरंगी दूधिया रोशनी से सजावट देखते ही बन रही थी। लाग के रूप में 30 आकर्षक झांकियां घोड़े हाथी और ऊंट के साथ निकाली गई ।भोर में भगवान राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न 14 वर्ष के बनवास के बाद आपस में गले मिले तो लोगों की आँखे नम हो गईं।और भगवान श्री राम के जय कारे से पूरा इलाका गूंज उठा। इसके पहले नगर के अहिया पुर मोड़ से मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री रामचंद्र की शोभा यात्रा आकर्षक ढंग तथा भव्य रूप से सजावट की गई रथ की सजावट पर डीजे साउंड के साथ मध्य रात्रि में निकाली गई। विभिन्न स्थानों से आई आकर्षक झांकियां चल रही थी। पुष्पक विमान रूपी राम रथ जिसमें मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम, सीता, लक्ष्मण विराजमान थे। यह शोभा यात्रा सम्पूर्ण नगर भ्रमण करते हुए भोर में ओलंदगंज में संपन्न हुई ।जौनपुर के मुन्ना लाल को प्रथम लॉग के रूप में सम्मानित किया गया। द्वितीय पुरस्कार कन्हैया लाल तथा तृतीय शीतला प्रसाद को दिया गया। वाराणसी से आयी हुयी लॉग गंगा अवतरण को प्रथम, भरत मिलाप को द्वितीय एवं नाग नथैया को तृतीय पुरस्कार के रूप में सम्मानित किया गया। झांकी में प्रथम पुरस्कार वाराणसी को तथा द्वितीय पुरस्कार राम सिंह मौर्या जौनपुर को, महिषासुर को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

किसानों की पट्टा पत्रावली गायब होने पर दीपकशुक्ला "तिरंगा महाराज" का धरना, मुख्यमंत्री से दोषियों पर FIR की मांग

बीकेटी तहसील के राजस्व अधिकारियों पर पट्टा पत्रावली सरकारी कागजात गायब करने के लगे गंभीर आरोपय किसानों में भारी रोष

विजडम इंडिया संवाददाता। लखनऊ बख्शी का तालाब (बीकेटी) तहसील क्षेत्र के सुल्तानपुर ग्राम सभा में लगभग 150 किसानों की पट्टा आवंटन पत्रावली के रहस्यमय ढंग से गायब होने को लेकर एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। सामाजिक कार्यकर्ता दीपक शुक्ला शतिरंगा महाराजश ने इस गंभीर मामले में मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन पुलिस विभाग को सौंपा है, जिसमें दोषी राजस्व अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ तत्काल प्राथमिकी (थ्प्) दर्ज कर उचित कार्रवाई की मांग की गई है।

दीपक शुक्ला शतिरंगा महाराजश पिछले कई सालों से किसानों के हितों के लिए धरने पर बैठे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासनिक उदासीनता और अधिकारियों की मिलीभगत के चलते यह महत्वपूर्ण दस्तावेज गायब किए गए हैं, जिससे किसानों को न्याय नहीं मिल पा रहा है।

क्या है पूरा मामला

वर्ष 2002 में, ग्राम सभा सुल्तानपुर में भूमि प्रबंधक समिति द्वारा खुली बैठक में लगभग 150 किसानों को ग्राम समाज की भूमि का वैधानिक आवंटन किया गया था।

' इस आवंटन के बाद पट्टा आवंटन पत्रावली तैयार की गई थी और सक्षम अधिकारी द्वारा अनुमोदित होने के बाद, वर्ष 1409–1414 फसली वर्ष की खतौनी में किसानों के पक्ष में 104 प्रविष्टियाँ भी अंकित की गई थीं।लेकिन हाल ही में ग्राम में चल रही चकबंदी प्रक्रिया के दौरान यह तथ्य सामने आया कि आवंटन से संबंधित पत्रावली तहसील बख्शी का तालाब में उपलब्ध नहीं है।

' तिरंगा महाराज का आरोप है कि पत्रावली गायब होने के आधार पर किसानों के खिलाफ मुकदमे चलाए जा रहे हैं और जानबूझकर डबल इंद्राज का विवाद तैयार किया गया है।

न्याय के लिए गुहार

दीपक शुक्ला शतिरंगा महाराजश ने ज्ञापन में कहा है कि पट्टा आवंटन पत्रावली के अनुमोदन के बाद ही खतौनी में इंद्राज किए गए थे। इसका मतलब है कि पत्रावली पहले मौजूद थी, लेकिन अब जानबूझकर छिपा दी गई है।उन्होंने बताया कि इस संबंध में पहले भी जिलाधिकारी लखनऊ, उपजिलाधिकारी बीकेटी और अन्य सक्षम अधिकारियों को कई बार प्रार्थना पत्र दिए गए, लेकिन अधिकारियों ने कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की।ज्ञापन सौंपते हुए शतिरंगा महाराजश ने चेतावनी दी कि यदि जल्द से जल्द दोषी अधिकारी कर्मचारियों पर मुकदमा दर्ज कर किसानों को न्याय नहीं दिया गया और उनके पट्टे बहाल नहीं किए गए, तो किसानों में बड़ी नाराजगी है और यह विरोध और भी बड़ा रूप ले सकता है। उन्होंने मुख्यमंत्री महोदय से तत्काल मामले की उच्च–स्तरीय जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कड़ी और प्रभावी कार्यवाही करने का अनुरोध किया है।

तिरंगा महाराज द्वारा धरना प्रदर्शन किए जाने की सूचना पर पुलिस प्रशासन सुबह से ही मौजूद था और लगातार किसानों से बात कर उनको शांत करने का काम कर रहा था धरने पर पर एल आई यू विभाग इंटेलिजेंस विभाग महिला पुलिसकर्मी सुबह से मौजूद रही।

500 आंगनबाड़ी को मिला किट

जौनपरु(आरएनएस)। दीक्षांत समारोह में प्रदेश की राज्यपाल ने जौनपुर औरगाजीपुर जनपद के 10 आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए किट प्रदानकिया. दोनों जनपदों के 500 आंगनबाड़ी केंद्रों को यह किटदिया जायेगा. इसमें 100 किट पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वाराएवं 200–200 किट जौनपुर और गाजीपुर जिला प्रशासन द्वाराउपलब्ध कराया गया ।

बटन दबाते ही अपलोड हुई डिग्रियां

जौनपुर(आरएनएस)। दीक्षांत समारोह में प्रदेश की राज्यपाल ने आईपैड काबटन दबाकर 2024–25 की स्नातक और स्नातकोत्तर की 80,141डिग्रियों को डिजीलॉकर में अपलोड किया गया। विद्यार्थियों को इससेडिजीटल डिग्री आसानी से मिल जाएगी। डिजीलॉकर में उपकुलसचिव अजीत सिंह ने माननीयराज्यपाल के हाथों अपलोड कराया।

पत्रिका का हुआ विमोचन

जौनपुर(आरएनएस)। विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशितपुस्तक योग माहात्म्य तथा विश्वविद्यालय की वार्षिक पत्रिका गतिमान सहित शिक्षकोंऔर शोध छात्रों की कुल छह पुस्तकों का विमोचन दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति एवंराज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने किया। योग माहात्म्य पुस्तक का संपादन प्रो.मनोज मिश्र और डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने किया है। सम्पादन मण्डल में डॉ. सुनील कुमार, डॉ. अन्नू त्यागी,डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ. शशिकांत यादव रहे।

445 विद्यार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि

जौनपुर(आरएनएस)। दीक्षांत समारोह में इस बार कुल 445 शोधार्थियोंको पीएच.डी. एवं डी.लिट. की उपाधि प्रदान की जाएगी। इनमें 292 पुरुष और 155 महिलाएं शामिल हैं। शोध उपाधियों केसंकायवार वितरण पर नजर डालें तो कला संकाय सबसे आगे है, जहाँ328 शोधार्थियों को उपाधि दी गई । इसके बाद शिक्षा संकाय के 46, विज्ञान संकाय के 28 और कृषि संकाय के 11शोधार्थियों को यह सम्मान मिला । इसी तरह वाणिज्य संकाय से 8,प्रबंध अध्ययन संकाय (पीएच.डी. एवं डी. लिट.) से 10, औषध संकाय से 4, विधि से पांच और इंजीनियरिंग संकायसे 6 तथा अनुप्रयुक्त समाज विज्ञान एवं मानविकी संकाय से 1शोधार्थी उपाधि मिलेगी।

स्वदेशी एवं स्वावलम्बन ही नये भारत का आधार

संघ की स्थापना का यह अवसर केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। भागवत ने स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना महोत्सव यानी प्रत्येक वर्ष विजयदशमी के अवसर पर संघ प्रमुख का उद्बोधन एक नए संदेश और नये दृष्टिकोण के साथ सामने आता है, इस उद्बोधन का पूरा राष्ट्र इंतजार करता है। इस बार संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कई ऐसी बातें कहीं, जो सरकार के साथ समाज के लोगों का ध्यान खींचने वाली हैं। इस पर आश्चर्य नहीं कि उन्होंने अपने संबोधन में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से भारत पर थोपे गए टैरिफ की चर्चा की। 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ ने भारत के समक्ष जो कठिन चुनौती खड़ी कर दी है, उसका प्रभावी ढंग से सामना स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही किया जा सकता है। भागवत ने संबोधन में स्वदेशी और स्वावलंबन को नए भारत का आधार बताया है। उन्होंने कहा कि आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में परस्पर निर्भरता एक स्वाभाविक स्थिति है, लेकिन यह निर्भरता कभी भी बंधन या मजबूरी में परिवर्तित नहीं होनी चाहिए। भारत को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ना होगा ताकि विदेशी निर्णयों और नीतियों पर हमारी नियंत्रण क्षमता सीमित न हो जाए। उनका कहना था कि स्वदेशी का अर्थ यह नहीं है कि हम दुनिया से कट जाएं, बल्कि यह है कि हम अपनी शर्तों पर और अपनी आवश्यकताओं के अनुसार संबंध बनाएं। संघ की स्थापना का यह अवसर केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। भागवत ने स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया। यह आयोजन संघ के सौ वर्ष सम्पूर्णता की साधना का मूल्यांकन ही नहीं, बल्कि आने वाले सौ वर्षों की दिशा का भी उद्घोष था। नई इबारत लिखते हुए भागवत ने स्पष्ट कहा कि संघ की कार्यप्रणाली का सार है, नए मनुष्य एवं सशक्त–स्वावलम्बी भारत का निर्माण। यह विचार सुनने में सरल लग सकता है, किंतु इसके निहितार्थ अत्यंत गहरे हैं। समाज और राष्ट्र की सारी समस्याओं का मूल व्यक्ति के भीतर छिपा है। इसीलिये देश के सभी वर्गों को एकसूत्र में जोड़ने के संकल्प के साथ संघ आगे बढ़ेगा क्योंकि जब तक व्यक्ति का चरित्र, दृष्टि और आचरण नहीं बदलते, तब तक कोई भी व्यवस्था स्थायी रूप से परिवर्तित नहीं हो सकती। संघ व्यक्ति–निर्माण के माध्यम से समाज और राष्ट्र को बदलने की दीर्घकालिक साधना कर रहा है। यही कारण है कि संघ के कार्य का परिणाम केवल शाखाओं या कार्यक्रमों में नहीं मापा जा सकता, बल्कि उस अदृश्य लेकिन ठोस नैतिक शक्ति एवं सशक्त राष्ट्रीय भावना में देखा जा सकता है, जो धीरे–धीरे समाज की दिशा बदल रही है। भागवत ने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक दृष्टि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, सांस्कृतिक और जीवन मूल्यों से भी जुड़ी हुई है। उन्होंने विविधता को भारत की विशेषता बताया और समाज में विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर चेताया। उन्होंने पंच परिवर्तन की संकल्पना भी प्रस्तुत की जिसमें आत्मजागरूकता, पारिवारिक मूल्य, नागरिक अनुशासन और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता को जोड़ा गया है। इस संदेश के सकारात्मक पक्ष अनेक हैं। यदि इसे गंभीरता से अपनाया जाए तो यह देश की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को नई दिशा दे सकता है। स्थानीय उद्योगों, हस्तशिल्प और कृषि को बढ़ावा देने से रोजगार का सृजन होगा और आर्थिक आत्मसम्मान मजबूत होगा। स्वदेशी पर बल देने से विदेशी निर्भरता घटेगी और देश की सुरक्षा व नीति संबंधी स्वतंत्रता बढ़ेगी। यदि समाज के स्तर पर भी इस सोच को अपनाया जाए तो उपभोक्तावाद के स्थान पर संवेदनशीलता और सेवा भाव विकसित होगा। विविधता के सम्मान और सामाजिक सद्भाव के आग्रह से राष्ट्र अधिक एकजुट और शक्तिशाली बन सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जिस आत्मनिर्भर भारत का आह्वान कर रहे हैं, उसका मूल उद्देश्य केवल आर्थिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं है। यह संदेश देश की घरेलू क्षमताओं को सशक्त बनाने, आयात पर निर्भरता घटाने और स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन देने के साथ–साथ विकास की दिशा को व्यापक सामाजिक सरोकारों से भी जोड़ता है, जिसमें महात्मा गांधी की 'स्वदेशी अपनाओ' और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 'अंत्योदय' की परिकल्पना स्पष्ट तौर पर समाहित है।स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही नया भारत–सशक्त भारत का निर्माण किया जा सकता है। इस बात को सरकार भी रेखांकित कर चुकी है और अब संघ प्रमुख ने भी दोहरा दिया। यह समय की मांग है कि स्वदेशी और स्वावलंबन पर तब तक बल दिया जाए, जब तक वांछित सफलता न मिल जाए। जहां सरकार को स्वदेशी की राह को आसान करना होगा, वहीं समाज को सहयोग देने के लिए तत्पर रहना होगा। इस उम्मीद में नहीं रहा जाना चाहिए कि अमेरिका के साथ शीघ्र ही आपसी व्यापार समझौता हो जाएगा। एक तो जब तक ऐसा हो न जाए तब तक चौन से नहीं बैठा जा सकता और दूसरे, यदि ऐसा हो जाए तो भी भारत को स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलना छोड़ना नहीं चाहिए। व्यापारिक साझेदारों पर निर्भरता लाचारी में नहीं बदलनी चाहिए। वास्तव में इस स्थिति से बचने का ही उपाय है स्वदेशी उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करना। परंतु इस संदेश के साथ कई चुनौतियां और सीमाएं भी जुड़ी हुई हैं। आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था इतनी आपस में गुँथी हुई है कि किसी भी देश का पूर्ण

स्वावलंबन व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। अनेक तकनीकें और कच्चे माल अब भी हमें विदेशों से ही प्राप्त करने होते हैं। यदि स्वदेशी को बढ़ावा देने के नाम पर विदेशी व्यापार पर प्रतिबंध या अधिक शुल्क लगाए जाते हैं तो यह व्यापार युद्ध और आर्थिक तनाव को जन्म दे सकता है। इस संदेश की सफलता केवल भाषणों और भावनात्मक नारों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए बल्कि ठोस नीतियों, बजट, शोध और योजनाओं के आधार पर इसे अमल में लाना होगा।सामाजिक दृष्टि से भी यह आवश्यक है कि स्वदेशी और स्वावलंबन का नारा केवल एक सांस्कृतिक या राजनीतिक रंग में न ढल जाए। यह तभी कारगर होगा जब इसे हर वर्ग, हर धर्म और हर क्षेत्र का साझा लक्ष्य बनाया जाएगा। नागरिकों की आदतों और व्यवहार में बदलाव लाना आसान नहीं है, लेकिन यदि यह बदलाव शिक्षा, प्रोत्साहन और जनचेतना के माध्यम से लाया जाए तो यह नारा समाज में गहरी जड़ें जमा सकता है। संघ प्रमुख का यह संदेश नए भारत की दिशा में प्रेरणा का स्रोत है। यह हमें बताता है कि हमें अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति पर गर्व करना चाहिए, वैज्ञानिक और तकनीकी दृष्टि से सशक्त होना चाहिए और विश्व के साथ संवाद स्थापित करते हुए भी अपनी स्वायत्तता को बनाए रखना चाहिए। किंतु इसके लिए आलोचनात्मक विवेक, व्यावहारिक सोच और निरंतर समीक्षा की आवश्यकता है। आज विभिन्न देशों की परस्पर मित्रता का आधार अपने–अपने आर्थिक–कूटनीतिक हित हैं। इन स्थितियों में सर्वोत्तम उपाय स्वदेशी को बल देते हुए देश को आत्मनिर्भर बनाना है। आज की वैश्विक परिस्थितियों पर दृष्टि डालें तो भागवत के विचार और भी प्रासंगिक हो उठते हैं। दुनिया हिंसा, आतंकवाद, युद्ध और उपभोक्तावाद की अंधी दौड़ से त्रस्त है। पर्यावरण संकट दिन–प्रतिदिन गंभीर होता जा रहा है। मानसिक तनाव और आत्मकेंद्रित जीवन–शैली ने मानव को भीतर से खोखला कर दिया है। इन परिस्थितियों में भारत ही वह देश है, जो एक वैकल्पिक जीवन–दर्शन दे सकता है। भारत के पास भौतिक विकास के साथ–साथ आध्यात्मिक समृद्धि की धरोहर है। यही धरोहर भारत को विश्वगुरु बनने की पात्रता प्रदान करती है। संघ की शताब्दी वर्ष की सम्पूर्णता का उद्घोष केवल संघ के स्वयंसेवकों के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश और विश्व के लिए एक संदेश है। यह संदेश है– स्वावलम्बी एवं स्वदेशी भावना को बदल देना, नए मनुष्य का निर्माण करना, गरीब को उठाना, धर्मों को जोड़ना, समाज में समरसता स्थापित करना और हिंदुत्व की व्यापक जीवन दृष्टि के आधार पर विश्व को दिशा देना। यह केवल भाषण नहीं, बल्कि एक संकल्प है।

सम्पादकीय

इनसे छीनो, उनको दो!

हाल के वर्षों में बिजली की किल्लत घटी है और अच्छी सड़कें बनी हैं। मगर बिजली सस्ती नहीं हुई है और टोल–टैक्स से सड़क परिवहन महंगा बना हुआ है। ये सभी लागतें आखिरकार उत्पाद की कीमत में ही शामिल होती हैं।

महाराष्ट्र सरकार ने व्यापारिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए बिजली पर अतिरिक्त कर को दोगुना कर दिया है। इस तरह ऐसे उपभोक्ताओं को अब प्रति यूनिट बिजली के उपभोग पर 9 रुपये 90 पैसे की अधिक रकम चुकानी होगी। जाहिर है, ये बड़ी वृद्धि है। इस बढ़ोतरी के जरिए राज्य सरकार सालाना 834 करोड़ रुपये जुटाएगी। देवेंद्र फड़णवीस सरकार ने कहा है कि इस रकम का इस्तेमाल किसानों को सोलर पंप देने के लिए किया जाएगा। राज्य सरकार के मुताबिक प्रधानमंत्री कुसुम योजना के तहत किसानों को सोलर पंप दिए जाएंगे, मगर इसके लिए राजकोष में पैसा नहीं है। पैसे की कमी का कारण कल्याण योजनाओं पर बढ़े बजट को बताया गया है।

साधारण भाषा में कहें, तो विधानसभा चुनाव से पहले राज्य सरकार ने रेवड़ियों को जो झड़ी लगाई थी, उस कारण आगे और कल्याण करने की उसकी क्षमता नहीं बची। तो अब उद्योगपतियों और कारोबारियों पर बोझ डालने का फैसला किया गया है। श्इनसे छीनो, उनको दोय का यह मॉडल कितना हानिकारक है, इसका अंदाजा इसके नतीजों के गंभीर विश्लेषण से ही लगाया जा सकता है। यह शिकायत पहले से ही है कि भारतीय उत्पाद विश्व बाजार की प्रतिस्पर्धा में इसलिए पिछड़ जाते हैं, क्योंकि लागत ज्यादा होने के कारण वे महंगे पड़ते हैं। इन्फ्रास्ट्रक्चर लागत का महंगा होना इसका एक बड़ा पहलू है।

भारत में हाल के वर्षों में बिजली की किल्लत घटी है और अच्छी सड़कें बनी हैं। मगर बिजली सस्ती नहीं हुई है और टोल–टैक्स से सड़क परिवहन महंगा बना हुआ है। ये सभी लागतें आखिरकार उत्पाद की कीमत में ही शामिल होती हैं। चूंकि व्यापारियों को भी बिजली आदि जैसी सुविधाएं महंगी मिलती हैं, तो वे जो चीजों की जो बिक्री वे करते हैं, उस पर अपनी लागत जोड़ते हैं। इस कारण उद्योग–धंधों का वैसा प्रसार नहीं होता, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ें। नतीजतन, कृषि पर आबादी की निर्भरता जस की तस बनी हुई है। यह एक दुश्चक्र है, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था निकलती नजर नहीं आती। इसकी वजहों में झांकें, तो सरकारों की वोट–जुटाऊ प्राथमिकता भी, उसमें खास भूमिका निभाती नजर आएगी। महाराष्ट्र इसकी नायाब मिसाल है।

एसआईआर के कई सवाल अब भी अनसुलझे

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया पूरी हो गई है। चुनाव आयोग ने अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी है, जिसमें करीब सात करोड़ 42 लाख मतदाताओं के नाम हैं। एसआईआर शुरू होने से पहले बिहार में कुल मतदाताओं की संख्या सात करोड़ 89 लाख थी, जो अब घट कर सात करोड़ 42 लाख हो गई है। इस आधार पर कह सकते हैं कि सिर्फ 47 लाख नाम घटे हैं। लेकिन असल में करीब 69 लाख नाम कटे हैं। यह सात करोड़ 42 लाख की जो संख्या दिख रही है उसमें साढ़े 21 लाख नाम ऐसे हैं, जो नए जोड़े गए हैं। सो, चुनाव आयोग ने अपनी ओर से एसआईआर का काम पूरा कर दिया है। अगले कुछ दिन में एक पूरक सूची आ सकती है, जिसमें कुछ और नए नाम होंगे। लेकिन सवाल है कि क्या एसआईआर की प्रक्रिया पूरी होने से सारे सवालों के जवाब मिल गए? इसको लेकर जितने संदेह थे, सब दूर हो गए? क्या अब सुप्रीम कोर्ट में इससे जुड़ा मामला बंद हो जाएगा या वहां नए सवाल खड़े होंगे?ध्यान रहे एसआईआर का मामला अभी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। सर्वोच्च अदालत ने मतदाता के सत्यापन के एक दस्तावेज के तौर पर आधार को शामिल करने और जिन लोगों के नाम कटे थे उनके ऑनलाइन आवेदन लेने का जिस दिन आदेश दिया था उस दिन कहा था कि अगर गड़बड़ी मिली तो वह पूरी प्रक्रिया को रद्द कर देगी। पता नहीं अदालत की आगे की सुनवाई में क्या होगा लेकिन ऐसा लग रहा है कि एसआईआर की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद भी अनेक सवाल अनसुलझे रह गए हैं। इनका जवाब इसलिए जरूरी है क्योंकि चुनाव आयोग अब पूरे देश में एसआईआर की प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है और पश्चिम बंगाल से लेकर केरल तक इसका विरोध तेज हो गया है। केरल में तो विधानसभा में सर्वसम्मति से एसआईआर के खिलाफ प्रस्ताव पास किया गया है। सो, कह सकते हैं कि एसआईआर की एक परीक्षा अभी और होनी है। बहरहाल, अब बिहार के एसआईआर के आंकड़े को देखने और उसके निहितार्थों को समझने की कोशिश करते हैं। चुनाव आयोग ने जुलाई के अंत में जो मसौदा सूची जारी की थी उसमें 7.24 करोड़ नाम थे और 65 लाख 64 हजार नाम काट दिए गए थे। उसको लेकर बड़ा विवाद हुआ लेकिन आयोग अपनी बात पर अड़ा रहा। आयोग ने कहा कि इसमें 22 लाख से कुछ ज्यादा लोग ऐसे हैं, जिनका निधन हो गया है, 36 लाख से कुछ ज्यादा लोग स्थायी रूप से शिफ्ट कर गए हैं और साढ़े छह लाख के करीब लोगों के नाम एक से ज्यादा जगहों पर थे। यह हिसाब था 65 लाख 64 हजार लोगों के नाम कटने का। अब नाम कटने का आंकड़ा 69 लाख का है। सवाल है कि साढ़े तीन लाख के करीब जो नए नाम कटे हैं, वह किन लोगों के हैं? चुनाव आयोग ने इनको नॉट रिकमेंडेड की श्रेणी में रखा था और नोटिस जारी किया था। चुनाव आयोग ने खुद ही बताया है कि बिना पक्ष सुने किसी का नाम नहीं काटा जाएगा।

थलसेना, वायुसेना प्रमुख के बयान शब्दों का खेल नहीं, भारत के आत्मविश्वास का प्रतीक हैं

देखा जाये तो पाकिस्तान के लिए यह संदेश जितना गहरा है, उतना ही अंतरराष्ट्रीय बिरादरी के लिए भी स्पष्ट है। विश्व ने भारत के आत्मरक्षा के अधिकार को न केवल स्वीकार किया है बल्कि खुले तौर पर समर्थन भी किया है। भारतीय सेना और वायुसेना प्रमुख के ताजा बयानों ने पाकिस्तान और उसके आकाओं को स्पष्ट संकेत दे दिया हैकृ भारत अब पुराने संयम और धैर्य के खोल में कैद रहने वाला देश नहीं रहा। ऑपरेशन सिंदूर ने यह साबित कर दिया है कि नई दिल्ली के पास न केवल निर्णायक सैन्य क्षमता है, बल्कि उसे इस्तेमाल करने का संकल्प भी है। यही संकल्प हमारे सेनाध्यक्ष और वायुसेना प्रमुख की वाणी में गूंजता दिखाई देता है।सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने राजस्थान के अनूपगढ़ मोर्चे से पाकिस्तान को दो–टूक चेतावनी दी कि अगर राज्य प्रायोजित आतंकवाद जारी रहा तो इस्लामाबाद को "विश्व मानचित्र पर अपनी जगह पर पुनर्विचार करना होगा।" यह बयान महज शब्दों का खेल नहीं, बल्कि उस भारत का प्रतिबिंब है जो अपने सैनिकों और नागरिकों पर हमले का जवाब चुपचाप सहन करने को अब तैयार नहीं।देखा जाये तो ऑपरेशन सिंदूर के अनुभव ने भारत की रणनीति को और तेज कर दिया है। सेना प्रमुख ने साफ कहा कि पिछली बार दिखाया गया संयम अब नहीं दोहराया जाएगा। संदेश सीधा हैकृ भारत अब अपनी रक्षा नहीं, बल्कि दुश्मन की आक्रामकता को जड़ से मिटाने की रणनीति अपनाएगा। सैनिकों को लगातार सतर्क रहने और "पूरी तरह तैयार" रहने का आदेश भी यही दिखाता है कि सीमा पार हर हरकत का जवाब अब उसी भाषा में मिलेगा।दूसरी ओर, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने पाकिस्तान की "मनोरंजनक कहानियों" को खारिज करते हुए स्पष्ट कर दिया कि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को भारी नुकसान उठाना पड़ा। थ–16 और श्रथ–17 जैसे लड़ाकू विमानों, विशेष मिशन विमानों और महत्वपूर्ण एयरबेस को भारतीय हमलों ने तबाह कर दिया। 300 किलोमीटर से अधिक दूरी पर "–400 द्वारा मार गिराया गया दुश्मन का विशेष विमान भारत की तकनीकी श्रेष्ठता का साक्षात प्रमाण है।देखा जाये तो पाकिस्तान के लिए यह संदेश जितना गहरा है, उतना ही अंतरराष्ट्रीय बिरादरी के लिए भी स्पष्ट है। विश्व ने भारत के आत्मरक्षा के अधिकार को न केवल स्वीकार किया है बल्कि खुले तौर पर समर्थन भी किया है। यह वही वैश्विक माहौल है जिसने भारतीय नेतृत्व को और निर्भीक बना दिया है।

अब रावण नहीं सच जलता है!

श्रुति व्यास

समय बहुत शोरगुल से भरा है, खासतौर से धार्मिक अनुष्ठानों–पर्वो से। त्योहार अब केवल उल्लास–उमंग के नहीं रहे, वे अब अपनी पहचान के प्रदर्शन हैं। राष्ट्रवाद ने धर्म को ऐसी दूसरी खाल की तरह पहना है कि दोनों में भेद करना भी कठिन है।

इस संगम को मैंने हाल में कागज और रंग में देखा। दिल्ली के तिलक नगर–टिटरपुर की पुतलों (द्गद्घद्घद्बद्द4) की मंडी में,जिसे चाहें तो लंका का बाजार माने। सड़क किनारे हर आकार के रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण खड़े थेकृविशालकाय पुतले, गुड्डे जैसे छोटे पुतले, चमकीली आँखों और दाँत दिखाती मुस्कुराहटों वाले चेहरे। गुलाबी, चाँदी और नारंगी की चमकती परतों में वे खेलपूर्ण–मनोरंजक लग रहे थे तो डरावने भीकृजैसे सड़क किनारे कोई पौराणिक मेला सज गया हो। पर मेरी नजर ठहर गई मूँछों पर। गहरी, लंबी मूँछेंकृकहीं एके–47 के चारों ओर लिपटी हुई, कहीं उन पर लिखा ऑपरेशन सिंदूर कामयाब। सो दशहरा भी राष्ट्रवाद की नई परत ओढ़ चुका है। सिर्फ पौराणिक असुर रावण गी नहीं जलता, बल्कि नए दुश्मन और ताजा भिडंत के बतौर प्रतीक भी अब जलता है।

इन पुतलों को बनाने वालों को सरकार ने नहीं आदेश दिया था कि वे ये नारे लिखें। पर जब मैंने एक कारीगर से पूछा तो उसने कंधे उचकाते हुए कहारू देश का मूड ऑपरेशन सिंदूर में चल रहा है। और वह गलत नहीं था। युद्ध के इस मौसम के बाद देश का मूड सचमुच इसी ऑपरेशन में डूबा है। इसे हमने तब और साफ देखा जब सरकार ने एशिया कप में भारतदृपाकिस्तान मैच को हरी झंडी दी, लेकिन सड़क का मूड इसके उलट थाकृ बहिष्कार की ओर। नारा वही गूँजता रहारू खून और पानी साथ नहीं बह सकते। अब यह त्योहारों में भी उतर आया है। जब राष्ट्रीय मूड इतना आवेशपूर्ण हो, तो क्यों न रावण को भी उसके साथ रंग दिया जाए? पुतला जलाना अब अच्छाई पर बुराई की जीत नहीं, बल्कि सामूहिक गुस्से को बाहर निकालने का एक लाइसेंस प्राप्त अवसर है।

धर्म हमेशा प्रतीकों की भाषा देता रहा है। पर आज वे प्रतीक जानबूझकर राष्ट्रवाद की पटकथा में लिखे जा रहे हैं। यही चिंता है। यह दुर्घटना नहीं, यह सोची–समझी समाहिति है। और इसमें भय है, खतरा है। क्योंकि जब राजनीति राष्ट्रवाद में घुलती है, तब भी लगाम राज्य के हाथ में रहती है। लेकिन जब राष्ट्रवाद धर्म में घुल जाता है, तो वह अनियंत्रित हो जाता है।

इतिहास गवाह हैकृभाषा, राष्ट्रवाद और धर्मकृये तीन हमेशा किसी समाज को आकार देने और उकसाने की सबसे मजबूत शक्तियाँ रही हैं। क्योंकि वे सिर्फ नियंत्रण से नहीं, बल्कि हम कौन हैं और हमें मिलकर क्या होना हैकृइस कहानी को गढ़ती हैं। धर्म अपने श्रेष्ठ रूप में आशा और एकजुटता ला सकता है। लेकिन जैसे ही उसे राष्ट्रवाद की सेवा में झोंक दिया जाता है तो वह भविष्य की ओर संकेत करना छोड़ देता है और समाज को स्थायी वर्तमान में जकड़ देता हैकृहमेशा सशंकित, आक्रामक, युद्धोन्मुख। हमने यह पैटर्न देखा हैकृनाजी जर्मनी में, जहाँ राष्ट्रवाद नस्ली धर्म बन गया और चर्च सत्ता के औजार। ईरान में, जहाँ इस्लामी गणराज्य ने धर्म को राजनीति की अकेली भाषा बना दिया। श्रीलंका में, जहाँ सिंहला–बौद्ध राष्ट्रवाद ने दशकों का रक्तपात कराया। और हमारे पड़ोस पाकिस्तान में, जहाँ राज्य पर सवाल उठाना इस्लाम पर सवाल उठाना हैकृऔर नतीजा असहिष्णुता तथा स्थायी दुश्मनी।

तो क्या हम भी अब उसी राह पर बढ़ रहे हैं?

भारत अब अपने पड़ोसी जैसा होता जा रहा है। राम मंदिर का भूमिपूजन राष्ट्रवाद से इस तरह जोड़ा गया कि जिन छतों पर भगवा झंडा नहीं लहराया, वे राष्ट्रविरोधी कहलाए। कोविड के दौरान, दीया न जलाना आस्था का मामला नहीं रहा, बल्कि देशद्रोह बन गया। अब यह पटकथा और गाढ़ी हो गई है। नवरात्रि सिर्फ व्रत और पूजन से नहीं आती, बल्कि आदेशों सेकृ कसाईखानों को नौ दिन बंद रखने के आदेश जैसे। बीजेपी शासित राज्यों में बुलडोजर दैवीय न्याय के औजार बन जाते हैंकृमुस्लिम घर ढहाए जाते हैं, और बहुसंख्यक भीड़ इसे धर्म और राष्ट्रवाद के एक ही रंगमंच में देखती है।

डिजिटल दुनिया में भी यही स्क्रिप्ट है। सोशल मीडिया पर नवरात्रि की डायरी और देवी के पोस्टों की बाढ़। एक स्तर पर यह सुखद लगता हैकृयह सबूत कि नई पीढ़ी उतनी अधार्मिक नहीं जितना कहा जाता है, कि आस्था अब भी साँस ले रही है। लेकिन इसके साथ असहजता भी है। क्यों आस्था को आज हैशटैग और सर्टिफिकेट चाहिए? क्यों नौ दिन के व्रत और सजे हुए मंदिरों को हर पोस्ट में दिखाना जरूरी है? क्यों हर पोस्ट पर जय श्रीराम की मोहर होनी चाहिए? यह श्रद्धा कम, घोषणा ज्यादा लगती है। मानो हमें साबित करना हो कि हम भी उतने ही हिंदू हैं, और इसलिए उतने ही भारतीय, जितने प्रधानमंत्रीकृजो नवरात्रि के व्रत रखते हैं और व्यस्त कार्यक्रम के बीच भी दुर्गापूजा करने का समय निकाल लेते हैं। और अब बारी रावण की।यह संगम देशभक्ति नहीं, खोखला राष्ट्रवाद है। यह स्वतरूस्फूर्त नहीं, मंचित है। त्योहार अब आस्था नहीं, बल्कि वफादारी के प्रमाणपत्र हो गए हैं। संदेश साफ हैरू भारतीय होना हिंदू होना है। जो कोई इस पटकथा से हटता है, वह एंटी–इंडिया है। लेकिन हर धार्मिक क्रिया को राष्ट्रवाद की कसौटी पर क्यों तोला जाए? धर्म एक निजी चुनाव हैकृवह एकमात्र जगह है जहाँ मनुष्य सचमुच स्वतंत्र हो सकता है। ईश्वर हमें जज नहीं कर रहे, न यह बता रहे कि हमें क्या करना है और क्या नहीं। आस्था का काम है अंतरात्मा को गढ़ना, न कि राज्य को चलाना।

पर आज धर्म विश्वास से अधिक, एक मनुष्य–निर्मित प्रोग्राम बन गया हैकृजिसका मकसद है अंतरात्मा की स्क्रिप्ट लिखना। वह कट्टर हो गया हैकृउग्र, अडिग। आज अगर आप इस स्क्रिप्ट का पालन नहीं करतेकृचाहे वह नेता लिखें या स्वयंभू बाबाकृतो आपको सिर्फ ईश्वर विरोधी नहीं, बल्कि भारत विरोधी कह दिया जाता है। महात्मा गांधी ने चेताया था कि जैसे ही धर्म राजनीति में खींचा जाता है, वह नैतिक शक्ति रहना छोड़ देता है और सत्ता का औजार बन जाता है। यही असली खतरा है।

जो धर्म को हथियार बनाते हैं, वे खुद को राष्ट्र का रक्षक बताते हैं। और जो इस संगम पर सवाल उठाए, उसे गद्दार और विधर्मी करार दिया जाता है। देशभक्ति को हालांकि अनुष्ठानों से तौला नहीं जा सकता। फिर भी संदेश बार–बार गूँजता हैरू भारतीय होने के लिए हिंदू होना जरूरी है। यह पटकथा दैवीय नहीं, डिजाइन की हुई है। जैसे टिटरपुर का रावणकृजिसकी मूँछ पर युद्ध का नारा लिखा हैकृवैसे ही धर्म भी राष्ट्रवाद से रंगा जा रहा है।

भारत की विडंबना यही हैकृ हमने सिर्फ एक पार्टी को सत्ता नहीं दी, बल्कि ऐसे लोगों को ऊँचाई दी है, सिर पर बैठाया है जिन्होंने सार्वजनिक जीवन से वे सभी तत्व निकाल दिए हैं जो हमें बाँधते थेकृविचारधारा, विचार, आदर्श, मूल्य, नैतिकता। इसलिए धर्म को भी अब फिर से निजी क्षेत्र में लौटना चाहिए, न कि राष्ट्र का चेहरा बनना चाहिए। क्योंकि आज का रावण पौराणिक असुर की तरह नहीं जलता। वह दुश्मन की तरह जलता हैकृयुद्ध के नारों से सजा हुआ, राष्ट्रवाद के रंगों में रंगा हुआ।और यही असली विडंबना हैरू जब रावण को भी फिर से डिजाइन किया जाता है, तो हम पौराणिकता नहीं बचा रहे होते, बल्कि गुस्से, संदेह और बहिष्कार के मूड को जला रहे होते हैं। गांधी ने चेताया थाकृजब धर्म राजनीति की सेवा करने लगे, तो सबसे पहले सच जलता है।

आज का राशिफल

मेष राशि

आज आपका दिन उत्तम रहेगा। कुछ लोग आपको कंफ्यूज करने की कोशिश करेंगे। दूसरों की बातों में न आकर अपने निर्णय को ही सर्वोपरि रखें, इससे आपके कार्य बड़ी ही आसानी से पूरे होंगे।

मिथुन राशि–

आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अपनी बातों से किसी को प्रभावित कर देंगे। समाज में किये गए सराहनीय काम को देखकर लोग आपसे कुछ अच्छा सीखेंगे, जिससे आपको गर्व होगा। शिक्षण संस्थान से जुड़े लोगों को ज्यादा लाभ होगा।

कर्क राशि–

आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आपका कोई काम जो काफी दिनों से रुका था, आज पूरा हो जाएगा। साथ ही आप काम करने के नए तरीकों पर विचार करेंगे। विद्यार्थियों द्वारा की गई मेहनत का शुभ परिणाम मिलेगा।

सिंह राशि

आज आपका दिन अच्छा रहेगा। मानवहित में किये गये कार्यों के कारण आपको सम्मान मिलेगा। गैर–जरूरी खर्चों पर रोक लगाकर आप बचत पर ध्यान देंगे।

कन्या राशि–

आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। सरकारी नौकरी करने वाले अपने काम पर ज्यादा ध्यान दें। किसी से बहस की स्थिति बन सकती है, ऐसे में मौन रहना बेहतर होगा।

तुला राशि–

आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आपके काम करने के तरीकों से लोग प्रभावित होंगे और आपका अनुसरण करेंगे। आप जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे।

वृश्चिक राशि

आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। मित्रों से मन की बात शेयर करने से सुकून मिलेगा। आपको नई जानकारियां भी हासिल होंगी। रिश्तेदार से शुभ संदेश मिलेगा, जिससे खुशी दोगुनी होगी। बिजनेस में खास एग्रीमेंट होगा, लेकिन कॉम्पटीशन के दौर में कार्य करने के तरीकों में बदलाव जरूरी है।

धनु राशि–

आज आपका दिन सामान्य रहेगा। निजी कामों पर बाहरी लोगों का दखल न होने दें। भावनाओं में आकर कोई फैसला न लें। ज्यादा काम के कारण थकान हो सकती है।

मकर राशि

आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। शाम का समय माता–पिता के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर विचार–विमर्श करेंगे, जिससे अच्छा समाधान मिलेगा। किसी काम की शुरुआत करने से पहले शुभ मुहूर्त देखना बेहतर होगा।

कुम्भ राशि

आज का दिन परिवार के लिए नई खुशियां लेकर आया है। किसी अनुभवी से मिली सलाह फायदेमंद साबित होगी। काम को लेकर आपके सपने काफी हद तक पूरे होंगे।

मीन राशि

आज का समय आपके लिए अच्छा है। पारिवारिक समस्या हल होगी और रुके काम में गति आएगी। सकारात्मक लोगों की सलाह फायदेमंद होगी। मेहनत का उचित फल जल्द मिलेगा।

संचारी दस्तक अभियान का हुआ शुभारंभ

जौनपुर (आरएनएस)। जिला मलेरिया अधिकारी ने अवगत कराया है कि रविवार को जिला टी.बी. चिकित्सालय परिसर से मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 लक्ष्मी सिंह द्वारा संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान अक्टूबर का संचारी शपथ, स्लोगन, प्रचार–प्रसार वाहन, बैनर पोस्टर के साथ जन जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर किया गया। रैली टी.बी. हॉस्पिटल से गांधी तिराहा तक जाकर पुनः टी बी हॉस्पिटल पहुंच कर समाप्त हुई । संचारी रोग अभियान जनपद में 05 से 31 अक्टूबर तक चलाया जाएगा। अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त पंचायती राज विभाग, स्वच्छ भारत मिशन, नगर विकास विभाग, पशुपालन विभाग, बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, दिव्यांग कल्याण विभाग, कृषि विभाग, सिंचाई विभाग, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग, सूचना विभाग अपने निर्धारित कार्य एवं दायित्व के अनुसार कार्य योजना बनाकर कार्यवाही कराएंगे। संचारी अभियान का मुख्य उद्देश्य अंतर विभागीय सहयोग द्वारा वेक्टर जनित एवं संक्रामक बीमारियों पर नियंत्रण हेतु

निरोधात्मक कार्यवाही जैसे साफ सफाई, झाड़ी की कटाई, जल निकासी, एंटी लार्वा रसायन छिड़काव, फॉगिंग, प्रचार प्रसार एवं जन जागरूकता कराया जाना है। दस्तक अभियान 11 अक्टूबर से 31अक्टूबर तक चलाया जाएगा। जिसमें स्वास्थ्य विभाग से आशा तथा बाल विकास विभाग से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओ द्वारा कार्य योजना के आधार पर घर घर जाकर वेक्टर जनित बीमारियों के प्रति लोगों को जागरूक किया जाएगा तथा बुखार के रोगियों का चिन्हीकरण, सर्दी जुकाम लक्षण युक्त व्यक्तियों, क्षय रोग से ग्रसित व्यक्तियों, कुपोषित बच्चों का चिन्हीकरण कर आवश्यक कार्यवाही किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने आम जनमानस से अपील किया है कि संचारी अभियान में अपना सहयोग दे कर कार्यक्रम को सफल बनाएं।जिला मलेरिया अधिकारी ने अपील की है कि अभी संचारी रोगों डेंगू मलेरिया का सीजन चल रहा है ऐसे में सभी लोग सावधानी बरतें, अपने घरों के आस पास पानी न एकत्र होने दें, झाड़ियों को काट दें, बेकार पड़े जलपात्रों को नष्ट कर दें, कूलर को सूखा कर रख दें या बिना पानी के इस्तेमाल करें, मच्छरदानी में सोएं, पूरी आस्तीन के कपड़े पहने, बुखार की स्थिति में तत्काल जिला चिकित्सालय, सामुदायिक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जाकर जांच उपचार कराएं, बुखार में तरल खाद्य पदार्थों का सेवन करें।

अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी वेक्टर बॉर्न डॉ0 बी0 सी0 पंत, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 राजीव कुमार यादव, जिला कुष्ठ रोग अधिकारी डॉ0 प्रभात कुमार, जिला मलेरिया अधिकारी सुनील कुमार यादव, सहायक मलेरिया अधिकारी संजीव कुमार मिश्रा, ,सहित अन्य विभागों के अधिकारी, प्रतिनिधि ने प्रतिभाग किया।

ग्रामीण पत्रकारों का कार्य चुनौतीपूण सीमा द्विवेदी

जौनपुर (आरएनएस)। ग्रामीण पत्रकारों का कार्य चुनौतीपूर्ण होता है। कोई भी घटना दुर्घटना होने पर वह संसाधनों के अभाव में भी वहां पहुंच जाता है। उक्त विचार राज्यसभा सदस्य सीमा द्विवेदी ने जौनपुर पत्रकार संघ के 23वें स्थापना दिवस पर एक होटल में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किया। उन्होंने कहाकि जब भी कोई विकास का कार्य सरकार द्वारा किया जाता है जब तक मीडिया में उसका उल्लेख नहीं किया जाता, समाज को विश्वास नहीं होता। मुख्य अतिथि ने कहाकि एक शब्द के अनेक अर्थ होते है। साक्षात्कार के दौरान कभी–कभार एकाध शब्द इस तरह का निकल जाता है तो मीडिया उसे तिल का ताड़ बना देती है। राज्यसभा सदस्य ने जौनपुर पत्रकार संघ को आर्थिक सहयोग देने का संकल्प व्यक्त किया। समारोह में विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक डा0 कौस्तुभ ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहाकि पत्रकार को अपनी कलम के साथ न्याय करना चाहिये। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बदलापुर के विधायक रमेश मिश्र ने कहाकि विकास कार्यों में पत्रकारो का योगदान होता है। उन्होंने कहाकि समाचार पत्रों के माध्यम से उन्हे पीली नदी की दुर्दशा की जानकारी हुई। पुराने कैनाल पम्पों के निष्क्रिय होने की जानकारी मिली। जौनपुर पत्रकार संघ के संरक्षक ओम प्रकाश सिंह ने संघ की स्थापना और उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहाकि दिल्ली और लखनऊ में बड़े बड़े पत्रकार सुविधा ले रहे हैं। जनपद मुख्यालय पर कार्यरत पत्रकार भी सुविधा ले रहे हैं लेकिन ग्रामीण पत्रकार जो कि पत्रकारिता की रीढ़ है, आज भी सरकार की ओर से उपेक्षित है। समारोह में वरिष्ठ पत्रकार रामदास यादव, राधाकृष्ण शर्मा, अर्जुन शर्मा, विक्रम सिंह, श्यामशंकर पांडेय एवं लोलारक दूबे को सम्मानित किया गया। बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे। आभार ज्ञापन जौनपुर पत्रकार संघ के अध्यक्ष शशिमोहन सिंह क्षेम तथा संचालन डा. मधुकर तिवारी ने किया।

दुद्धी तहसील में दलाल सक्रिय, जमीन खरीद-फरोख्त के नाम पर लगा रहे चूना

सोनभद्र।(आरएनएस) दुद्धी तहसील मुख्यालय पर दलाल सक्रिय हैं और कार्यालयों में काम करवाने एवं जमीन खरीद–बिक्री करवाने के नाम पर लोगों को जमकर चूना लगा रहे हैं। दलालों की सक्रियता को लेकर अधिवक्ताओं ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही की मांग उठाई हैं। दुद्धी बार एसोसिएशन अध्यक्ष प्रेमचंद यादव, पूर्व अध्यक्ष कुलभूषण पाण्डेय, छोटेलाल सहित अन्य अधिवक्ताओं ने कहा कि दुद्धी तहसील के राजस्व न्यायालय, कार्यालय सहित रजिस्ट्री ऑफिस में काम करवाने के नाम पर लोगों को गुमराह करते हुए मोटी रकम वसूल की जा रही हैं, कई ऐसे लोग भी हैं जो अपने आपको अधिवक्ता बताकर भी काम करवाने का ठेका ले ले रहे हैं। दुद्धी कचहरी में 29 सितंबर को एक अधिवक्ता ही दलाली का शिकार हो गए।

जब एक विक्रेता जमीन का पैसा लेकर दूसरे दिन बैनामा के लिए उपस्थित नहीं हुआ। वो तो संयोग अच्छा था कि बैंक नेटवर्क फेल होने के कारण चेक धनराशि आहरित नहीं हो सकी, नहीं तो करीब 8 लाख रूपये का चूना लग सकता था।

हद तो तब हो गई जब विक्रेता ने फोन पर अधिवक्ता को धमकाते हुए कहा कि अब मैं तुमसे चेक भी प्राप्त कर चुका हूँ और जमीन का बैनामा भी नहीं करूँगा। यदि तुम थाना पुलिस में शिकवा शिकायत करोगे तो तुम जिन्दा नहीं बचोगे। हमारा कोई कुछ नहीं बिगाड सकता। तब लाचार होकर आज प्रार्थी अपने व अपनी पत्नी के साथ विक्रेता कुंजबिहारी द्वारा किये गये छल व धन के गबन तथा दिये गये धमकी की सूचना दे रहा हूँ। और निवेदन कर रहा हूँ कि उपरोक्त विक्रयशुदा भूखाण्डों के बाबत तैयार बैनामा दस्तावेज का नियमानुसार बलात पंजीकरण कराया जाना तथा काश उपरोक्त छली फाउँ कुंजबिहारी द्वारा किसी अन्य को झॉसे में लेकर उपरोक्त विक्रयशुदा भूखाण्डों के बाबत कोई अन्य बैनामा दस्तावेज प्रस्तुत करे तो उसे विवादास्पद होने के कारण पंजीकरण न किया जाना तथा इस मामले की शिकायत पुलिस प्रशासन से करते हुए वैधानिक कार्यवाही किया जाना आवश्यक एवं न्यायसंगत होगा।

युवती ने जहर खाकर किया आत्महत्या

जौनपुर (आरएनएस)। खेतासराय थाना क्षेत्र के टेकरी गांव में युवती ने जहर खाकर आत्महत्या कर लिया है। घटना शनिवार रात्रि की है। गांव के मखनचू की 22 वर्षीया पुत्री खुशबू ने पारिवारिक कलह से तंग आकर जहर खा लिया। जब वह अचेत हो गई तब उसकी तबीयत बिगड़ने लगी परिवार के लोग देर रात सदर अस्पताल ले आए जहां उपचार के लगभग 1 घंटे बाद उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने लाख को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस मामले को लेकर क्षेत्र में जितना मुंह उतनी बातें कहीं जा रही है।

500 फार्मर रजिस्ट्री प्रतिदिन करें

जौनपुर (आरएनएस)। जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में एग्री स्टैक कार्य की समीक्षा बैठक की गई। जिलाधिकारी के द्वारा तहसीलवार समीक्षा के दौरान पाया गया कि ई–खसरा पड़ताल में तहसील मछलीशहर और सदर की प्रगति अपेक्षाकृत बहुत कम है, जिस पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रगति करने के निर्देश दिए। फार्मर रजिस्ट्री कार्य की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि प्रतिदिन प्रति तहसील न्यूनतम 500 फार्मर रजिस्ट्री किया जाना सुनिश्चित करें और बड़ी तहसील न्यूनतम एक–एक हजार फार्मर रजिस्ट्री कराए ताकि जनपद में कम से कम 5000 फार्मर रजिस्ट्री प्रतिदिन हो सके। मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सौरभ कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चौहान, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट सहित अन्य उप जिलाधिकारीगण एवं तहसीलदार, उप कृषि निदेशक आदि उपस्थित रहे।

हेल्थ चेकअप कैम्प का आयोजन

जौनपुर (आरएनएस)। लायंस सेवा सप्ताह के अंतर्गत दूसरे दिन लायंस क्लब रॉयल द्वारा रामदासपुर नेवादा गांव में एक फ्री हेल्थ चेकअप व वैक्सीनेशन कैम्प का आयोजन किया गया! क्लब अध्यक्ष संजीव साहू ने कहा ऐसे कैम्प का आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों में करने से इसका फायदा अधिक से अधिक लोगों को पहुंचाया जा सकता है। कैम्प के माध्यम से कुल 53 स्त्री, पुरुष व बच्चे लाभान्वित हुए सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी सुनैना मौर्य सहित उनकी पूरी टीम ने पूरा सहयोग किया। मधुसूदन बैंकर, अजय सोनकर, आशीष गुप्ता, विष्णु गौड़, राजेश किशोर श्रीवास्तव, आनन्द साहू इत्यादि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे सभी के प्रति धन्यवाद सचिव बालकृष्ण साहू ने व्यक्त किया!

सांसद के अनुरोध पर बढ़ाई सर्वेक्षण की समय सीमा

जौनपुर। (आरएनएस) उत्तर प्रदेश के चुनिंदा जिलों में प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण सर्वेक्षण के लिए समय सीमा बढ़ा दी गई है। सांसद प्रिया सरोज ने ग्रामीण विकास मंत्री और ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव को पत्र लिखकर समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया था। सर्वेक्षण' में छूटे हुए, बेघर या कच्चे घरों वाले परिवारों की पहचान करने के लिए यह सर्वेक्षण शुरू किया गया था। यह सर्वेक्षण मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से किया जा रहा है। जौनपुर, वाराणसी, गाजीपुर, सुल्तानपुर और आसपास के क्षेत्रों में कुछ पात्र परिवारों को निर्धारित अवधि में शामिल नहीं किया जा सका क्योंकि क्षेत्रीय परिचालन संबंधी बाधाएं थीं। इसीलिए समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया गया था। पत्र जारी होने की तारीख से 15 दिन तक बढ़ाई गई है, यानी 15 अक्टूबर तक है।

थानाध्यक्ष पर कार्यवाही के नाम पर हो रही खानापूर्ति

जौनपुर (आरएनएस)। सुरेरी थाना एक बार फिर विवादों में है। कोहड़उरा गांव निवासी रामआसरे मिश्र पुत्र सेवानंद मिश्र ने थानाध्यक्ष सुरेरी पर रुपया लेकर पिकअप छोड़ने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थनापत्र देकर शिकायत की, लेकिन हैरानी की बात यह है कि दो दिन बीत जाने के बाद भी किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं की गई।पीड़ित का आरोप है कि वह अपनी पिकअप एक व्यक्ति के घर निर्माण में लगाया था। देर शाम पिकअप थाने के समीप से गुजरी तो प्रभारी निरीक्षक ने वाहन रोक लिया और ड्राइवर समेत थाने ले जाकर रातभर बैठाए रखा। अगली सुबह पैसे की मांग की गई। रुपये देने के बाद ही पिकअप छोड़ी गई।अब इस पूरे प्रकरण से जुड़ा पैसे की लेनदेन का ऑडियो और ट्रांजैक्शन का स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वायरल होने के बाद भी उच्चाधिकारियों द्वारा कार्रवाई न किया जाना पुलिस विभाग की साख पर गहरा सवाल खड़ा कर रहा है। लोगों का कहना है कि थानाध्यक्ष के सत्तारूढ़ दल और उच्च पुलिस अधिकारियों से गहरे संबंध होने के कारण ही उन पर कार्रवाई नहीं हो रही है। जांच के नाम पर क्षेत्राधिकारी द्वारा सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है। क्षेत्र में पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर चर्चा तेज है और लोगों का कहना है कि ऐसे अफसर ही विभाग की बदनामी का कारण बन रहे हैं।

रेलवे फ्लाईओवर निर्माण कार्य का भूमि पूजन

जौनपुर। (आरएनएस) लंबे समय से प्रतीक्षित जगदीशपुर रेलवे फ्लाईओवर के निर्माण कार्य की शुरुआत आखिरकार रविवार को हो गई। इसका शुभारंभ नगर विधायक एवं उत्तर प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री गिरीशचंद्र यादव ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन–अर्चन कर भूमि पूजन के साथ किया।राज्य ने कहा कि यह फ्लाईओवर नगर की वर्षों पुरानी समस्या का समाधान साबित होगा। उन्होंने बताया कि परियोजना को दो वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, लेकिन "मैंने कार्यदाई संस्था से बात कर ली है, प्रयास रहेगा कि यह पुल समय से पहले बनकर तैयार हो जाए," उन्होंने कहा। यह फ्लाईओवर जगदीशपुर रेलवे क्रॉसिंग पर प्रस्तावित है, जो सीआरआईएफ योजना के तहत निर्मित होगा। सेतु की कुल लंबाई 765.05 मीटर होगी, जिसमें रेल पोर्शन 76.10 मीटर का निर्माण किया जाएगा। परियोजना की स्वीकृत लागत ₹10889.13 लाख तथा प्राप्त आवंटन ₹7895.20 लाख है। निर्माण कार्य जनवरी 2027 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। वक्ताओं ने कहा कि इस ओवरब्रिज के निर्माण से नगर सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों को जाम की समस्या से स्थायी राहत मिलेगी। वर्तमान में जगदीशपुर रेलवे क्रॉसिंग पर प्रतिदिन भारी वाहन आवागमन के कारण अक्सर लंबा जाम लगता है, जिससे लोगों को असुविधा और समय की हानि होती है।ओवरब्रिज के बन जाने से वाराणसी लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर आने–जाने वाले वाहनों को सुगम यातायात मिलेगा। इससे न केवल जौनपुर नगर, बल्कि आजमगढ़, , शाहगंज, बदलापुर सहित आसपास के जिलों के लोगों को भी लाभ होगा।फ्लाईओवर निर्माण से नगर की ट्रैफिक व्यवस्था सुधरेगी, प्रदूषण में कमी आएगी और क्षेत्र के आर्थिक व सामाजिक विकास को नया आयाम मिलेगा। पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह, मनीष श्रीवास्तव,पूर्व नगर अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव, आदि उपस्थित रहे।

दर्जनों मेधावी छात्रों को शिक्षा सम्मान से किया गया सम्मानित

दुद्धी,सोनभद्र(आरएनएस)। दुद्धी क्षेत्र के प्रख्यात शिक्षाविद जयश्री प्रसाद गुप्त के सपनों को साकार करने के लिए रविवार को जयश्री फाउंडेशन ने दर्जनों मेधावियों को सम्मानित व प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि बीआरडी पीजी कॉलेज दुद्धी से सेवानिवृत प्राचार्य डॉ रामजीत यादव ने कहा कि गुरु जी ने शिक्षा के क्षेत्र में अमूल्य योगदान दिये हैं। गरीब व कमजोर तबके के बच्चों की पढ़ाई धनाभाव के कारण कभी भी प्रभावित नही होने दी।वे हमेशा ऐसे बच्चों के फीस व पठन–पाठन में चढ़–बढ़कर मदद करते रहे।उन्हीं के विचारों जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से फाउंडेशन ने क्षेत्र के होनहार बच्चों को आज सम्मानित करने का काम किया है।विशिष्ट अतिथि डॉ लवकुश प्रजापति, रामपाल जौहरी,राजकुमार मद्धेशिया समेत दर्जनों वक्ताओं ने गुरु जी के संस्मरण पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए,उनके स्मृति में फाउंडेशन द्वारा किये जा रहे कार्य की सराहना की।समारोह अध्यक्ष चेयरमैन कमलेश मोहन ने गुरु जी के जीवन वृतांत पर विस्तार से प्रकाश डाला और उनके शिक्षा की कारवां को आगे बढ़ाने के लिए फाउंडेशन की सराहना की। इसके पूर्व क्षेत्र के सभी प्रमुख स्कूल के दर्जनों होनहार बच्चों को एक वृहद कार्यक्रम के तहत सम्मानित व प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 6 से 8 तक के बच्चों का सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता सम्पन्न करायी गयी।जिसमें सैकड़ो विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।जिसमें प्रथम स्थान सेंट मेरी स्कूल के कक्षा 7 के विद्यार्थी हरिओम, द्वितीय स्थान श्रीराम पब्लिक स्कूल के कक्षा 7 के विद्यार्थी श्रीजन अग्रहरि एवं तृतीय स्थान जेम्स इंग्लिश स्कूल के विद्यार्थी आनंद शंकर पांडेय ने प्राप्त किया। इसके अलावा विभिन्न शैक्षिक क्षेत्रों में परचम लहराने वाले ईशांत मोहन पुत्र शैलेश मोहन (शिक्षक) को साइंटिस्ट की परीक्षा में अव्वल आने के लिए, ड्राइंग एवं स्क्रेचिंग के लिए सूर्यांश कुशवाहा पुत्र रामानुज कुशवाहा, प्रांतीय कला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान लाने वाली सुहाना कुमारी, सेंसर पर आधारित प्रोजेक्ट में प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त करने के लिए, प्रांतीय प्रतियोगिता वैदिक गणित में द्वितीय स्थान लाने वाले प्रतीक चौबे,राज और नवीन को, प्रांतीय ज्ञान–विज्ञान एवं खेलकूद में अव्वल आने वाले सोनम कुमारी,वैष्णवी कुमारी व सुहाना कुमारी और हारमोनियम वाद कला कुशलता में काजल व सूचि को सम्मानित व प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती व गुरु जी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। फाउंडेशन अध्यक्ष संतोष कुमार गुप्ता ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी का आभार जताया।संचालन अविनाश कुमार ने किया। इस मौके पर फाउंडेशन दुद्धी बार अध्यक्ष प्रेमचंद यादव,रविन्द्र जायसवाल, संस्थापक इंद्रावती देवी,पदाधिकारी विवेक तिवारी,राकेश कुमार गुप्ता, पीसी गुप्ता, सौरभ कुमार समेत दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सेवकों पर कमलज सेवा फाउंडेशन के सदस्यों ने किया पुष्पवर्षा

दुद्धी, सोनभद्र।(आरएनएस) यह पल राष्ट्र साधना में समर्पित सेवा का एक अद्वितीय उदाहरण है, जहाँ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सेवकों ने सौ वर्षों से अधिक संकल्प, सेवा और समर्पण की भावना से माँ भारती की सेवा में अपने जीवन को अर्पित किया है। रविवार को दुद्धी नगर में पद संचलन के दौरान जब स्वयंसेवक मुख्य मार्ग से अग्रसर हो रहे थे तब 'ष्कमलज सेवा फाउंडेशनष' की सदस्याएँ डॉ. ज्योत्सना, कमला देवी, राजकुमारी देवी, रामराजी देवी, बबीता,रीतिका श्रीवास्तव, सारिका, सुषमा देवी, सुजाता देवी, सीमा देवी, ममता देवी, प्रियंका देवी, अनामिका,मंशा कौर, अर्चना और राजनंदनी सहित अन्य ने अपने श्रद्धा और सम्मान के भाव से पुष्पवर्षा कर इस क्षण को स्वर्णिम बना दिया।महिला सदस्यों द्वारा सामूहिक अभिनंदन न केवल स्वयंसेवकों के उत्साह को बढ़ाता है, बल्कि समाज में सेवा व एकता की शक्ति का भी गहन संदेश देता है। इस अविस्मरणीय पल ने न केवल दुद्धी नगर का गौरव बढ़ाया, बल्कि राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरणा का नया सूत्र दिया। ऐसे आयोजनों से एक सकारात्मक और प्रेरणादायक वातावरण का निर्माण होता है, जो आने वाली पीढ़ियों को भी सेवा पथ पर चलने के लिए प्रेरित करता है।

दो दिवसीय पंचायत अभिलेख प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

0-नियम से की गई ग्राम सभा के प्रस्ताव को राष्ट्रपति ही रोक सकती है

म्योरपुर। सोनभद्र।(आरएनएस) स्थानीय ब्लॉक के गोविंदपुर स्थित बनवासी सेवा आश्रम के विचित्रा महाकक्ष में रविवार को दो दिवसीय पंचायत अभिलेख प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन किया गया । कार्यशाला में ग्राम पंचायतों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।सत्र की शुरुआत ग्राम सभा की शक्ति पर विचार–विमर्श से हुई। प्रतापगढ़ से आए पंचायत विशेषज्ञ प्रशिक्षक प्रभाकर सिंह ने कहा कि नियमपूर्वक की गई ग्राम सभा के प्रस्ताव को देश के राष्ट्रपति के अलावा कोई रोक नहीं सकता, यही ग्राम सभा की वास्तविक ताकत है।उन्होंने कहा कि पंचायत का अभिलेखीकरण आप के पंचायत की प्रारदर्शिता दर्शाती है और सही काम के साथ आप अभिलेख दुरुस्त रखने में सफल है तो राष्ट्रीय पुरस्कार पंचायत को मिल सकती है।कार्यशाला में निम्न विषयों पर गहन चर्चा हुई दृग्राम सभा व ग्राम की ताकत ग्राम पंचायत व स्थायी समितियों का महत्व ग्राम पंचायत विकास योजना तैयार करने के व्यवहारिक चरण ग्राम पंचायत को मिलने वाले पुरस्कार व उनकी नियमावलीग्राम पंचायत आय–व्यय खाता लेखान प्रक्रियामॉडल ग्राम सभा के मानक बिंदु कार्यशाला में कुल 60 प्रतिभागी शामिल रहे, जिनमें 13 ग्राम प्रधान, 14 ग्राम पंचायत प्रतिनिधि, 20 पंचायत एवं क्लस्टर स्तरीय कार्यकर्ता तथा 13 ग्रामीण अगुआ शामिल थे।सत्र का संचालन एवं मार्गदर्शन प्रभाकर सिंह (पूर्व ग्राम प्रधान, प्रतापगढ़)शशांक (तीसरी सरकार अभियान, प्रतापगढ़) द्वारा गया।त्रिभुवन,मनोज ,दिनेश जायसवाल,मंजू सिंह गोंड, वसंती देवी, प्रभाकर सिंह शशांक,शुभा प्रेम, विमल सिंह सुरेश,शिव नारायण अहीर, उमेश चौबे, शेर सिंह, सीता राम, बिंदिया देवी, मनोज,रामचंद्र, आदि रहे।

बाउली में डूबने से 70 वर्षीय महिला की मौत

बभनी थाना क्षेत्र के नधिरा बैरागो टोला गांव की घटना

बभनी/सोनभद्र(आरएनएस)। स्थानीय थाना क्षेत्र के नधिरा बैरागो टोला गांव में रविवार को बाउली में डूबने से 70 वर्षीय महिला की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी भिजवा दिया।

जानकारी के अनुसार हिरौंदिया 70 पत्नी राजाराम निवासी नधिरा बैरागो टोला की सुबह बाउली में डूबने से मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक वह घर से करीब तीन सौ मीटर दूर बाउली में नहाने गई थी।

नहाते समय वह गहरे पानी में चली गई और डूब गई। उसके पोते ने डूबते हुए देख लिया और घर आकर लोगों को बताया। लेकिन घर वालों ने उसके बात पर उस समय ध्यान नहीं दिया।जब वह काफी देर तक घर नहीं लौटी तो लोगों ने बाउली पर जाकर देखा तो वह पानी में डूब चुकी थी और मौत हो गई थी।मौत की खबर लगते ही घर में चीख–पुकार शुरू हो गई। आसपास के लोगों ने किसी तरह से लोगों को चुप कराया।

राजाराम ने घटना की सूचना तत्काल बभनी पुलिस को दिया। सूचना मिलते ही सब इंस्पेक्टर मख्खन लाल घटनास्थल पर पहुंच गए और शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी भिजवा दिया। प्रभारी निरीक्षक कमलेश पाल ने बताया कि महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बिजली विभाग चेता होता तो बच जाती युवक की जान- रमेश चंद दूबे

सोनभद्र (आरएनएस)। कोतवाली क्षेत्र के हिंदुआरी चौकी अंतर्गत चंदुली गांव में 11000 का विजली का तार टूट कर जमीन पर गिरने से तार की चपेट में आने से सागर पासवान की मौत हो गयी ।खबर लगते ही घर में मचा कोहराम। प्राप्त जानकारी अनुसार सदर कोतवाली अंतर्गत हिंदूआरी चौकी के पसही फीडर गांव चंदुली में रविवार के दिन ग्यारह हजार वोल्ट तार गिरने से चपेट में आए नवयुवक सागर पासवान दर्दनाक मौत हो गई।घटना की सूचना मिलने पास पड़ोस के लोग उपस्थित होकर अस्पताल ले गए जहां चिकितसकों ने मृत घोषित कर दिया।गांव वालों ने कहा कि यह बिजली विभाग की पहली घटना नही है 4 –5 महीने पहले ईसी गांव के दूसरे छोर पर भी 11000 का तार गिरा है और जस का तस पड़ा है और आज पुनः 11000 का तार टूट कर गिर गया जिसपर तुरन्त गांव के प्रधान व गांव के लोगो द्वारा एस डी ओ श्रवण कुमार, जेई पसही फीडर को सूचना देने के लिए काल किया गया पर कई बार प्रयास करने पर भी फोन नही उठा और घटना घट गई।यह बिजली विभाग की पहली घटना नहीं है,इसी तरह मदार में घटना घाटी थी, जिसमें 1 व्यक्ति की मौत हो गयी ,मंधुपुर में भी इस तरह से घटना घटित हुई थी जिसमें महिला की मौत हो गई थी। पूर्व विधायक रमेश चंद दूबे ने पहुच कर घटना पर दुख जताया और विजली विभाग के अधिकारियों पर एफ आई आर कर सख्त से सख्त करवाई करवाने और मृतक को सरकार द्वारा 50 लाख का मुवावजा दिए जाने की मांग की। पूर्व विधायक ने कहा विजली विभाग के लापरवाही से क्षेत्र के कई लोगो की जान जा चुकी है अभी कुछ दिन पहले सुकृत में एक घटना घटी थी तब सम्बंधित अधिकारियों को चेताया गया था उसके बाद भी यहाँ के जनप्रतिनिधि और शासन प्रशासन कान में तेल डाल कर सो रहे अगर अब भी नही चेते तो समाजवादी लोग सड़कों पर आंदोलन के लिए बाध्य होंगे जिसकी सारी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

इस सम्बन्ध में एस डी ओ पसही श्रवण कुमार ने सेल फोन पर बताया कि तेंदू के पास चंदूली गांव में घटना घटी है।बिजली के तार जमीन से कुछ ऊपर था युवक ने तार को ऊपर उठा कर जाना चाहा करेंट के चपेट में आ गया।जिसमें वापसी करेंट प्रवाहित हो रहा था।फीडर को इसकी जानकारी नहीं थी।मृतक आश्रित कोटे से जो भी मुवावाजा बनेगा दिया जाएगा।

उमड़ते बादलों के बीच जला रावण, रानी की सराय का ऐतिहासिक मेला धूमधाम से संपन्न

आजमगढ़ (आरएनएस)रानी की सराय का ऐतिहासिक मेला शनिवार को संपन्न हो गया। उमड़ते बादलों और हल्की बूंदाबांदी के बावजूद, रावण दहन का कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े।शनिवार सुबह से ही आसमान में काले बादल छाए रहे और पानी की बूंदें गिर रही थीं, जिससे लोगों में संशय बना हुआ था। हालांकि, दोपहर बाद मौसम साफ हो गया और बारिश रुक गई। इसके बाद रानी की सराय में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। पूर्वांचल में यह मेला अपनी विशिष्ट पहचान रखता है, जिसका लोगों को बेसब्री से इंतजार रहता है।रामलीला कमेटी की ओर से राम, लक्ष्मण और सीता की झांकी निकाली गई। यह झांकी रायपुर से शुरू होकर पूरे कस्बे का भ्रमण करते हुए रामलीला मैदान पहुंची। वहां राम, लक्ष्मण, सीता और हनुमान जी की आरती की गई।इसके बाद शोभा यात्रा रानी की सराय स्थित एक महाविद्यालय पर पहुंची, जहां लक्ष्मण–मेघनाद और राम–रावण के युद्ध का मंचन किया गया। मंचन के उपरांत रावण का पुतला दहन किया गया। रावण दहन होते ही श्श्री रामश नाम का जयघोष शुरू हो गया।मेले के लिए लगभग एक दर्जन पूजा कमेटियों ने पंडाल स्थापित किए थे। इनमें आजाद दल, नवयुवक शंकर दल, नव युवक मंगल दल, भारतीय युवक संघ, दुर्गा पूजा कमेटी, शक्ति दल, प्रभात तरुण दल और सम्राट स्पोर्टिंग क्लब, मां अंबे दल शामिल थे। इन सभी समितियों ने अपनी तैयारियां पूरी की थीं और पंडालों में लाइट की विशेष सजावट की गई थी।यह मेला दूर–दराज से आने वाले श्रद्धालुओं और दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र होता है। पुलिस प्रशासन द्वारा कस्बे में बड़े वाहनों का प्रवेश वर्जित कर दिया गया था, जिसके लिए दोनों छोरों पर बैरिकेडिंग की गई थी ताकि मेले के दिन सुचारु व्यवस्था बनी रहे।

"अटपट वाणी कुंडलियां" का लोकार्पण आजमगढ़ के श्री साईं होटल में हुआ संपन्न

आजमगढ़ 5 अक्टूबर (आरएनएस) जनपद में साहित्य जगत के सुप्रसिद्ध रचनाकार शैलेन्द्र मोहन राय "अटपट" की नई कृति "अटपट वाणी कुंडलियां" का लोकार्पण समारोह रविवार, 5 अक्टूबर 2025 को आजमगढ़ में आयोजित किया गया। इस अवसर पर पुस्तक के साथ–साथ उस पर सारगर्भित परिचर्चा भी की गई।कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री राजाराम सिंह (साहित्य–भूषण) ने किया।समारोह के मुख्य अतिथि होंगे डॉ. कमलेश राय (वरिष्ठ साहित्यकार), जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री बालेदीन यादव "बेसहारा" (वरिष्ठ साहित्यकार) उपस्थित रहेंगे।कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता के रूप में प्रो. हसीन खान (विभागाध्यक्ष हिन्दी, श्री गाँधी पी.जी. कॉलेज, माल्टारी आजमगढ़) रहे और प्रो. जगदम्बा प्रसाद दूबे (हिन्दी विभाग, डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज आजमगढ़) अपने विचार व्यक्त करेंगे।कार्यक्रम का संयोजन डॉ. मुश्ताक अहमद अवक्स एवं बैजनाथ गंगवार द्वारा किया गया।यह आयोजन लोकायन संस्कृति न्यास, आजमगढ़ के सहयोग से संपन्न हुआ।आयोजकों के अनुसार, यह समारोह न केवल एक पुस्तक लोकार्पण तक सीमित रहेगा।

कांग्रेस की बैठक में बूथ की मजबूती पर बल

प्रयागराज। आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों को लेकर शहर कांग्रेस कमेटी की एक बैठक रविवार को चौक स्थित पार्टी कार्यालय में अध्यक्ष फुजैल हाशमी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। उक्त बैठक में बूथ स्तर पार्टी की मजबूती के साथ–साथ वोटर लिस्ट में नाम बढ़ाने की प्रक्रिया आदि पर बल दिया गया। प्रदेश महासचिव मुकुंद तिवारी ने कहा कि कांग्रेस जमीन से जुड़ी राजनीति के पक्षधर रही है। आरोप लगाते हुए कहा की प्रदेश और देश में भ्रष्टाचार चरम पर है। इस स्थिति से आम जनमानस को मुक्त कराने के लिए वर्तमान सरकार को बदलना और समय की मांग को देखते हुए प्रदेश में गठबंधन की सरकार बनाना जरूरी हो गया है। पार्टी प्रवक्ता हसीब अहमद ने कहा की वोटर लिस्ट में हो रहे पुनरीक्षण को लेकर पूरी सतर्कता बरतनी होगी। इसके साथ बूथ स्तर पर जल्द पदाधिकारीयों के चयन को लेकर प्रक्रिया तेज करनी होगी। इस दौरान अध्यक्ष फुजैल हाशमी, मुकुंद तिवारी, हसीब अहमद, किशोर वार्ष्णेय, अरशद अली, कामेश्वर सोनकर, नफीस कुरैशी, नसीम अहमद, दीपचंद्र शर्मा सहित आदि लोग मौजूद रहें।

गौरा हरदो जिला पंचायत क्षेत्र से महाप्रधान पद के भावी उम्मीदवार रिंकू यादव की समाजसेवा से हर कोई कायल, अलग ही पहचान!

आजमगढ़ (आरएनएस) जनपद के बुढ़नपुर तहसील क्षेत्र से ताल्लुक रखने वाले गौरा हरदो जिला पंचायत क्षेत्र से महाप्रधान पद के भावी उम्मीदवार रिंकू यादव की समाजसेवा से हर कोई कायल हैं । साधारण परिवेश से निकलकर उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से समाज में अलग पहचान बनाई है । पीडीए विचार धारा से जुड़े रिंकू यादव जो सपा जिलाध्यक्ष हवलदार यादव के बहुत ही करीबी माने जाते हैं । जिन्होंने जनसेवा और समाजसेवी के रूप में अपना लगातार अतुलनीय योगदान दिया है और समाज हित कार्यों में लगातार आगे रहते हैं जिससे पूरे जनपद में इनकी लोकप्रियता है और आए दिन प्रशंसा के पात्र बने हुए हैं । जनता का आशीर्वाद और पंचायत की जिम्मेदारी सामाजिक सहयोग और सेवा की इसी परंपरा ने उन्हें आगे बढ़ाया है और क्षेत्र की जनता ने उन्हें जिला पंचायत सदस्य बनाना चाहती है । उनके द्वारा जनहित की समस्याओं को गंभीरता से सुनना और हर वर्ग के लोगों की मदद करने का प्रयास करना उनकी यह छवि और लोकप्रिय बना दी है । जहां भी उनका नाम आता है लोग उनकी कार्यशैली और सरल स्वभाव की प्रशंसा करते नहीं थकते और लोग कायल हो गए हैं । जनता के बीच उनकी लोकप्रियता और जनसेवा की छवि को देखते हुए क्षेत्र के लोग उनके साथ मजबूती से खड़े दिखाई दे रहे हैं । जनता के बीच सेवा का संकल्प लिए रिंकू यादव का कहना है कि जनता के बीच पहुंचकर आशीर्वाद मांगेंगे और जनसेवा का सिलसिला आगे भी उनके द्वारा जारी रखा जाएगा ।

पूक में आर एस एस का पथ संचलन कार्यक्रम सम्पन्न

आजमगढ़ (आरएनएस)मार्टीनगंज तहसील क्षेत्रांतर्गत पुष्पनगर स्थित श्री शंकरजी इंटर कालेज से दिन में आर एस एस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सबसे पहले प्रभु श्री राम चन्द्र जी ,आर एस एस के संस्थापक डा 0केशव बलिराम हेडगेवार,सदाशिव बोलवरकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया, इसके बाद स्वयं सेवकों ने गणवेश में पथ सच्चलन किया जो कि पुष्पनगर चौक से होते हुए पुरानी बाजार पुष्प नगर में पहुंच कर वहां से नूरपुर गांव में पहुंची इसके बाद वहां से हाईड्रिल मार्ग से होते हुए पूक पुष्प नगर गांव में पथ संचलन कर पुनः श्री शंकर जी इंटर

दो दिवसीय मेले की तैयारी पुरे जोरो पर

आजमगढ़ (आरएनएस) शारदीय नवरात्र के बाद लालगंज बाजार में लगने वाले दो दिवसीय मेले के एक दिन पहले जहां पूजा पंडाल समितियों द्वारा पूरे तन मन के साथ लगकर पंडाल का निर्माण कराया जा रहा है । तो वही पुलिस प्रशासन द्वारा बाजार के दोनों छोर पर ठेले को समूचित स्थान मुहैया कराये जाने सम्बन्धी सहित रोड डायवर्जन के लिए भी रणनीति बनाई जा रही है । लालगंज बाजार में कई वर्षों से दो दिवसीय मेले का आयोजन किया जाता है । पहले दिन मेला अपने पूरे उत्साह पूर्ण रहता है । तो दूसरे दिन पूजा पंडाल समितियां द्वारा तरह–तरह के कार्यक्रम प्रस्तुत कर कंपटीशन करते हुए झांकी निकाली जाती है मूर्ति विसर्जन का कार्यक्रम तीसरे दिन किया जाता है । इसके साथ ही मेले में लगभग 23 पूजा पंडाल समितियां भाग लेती रही है पूजा पंडाल महा समिति के अध्यक्ष सहादूर सोनकर ने बताया कि मंगलवार 7 अक्टूबर एवं बुधवार 8 अक्टूबर को मेला लगाया जाएगा तथा मूर्ति विसर्जन का कार्यक्रम 9 बृहस्पतिवार अक्टूबर को किया जाएगा । इसके साथ ही उन्होंने बताया कि लगभग 23 पूजा पंडाल जिसमें नव ज्योति दुर्गा पूजा समिति,सहारा क्लब, न्यू स्टार क्लब,शिव शक्ति दल,राष्ट्रीय युवा परिषद, महाशक्ति दल,जय बजरंग दल, एकता युवा परिषद ,तथा राष्ट्रीय युवा परिषद, सहित लगभग 23 पूजा समितियां ने अपना पूजा पंडाल मेले में आगंतुकों व श्रद्धालुओं को लुभाने के लिए एक से बढ़कर एक सीनरी कलाकारी के माध्यम से बनाया जा रहा है ।इस अवसर पर पीयूष गुप्ता, शिव कुमार,प्रदीप गुप्ता, ऋषभ, प्रदीप जायसवाल, संतोष साहू,विशाल सोनकर,हर्ष सोनकर सहित अन्य पूजा पंडाल की व्यवस्था में जुटे हुए हैं

प्रमोद तिवारी के मनोनयन पर जताई खुशी

प्रयागराज। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेत प्रमोद तिवारी को वित्तीय मामलों के लिए बनी संसद की स्थायी समिति में तीसरी बार शामिल किया है। इस पर रविवार को चौक स्थित कांग्रेस कार्यालय पर शहर अध्यक्ष फुजैल हाशमी की अगुवाई में पार्टी नेताओं ने खुशी जताई। पार्टी दफ्तर में जुटे पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाई। प्रदेश महासचिव मुकुंद तिवारी ने कहा कि प्रमोद तिवारी सदन के पटल पर उत्तर भारतीयों की मजबूत आवाज बनकर गूंजेंगे। इस अवसर पर हरिकेश त्रिपाठी, प्रवक्ता हसीब अहमद, तलत अजीम, राकेश पटेल, मनोज पासी, दीपचंद्र शर्मा, मो. हसीन, दिनेश सोनी, शकील अहमद आदि मौजूद रहे।

पत्रकारों के उत्पीड़न के खिलाफ जर्नलिस्ट काउंसिल आफ इंडिया ने उठाई आवाज

प्रयागराज। पत्रकारों पर बढ़ते हमलों और फर्जी मुकदमों से चिंतित जर्नलिस्ट काउंसिल आफ इंडिया के बैनर तले रविवार को हनुमानगंज बाजार में एक बैठक आहूत की गईध। साथ ही पत्रकारों के साथ उत्पीड़न को लेकर कड़ी नाराजगी जताई। संगठन ने सरकार से मांग की है कि पत्रकारों को सुरक्षित और भय मुक्त माहौल प्रदान किया जाए ताकि वह निर्भीक होकर समाज की सच्चाई को सामने ला सकें। पत्रकारिता को समाज का दर्पण बताते हुए काउंसिल ने इसकी स्वच्छता और स्वतंत्रता को बनाए रखने की अपील की है। बैठक वरिष्ठ पत्रकार गणेश प्रसाद द्विवेदी की अध्यक्षता में की गई। उन्होंने पत्रकारों पर हो रहे फर्जी मुकदमों और उत्पीड़न पर गहरी चिंता व्यक्त की है द्विवेदी ने यह भी कहा आज छोटे अखबार अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं ऐसे में सरकार को ई– पेपर का मान्यता देना जरूरी है ताकि पत्रकारिता को एक नया आयाम मिलसके। वहीं पत्रकार रूपनारायण त्रिपाठी ने कहा कि संगठित पत्रकारों को एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करनी होगी उन्होंने कहा पत्रकारों की समस्याओं का समाधान तभी संभव है जब हम एक साथ मिलकर लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाएं। बैठक में उपस्थित सभी स्थानीय पत्रकारों ने भी अपने अपने विचार को रखा। इस दौरान संगठन मे नए लोगों को जोड़ा गया। इस अवसर पर विनय कुमार सिंह, मोहित पांडेय, कुलदीप तिवारी, सुशील कुमार, नितेश सिंह, राजकुमार केसरवानी, राजीव तिवारी, अक्षय कुमार केसरवानी, सुनील पांडे, राहुल दुबे आदि मौजूद रहे।

सोने की ढेड़िया हाथ में लेकर भक्तों की बला उतारेंगी मां कल्याणी

प्रयागराज। शक्तिपीठ मां कल्याणी देवी मंदिर में ढेड़िया का वार्षिक महासंगर दर्शन छह एवं 7 अक्टूबर को सायं काल शाम 6रू00 बजे से रात्रि 12रू00 बजे तक भक्तों को प्राप्त होगा।

आचार्य पंडित श्याम जी पाठक एवं सुशील पाठक ने बताया कि विगत सैकड़ो वर्षों से चला आ रहा ढेड़िया का वार्षिक मा श्रृंगार अपने आप में एक विशेष श्रृंगार होता है। जिसमें अनेक प्रकार के फूलों फलो मेवा सब्जियां अनाजों से पूरे मंदिर परिसर को भव्य रूप प्रदान किया जाता है। मां का स्वर्ण रजत आभूषणों से अनुपम श्रृंगार दर्शन किया जाता हैध। दो दिवसीय इस महापर्व का श्रृंगार दर्शन सायंकाल 6रू00 बजे से रात्रि 12रू00 बजे तक भक्तों को प्राप्त होगाध।

श्री पाठक ने ढेड़िया पर्व पर चर्चा करते हुए बताया कि इसमें बहनें एवं माताएं अपने भाई व पुत्रों की नजर टोना टोटका को उतारने की इस प्रथा में मिट्टी के कलश के आकार में ढेड़िया के अंदर तेल का दिया जलाकर सर पर उतार कर नजर उतारती हैं। उसी क्रम में मां कल्याणी अपने भक्तों की बला उतारती हैं।

यह अति प्राचीन श्रृंगार अपने आप में एक विषय श्रृंगार होगा जिसमें मुख्य सजाकर के रूप में बनारस कोलकाता एवं प्रयागराज के सज्जाकारों द्वारा पूरे मंदिर पर सर को भव्य रूप प्रदान किया जा रहा है। प्रमुख रूप से सोनू श्रीमाली, यीशु श्रीमाली, पवन सिंह जड़िया के नेतृत्व में मंदिर परिसर में भव्य सजावट की तैयारी चल रही है।

विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले अग्रबंधु सम्मानित

प्रयागराज। महोत्सव का मुख्य आकर्षण अग्र–रत्न सम्मान समारोह रहा, जिसमें समाज सेवा और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले अग्रबंधुओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, विशिष्ट अतिथि महापौर गणेश केसरवानी एवं भाजपा महानगर अध्यक्ष श्री संजय गुप्ता ने पुरस्कार वितरित किए। उपमुख्यमंत्री श्री पाठक ने कहा कि अग्रसेन महोत्सव समाज सेवा, संस्कार और संस्कृति का अद्भुत उदाहरण है। अग्रवाल समाज ने शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार को जनसेवा से जोड़ा है, यह अनुकरणीय है।सम्मानित व्यक्तियों में न्याय के क्षेत्र से न्यायमूर्ति विवेक कुमार बिरला, शिक्षा से प्रो. प्रशांत अग्रवाल, चार्टर्ड अकाउंटेंसी में सीए शाश्वत सिंघल, चिकित्सा क्षेत्र से डॉ. प्रदीप अग्रवाल, उद्योग क्षेत्र से प्रमोद बंसल, व्यापार से शिवदर्शन लाल अग्रवाल, समाज सेवा से अजीत बंसल, तथा लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड श्याम सुंदर सर्राफा शामिल रहे। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में भी अग्रसेन समाज ने उल्लेखनीय योगदान दिया। स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में लगभग 20 यूनिट रक्तदान हुआ, जिसका आयोजन आन्हा ब्लड बैंक एवं डॉ. निकुंज अग्रवाल के सहयोग से किया गया।महिलाओं ने भी बढ़चढ़ हिस्सा लिया जिसमें श्रीमती प्रीति मालवीय ने रक्तदान किया।मीडिया प्रभारी मनीष गर्ग ने कहा, "महिलाओं, युवाओं और बच्चों की सक्रिय भागीदारी ने इस महोत्सव को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है।

दिव्यांगजन आत्मबल और संस्कृति के प्रतीक- न्यायमूर्ति विजय लक्ष्मी

दिव्यांगजन डांडिया उत्सव का भव्य आयोजन

प्रयागराज। राजर्षि टंडन सेवा केंद्र, बैंक रोड प्रयागराज में आज दिव्यांगजन डांडिया उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में न्यायमूर्ति विजय लक्ष्मी उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि दिव्यांगजन केवल प्रेरणा नहीं, बल्कि समाज के लिए आत्मबल और संस्कृति के जीवंत प्रतीक हैं। हमें इनके कौशल, आत्मविश्वास और सांस्कृतिक ऊर्जा से सीख लेने की आवश्यकता है। समाज तभी समृद्ध हो सकता है जब वह अपने हर वर्ग को सम्मान और अवसर दे।कार्यक्रम की अध्यक्षता लोकसेवक मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चोपड़ा ने की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि लोकसेवक मंडल सदैव दिव्यांगजनों के सम्मान, सशक्तिकरण और समाज में उनकी बराबरी की भागीदारी के लिए प्रतिबद्ध रहा है। कार्यक्रम का संचालन शिक्षाविद् ब्रह्मप्रकाश तिवारी ने गरिमापूर्ण ढंग से किया। इस अवसर पर अनाम स्नेह परिवार के संयोजक, वरिष्ठ समाजसेवी एवं शिक्षक श्रीनारायण यादव की उपस्थिति विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथियों में उप निदेशक दिव्यांगजन अभय कुमार श्रीवास्तव, वरिष्ठ समाजसेविका जमुनोत्री गुप्ता, डॉ. स्वीटी मौर्य, कांता चोपड़ा, प्रेमलता शुक्ला, निशा गुप्ता, सीमा, पदमा एवं अनुराधा शामिल रहीं। सभी ने दिव्यांग प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों की मुक्तकंठ से सराहना की। कार्यक्रम के अंत में अनाम स्नेह परिवार की सक्रिय सदस्य एवं आयोजन की प्रमुख श्रीमती मधू यादव ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

केबी काला और जाहिद अली होंगे नीलम करवरिया कप में मैच रेफरी

आयोजन समिति की बैठक में सदस्यों को सौंपी गई जिम्मेदारी

प्रयागराज। गवर्नमेंट प्रेस मैदान पर दस अक्टूबर से शुरू होने जाने वाली नीलम करवरिया कप की आयोजन समिति की बैठक रविवार को पूर्व विधायक उदयभान करवरिया के आवास पर हुई।

आयोजन सचिव सक्षम करवरिया के स्वास्थ्य के कारण अनुपस्थिति रहने पर समिति के उपाध्यक्ष वैभव करवरिया की अध्यक्षता में हुई बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। पूर्व रणजी क्रिकेटर भारतीय रेलवे टीम के पूर्व कप्तान केबी काला और अंडर–19 इंडिया टीम के पूर्व सदस्य जाहिद अली को टूर्नामेंट के मैच रेफरी का दायित्यव सौंपा गया। यह दोनों टूर्नामेंट में सभी गतिविधियों पर नजर रखेंगे। सभी 12 टीमों के मैनेजर को उनके कार्य भी सौंपे गये। बैठक में मैदान की तैयारी पर चर्चा की गई। बताया गया कि मैदान एक दिन पूर्व पूरी तरह से तैयार हो जाएगा। सक्षम की अनुपस्थिति में टूर्नामेंट को संपन्न करने का कार्य उपाध्यक्ष नमन करवरिया को सौंपा गया है। वैभव करवरिया ने बताया कि टूर्नामेंट के उद्घाटन के दिन 10 अक्टूबर को सभी टीमों, उनके कोच और मैनेजर को प्रतियोगिता की ऑफीशियल किट में उपस्थित होना है। बैठक में बीके मिश्रा, केबी काला, एलबी काला, सतीश केसरवानी, डॉ अनूप श्रीवास्तव, अमित खन्ना, अखिलेश त्रिपाठी, परवेज आलम, विवेक सिंह, सोमेश्वर पांडेय, सुशील ओझा, जाहिद अली सहित सभी टीमों के कोच एवं मैनेजर और आयोजन समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

गांधी की विचार यात्रा में परिवर्तन, आत्म समीक्षा और नैतिक द्वंद विद्यमान- प्रो राकेश

प्रयागराज। भारत विकास परिषद, प्रयाग शाखा की ओर से आयोजित आम सभा की बैठक में ष्वर्तमान परिदृश्य में गांधी जी और शास्त्री जी की प्रासंगिकताष विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता प्रो राकेश सिंह निर्देशक गांधी अध्ययन एवं शांति संस्थान, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने कहा कि गांधी का पुनर्पाठ केवल आलोचना नहीं बल्कि संवाद है– यह एसा संवाद जो नैतिकता, सत्ता और मनुष्य के रिश्ते को पुनः परिभाषित करता है। वे जितने पुराने हैं उतने ही आज के भी हैं। उनकी असफलताएं ही उनकी प्रासंगिकता है, क्योंकि वे हमें सिखाती हैं कि सत्य का मार्ग कभी अंतिम नहीं होता।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि गांधी की विचार यात्रा में परिवर्तन, आत्म समीक्षा और नैतिक द्वंद विद्यमान है। गांधी का ब्रह्मचर्य आदर्श आधारित था परंतु उसके प्रयोग व्यावहारिक नैतिक द्वंद से भरे थे।

प्रो राकेश सिंह ने लाल बहादुर शास्त्री के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने हरित क्रांति और दूध क्रांति से लेकर महिला सशक्तिकरण के लिए महत्वपूर्ण कार्य तो किया है वे सादगी,नैतिकता और उत्तरदायित्व की मिसाल थे।

विशिष्ट वक्ता प्रो डॉ अंजना श्रीवास्तव प्राचार्य, केपी ट्रेंनिंग कॉलेज प्रयागराज ने कहा कि आज के समाज में गांधीजी और शास्त्री जी के जीवन, उनके आदर्शों और उनके कार्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का दायित्व हम सभी का है जिससे कि एक सुंदर और सशक्त समाज और राष्ट्र का निर्माण हो सके।

कार्यक्रम का शुभारंभ विवेकानंद और भारत माता के चित्रों पर माल्यार्पण और वंदे मातरम के गायन से प्रारंभ हुआ। प्रयाग शाखा के अध्यक्ष राज नारायण अग्रवाल ने मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि सहित सभी का स्वागत किया। संचालन सचिव प्रो सुनीलकांत मिश्र तथा धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम के संयोजक प्रो उमेश प्रताप सिंह ने किया। अतिथि परिचय प्रो राजेश कुमार गर्ग तथा एडवोकेट अरुण कुमार त्रिपाठी ने दिया। मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि को अंग वस्त्र और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कोषध्यक्ष डा पुरुषोत्तम दास, डॉ राम प्रकाश सिंह, शरद गुप्ता, आलोक शाह, प्रो अशोक मित्तल, प्रो पूनम मित्तल राकेश मित्तल , डॉ जगदिश्वर द्विवेदी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

पाखंड के दलदल से निकाल, कबीर साहेब ने समाज को निखारा- संत धर्मेंद्र साहेब

प्रयागराज। सेवा, संकल्प, सत्संग और साधना। सकल मनोरथ की कामना के लिए ध्यान में लीन देश–विदेश से आए हजारों कबीरपंथी संत–महात्मा। सबका चोला श्वेत और होठों पर श्साहेब बंदगी, सतनाम कबीर और राम–राम कबीर का अभिवादन। प्रीतमनगर स्थित कबीर आश्रम के परिसर में रविवार भोर से संत कबीर की साखी, शबद, रमैनी की निर्गुण वाणी गूंजने लगी। कबीर पारख संस्थान के तीन दिवसीय सत्संग समारोह का शुभारंभ साध्वी मंजुला साहेब की संगीतमय गुरुवाणी श्भाई रे दुई जगदीश कहां से आया, कहू कौने बौराया... से हुआ। स्वागत संबोधन में आश्रम के प्रमुख संत धर्मेंद्र साहेब ने कहा कि सद्गुरु कबीर साहेब ने समाज को जातिगत भेदभाव, छुआछूत, भ्रम, अंधविश्वास, कर्मकांड और पाखंड के दलदल से बाहर निकालकर निखारा।

कबीर ने मानवीय एकता, जीवन के शाश्वत मूल्यों की स्थापना करते हुए सत्य, अहिंसा और प्रेम की जो अलख जगाई उससे विश्व में देश की आध्यात्मिक चेतना सबल हुई। वास्तव में कबीर आधुनिक भारत के निर्माता हैं। आश्रम के अध्यक्ष संत कृपाशरण साहेब ने कहा कि धर्म के नाम पर टुकड़ों में बंटने से ही आदमी–आदमी के बीच दीवारें खड़ी हो रही हैं। इससे हमारा सामाजिक ताना–बाना कमजोर हो रहा है। बिहार के संत संजीवन साहेब ने कहा कि आधुनिकता के दौर में समाज व्यसन और फैशन की गर्त में जा रहा है, जिसे बचाने का मार्ग कबीर के विचारों में है। गुजरात के संत अचल साहेब शास्त्री ने भजन श्मन लागो मेरो यार फकीरी में... गाकर श्रोताओं को जागरूक किया। संचालन कर रहे संत विवेक साहेब ने कहा कि आत्मिक प्रेम से वैश्विक एकता मजबूत होती है। छत्तीसगढ़ के अनूप जलोटा कहे जाने वाले भजन गायक गुरुशरण साहू ने कबीर भजनों से महफिल को मंत्रमुग्धा कर दिया। मध्य प्रदेश की साध्वी सुमेधा साहेब ने कहा कि प्रेम और सहानुभूति हर झगड़े को तुरंत खत्म कर देती है। वहीं संत सनाथ साहेब ने कहा कि हर आदमी को अपनी आत्मा की आवाज सुनकर स्वस्थ और मस्त होकर जीना चाहिए। संयोजन संत यतींद्र साहेब ने किया। कबीर साहित्य की हुई खूब बिक्री कबीर आश्रम परिसर में कबीर साहित्य की प्रदर्शनी भी लगाई गई। समारोह में दूर–दूर से जुटे साहेबों ने कबीर के संदेशों पर आधारित तरह–तरह की किताबें, कैसेट्स, सीडी, कबीर के फोटो और ऑडियो–वीडियो सामग्री खरीदने की होड़ लगी रही। संतों ने संभाली सारी जिम्मेदारी सत्संग समारोह में उप्र, बिहार, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, झारखंड, हरियाणा, नेपाल और श्रीलंका से लगभग 10 हजार अनुयायी कबीर आश्रम पहुंच चुके हैं। आश्रम में सभी संतों के आवास, भोजन और इलाज की निःशुल्क व्यवस्था की गई है। सारी व्यवस्था संत स्वयं ही श्रद्धा भाव से संभाल रहे हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से झूलता मिला युवक का शौक

प्रयागराज। एक सप्ताह तक दिल्ली में घूमने के बाद घर लौटे 19 वर्षीय छात्र शिखर मिश्रा की लाश संदिग्ध दशा में फंदे पर लटकी मिली। घरवालों ने हत्या की आशंका जताई है, जबकि धूमनगंज पुलिस आत्महत्या बता रही है। छात्र के मोबाइल को कब्जे में लेकर पुलिस जांच–पड़ताल कर रही है। इकलौते बेटे की मौत से परिवार में मातम छाया हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार धूमनगंज थाना क्षेत्र ग्यासुद्दीनपुर मुहल्ला निवासी ज्ञान प्रकाश मिश्रा आरटीओ आफिस के पास प्राइवेट काम करते हैं। उसका इकलौता बेटा शिखर कौशांबी स्थित एक निजी कालेज से बीए की पढ़ाई करता था। वह दिल्ली में एक सप्ताह तक घूमने के बाद शुक्रवार को घर लौटा था।

शनिवार को उसकी मां नीलम एक रिश्तेदार के घर गई थीं। रात को घर पर शिखर ने खाना बनाकर अपने पिता को खिलाया। इसके बाद कमरे में चला गया। देर रात जब प्रकाश अपने बेटे के कमरे की तरफ गए तो दरवाजा बंद था। आवाज लगाने पर कोई उत्तर नहीं मिला।

अनहोनी की आशंका पर दरवाजा तोड़कर भीतर दाखिल हुए तो शिखर फंदे पर लटका था। पैर जमीन पर था, जिस पर घरवालों और पड़ोसियों ने खुदकशी से इन्कार करते हुए हत्या की आशंका जताई है। हालांकि वह कारण नहीं बता रहे।

इस संबंध में इंस्पेक्टर धूमनगंज अमरनाथ राय का कहना है कि प्रथम दृष्टया लड़के ने आत्महत्या की है। उसके मोबाइल को कब्जे में लेकर कारण का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर स्थिति साफ होगी।

अग्रवाल समाज समाज सुधार में सदैव अग्रणी रहा- नन्दी

उप मुख्यमंत्री माननीय बृजेश पाठक की उपस्थिति में अग्रसेन महोत्सव 2025 दृ सेवा, संस्कृति और समाज का उत्सव आयोजित

प्रयागराज। श्री अग्रसेन अग्रवाल समाज द्वारा आयोजित दो दिवसीय अग्रसेन महोत्सव 2025 का आयोजन एंग्लो बंगाली इंटर कॉलेज, प्रयागराज में भव्यता और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस महोत्सव में समाज की एकता, संस्कृति, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार का अद्भुत संगम देखने को मिला।रविवार को महोत्सव के दूसरे दिन का शुभारंभ हुआ। मेले में महिलाओं और बच्चों द्वारा लगाए गए रचनात्मक स्टॉलों में स्थानीय उत्पाद, पुस्तकें और फूड स्टॉल विशेष आकर्षण बने। अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में अग्रबंधुओं द्वारा सजाए गए खाद्य एवं कलात्मक स्टॉलों ने कार्यक्रम में जीवंतता और उत्साह का रंग भर दिया। महोत्सव के दौरान आयोजित रोजगार मेला युवाओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। इसमें 200 से अधिक अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया और 25 से अधिक प्रतिष्ठित नियोक्ताओं ने लगभग 100 रिक्तियों की जानकारी दी। रोजगार मंच संयोजक एवं मीडिया प्रभारी मनीष गर्ग तथा सहमंत्री संदीप अग्रवाल ने पंजीकरण प्रक्रिया में अभ्यर्थियों और नियोक्ताओं को मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर माननीय कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' ने कहा कि प्रयागराज का अग्रवाल समाज समाज सुधार और युवा मार्गदर्शन में सदैव अग्रणी रहा है। अग्रसेन महोत्सव युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।प्रश्न मंच सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इसके पश्चात आयोजित प्रतिभावान छात्र–छात्रा सम्मान समारोह में वर्ष 2024दृ25 की कक्षा 10 से 12 के मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व कुलपति डॉ. पीयूष रंजन अग्रवाल ने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा, "अग्रवाल समाज की नई पीढ़ी में शिक्षा और संस्कार दोनों का समन्वय दिखता है,

त्योहारी सीजन से पहले सोने-चांदी में लगी आग, सोना इतने रुपए महंगा, चांदी ने निवेशकों को किया मालामाल

नई दिल्ली । वैश्विक उथल–पुथल और त्योहारी मांग के बीच बीते हफ्ते भारतीय सर्राफा बाजार में सोने–चांदी की कीमतों में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। सोना एक ही हफ्ते में लगभग 4000 रुपये महंगा हो गया है, वहीं चांदी ने भी निवेशकों को तगड़ा मुनाफा दिया है।

सोने की कीमतों में भारी उछाल पिछले सप्ताह सोने की कीमतों में जोरदार तेजी दर्ज की गई। दिल्ली के बाजार में 24 कैरेट सोने का भाव ?3920 प्रति 10 ग्राम बढ़कर ?1,19,550 के नए स्तर पर पहुंच गया है। इसी तरह, 22 कैरेट सोने की कीमत में भी ?3600 की बढ़ोतरी हुई है, जिसके बाद इसका भाव ?1,09,600 प्रति 10 ग्राम हो गया है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, शेयर बाजार में निराशा, अमेरिका में शटडाउन की आशंका और कमजोर डॉलर जैसे वैश्विक संकेतों के साथ–साथ त्योहारी सीजन की बढ़ती मांग ने सोने की कीमतों को यह मजबूती दी है।

देश के प्रमुख शहरों में सोने के भाव (प्रति 10 ग्राम)

? दिल्ली, जयपुर, लखनऊ, चंडीगढ़

? 24 कैरेटरू ?1,19,550

? 22 कैरेटरू ?1,09,600

? मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद

? 24 कैरेटरू ?1,19,400

? 22 कैरेटरू ?1,08,640

? भोपाल, अहमदाबाद

? 24 कैरेटरू ?1,19,450

? 22 कैरेटरू ?1,09,500

चांदी ने निवेशकों को किया

मालामाल

सोने के साथ–साथ चांदी की चमक भी तेज हुई है। 5 अक्टूबर 2025 को चांदी की कीमत में ?6,000 प्रति किलोग्राम का भारी उछाल आया, जिससे इसका भाव ?1,55,000 प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया है।सितंबर महीने में चांदी ने रिटर्न देने के मामले में सोने को भी पीछे छोड़ दिया था। सितंबर में जहां सोने की कीमतों में 13त्न की बढ़ोतरी हुई, वहीं चांदी 19.4त्न की शानदार बढ़त दर्ज करने में कामयाब रही। विशेषज्ञों का मानना है कि चांदी की मजबूत औद्योगिक मांग (कुल खपत का 60–70त्न) और मौजूदा वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के कारण इसकी कीमतों में तेजी का रुख आगे भी बना रह सकता है।

इस बैंक में 1 लाख रुपए निवेश करें और पाएं 21,879 रुपए का गारंटीड ब्याज, जानें किसे मिल रहा सबसे ज्यादा फायदा

नई दिल्ली । अगर आप सुरक्षित निवेश के साथ गारंटीड रिटर्न की तलाश में हैं, तो फिक्स्ड डिपॉजिट (स्नष्ठ) एक बेहतरीन विकल्प है। इसी कड़ी में सार्वजनिक क्षेत्र का यूको बैंक अपने ग्राहकों के लिए शानदार ब्याज दरों वाली एफडी स्कीमें ऑफर कर रहा है। बैंक की एक खास स्कीम में मात्र 1 लाख रुपये का निवेश करने पर आपको मैच्योरिटी पर ?21,879 तक का निश्चित ब्याज मिल सकता है।

3 साल की स्नष्ठ पर समझें पूरा गणित यूको बैंक अपने ग्राहकों को 7 दिनों से लेकर 10 साल तक की अवधि के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में अपनी पूंजी जमा करने की सुविधा देता है, जिस पर 2.90त्न से लेकर 7.95त्न तक की आकर्षक ब्याज दरें दी जा रही हैं। उदाहरण के तौर पर, यदि कोई निवेशक 3 साल की अवधि के लिए 1 लाख रुपये की एफडी कराता है, तो एक सामान्य नागरिक को 6. 25त्न की दर से ?20,093 का ब्याज मिलेगा और मैच्योरिटी पर कुल ?1,20,093 रुपये प्राप्त होंगे। वहीं, वरिष्ठ नागरिकों को 0.50त्न अतिरिक्त ब्याज का लाभ मिलता है, जिससे उनकी ब्याज दर 6. 75त्न हो जाती है। इस बढ़ी हुई दर के कारण उन्हें 1 लाख रुपये के निवेश पर ?21,879 का ब्याज मिलता है और मैच्योरिटी पर कुल ?1,21,879 की रकम वापस होती है।444 दिनों की स्पेशल एफडी स्कीमयूको बैंक एक 444 दिनों की स्पेशल एफडी स्कीम भी चला रहा है, जिसमें सामान्य नागरिकों को सबसे ज्यादा 6.45त्न और वरिष्ठ नागरिकों को 6.95त्न की दर से ब्याज मिल रहा है। रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए सबसे ज्यादा ब्याजबैंक अपने रिटायर्ड सीनियर सिटीजन स्टाफ को सबसे अधिक लाभ दे रहा है।

उन्हें 1 साल से अधिक की एफडी पर सामान्य दरों से 1. 50त्न ज्यादा ब्याज मिलता है। इस

हिसाब से 444 दिनों की स्पेशल एफडी पर रिटायर्ड सीनियर सिटीजन स्टाफ को 7. 95त्न की दर से ब्याज ऑफर किया जा रहा है, जो बैंक की उच्चतम ब्याज दर है।

इरफान पठानने बिना नाम लिए पाकिस्तान के लिए मजे, भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने किया कमाल

भारत ने पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम को 88 रनों से हराया। कैलेंडर की तारीखें बदलती रीं लेकिन नहीं बदले तो नतीजे। हर संडे को नतीजा एक ही रहता है भारत की जीत। महिला वनडे वर्ल्ड कप का मुकाबला और भारतीय महिलाओं ने एकतरफा अंदाज में पाकिस्तानी टीम को शिकस्त दी। मैच के बाद पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने बिना नाम लिए पाकिस्तान को ट्रोल किया।रविवार को भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमें भिड़ीं। जहां भारत ने पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम को 88 रनों से हराया। कैलेंडर की तारीखें बदलती रीं लेकिन नहीं बदले तो नतीजे। हर संडे को नतीजा एक ही रहता है भारत की जीत। महिला वनडे वर्ल्ड कप का मुकाबला और भारतीय महिलाओं ने एकतरफा अंदाज में पाकिस्तानी टीम को शिकस्त दी। मैच के बाद पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने बिना नाम लिए पाकिस्तान को ट्रोल किया।

पठान ने एक्स पर पोस्ट किया कि, यूं ही एक और संडे। खाना सोना जीतना दोहराना टीम इंडिया। उन्होंने अपने पोस्ट में पाकिस्तान का नाम नहीं लिया लेकिन पिछले 4 रविवार से भारत के हाथों उसके लगातार पिटने की तरफ इशारा किया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने भी पाकिस्तान पर जीत की वही कहानी वडने वर्ल्ड कप में दोहराना। रविवार को श्रीलंका

की राजधानी कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में दोनों देशों की महिला क्रिकेट टीम आमने–सामने थीं। एशिया कप की तरह ही महिला वर्ल्ड कप में भी दोनों टीमों ने एक दूसरे से हाथ नहीं मिलाए। टॉस के दौरान भारत की कप्तान हमनप्रीत कौर और पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने हाथ नहीं मिलाए। मैच खत्म होने के बाद दोनों टीमों की खिलाड़ी ग्राउंड से सीधे अपने–अपने ड्रेसिंग रूप चली गईं। हाथ नहीं मिलाए गए।

रोहित शर्मा के साथ बीसीसीआई ने अच्छा नहीं किया, वनडे टीम की कप्तानी छीने जाने से फैंस से नाराज, निकाली भड़ास

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए बीसीसीआई ने शुभमन गिल को वनडे टीम का कप्तान घोषित करके हर किसी को चौंका दिया। रोहित शर्मा और विराट कोहली अभी भी टीम का हिस्सा हैं लेकिन रोहित शर्मा से वनडे कप्तानी छीन ली गई। जिससे रोहित शर्मा के फैंस बेहद नाराज हैं और बीसीसीआई के लिए सोशल मीडिया पर जमकर अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। बीसीसीआई ने शनिवार को शुभमन गिल को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए वनडे टीम का कप्तान घोषित करके हर किसी को चौंका दिया। रोहित शर्मा और विराट कोहली अभी भी टीम का हिस्सा हैं लेकिन रोहित शर्मा से वनडे कप्तानी छीन ली

गई। जिससे रोहित शर्मा के फैंस बेहद नाराज हैं और बीसीसीआई के लिए सोशल मीडिया पर जमकर अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। कुछ फैंस ने हिटमैन को भारत को वनडे मैचों में अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए धन्यवाद दिया है जबकि अन्य ने सुझाव दिया कि बीसीसीआई को इस स्थिति को बेहतर तरीके से संभालना चाहिए था। एमएस धोनी के अलावा रोहित शर्मा एकमात्र ऐसे कप्तान हैं जिनकी कप्तानी में टीम इंडिया तीन बार आईसीसी वाइट बॉल क्रिकेट के फाइनल में पहुंचा है, जिसमें टी20 वर्ल्ड कप और चौंपियंस ट्रॉफी का खिताब शामिल है। वनडे में वर्ल्ड कप में वह उपविजेता रहे थे। बता दें कि, रोहित शर्मा ने वनडे कप्तान रहते हुए 56 एकदिवसीय मैचों में 42 में जीत हासिल की। जिसमें उनका जीत प्रतिशत 76 रहा। चयन पैनल का ये कदम गिल के सभी प्रारूपों के कप्तान के रूप में बदलाव को भी दर्शाता है। हालांकि, रोहित आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए विराट कोहली जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के साथ 15 सदस्यीय टीम में शामिल हैं।

वर्ल्ड कप में 20 साल बाद भारत-पाकिस्तान की भिड़ंत, देखें दोनों के आंकडे

5 अक्तूबर, रविवार को आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच भिड़ंत होगी। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने जहां श्रीलंका को हराकर अपना विजयी आगाज किया वहीं पाकिस्तान को बांग्लादेश के खिलाफ हार झेलनी पड़ी।आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 में 5 अक्तूबर, रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच भिड़ंत होगी। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने जहां श्रीलंका को हराकर अपना विजयी आगाज किया वहीं पाकिस्तान को बांग्लादेश के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। वहीं अब कोलंबो में इस हाईवोल्टेज मुकाबले का हर किसी को इंतजार है। खास बात ये है कि महिला वनडे वर्ल्ड कप में ये सिर्फ दूसरा मौका है जब दोनों टीमें आमने–सामने होंगी। आखिरी बार 2005 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान की टीमें आपस में भिड़ी थीं। वहीं वनडे क्रिकेट में भारतीय महिला टीम पाकिस्तान के खिलाफ कभी नहीं हारी है। दोनों टीमें कुल 11 बार वनडे मुकाबले में भिड़ी हैं। सभी 11 मैच भारतीय महिला टीम ने अपने नाम किए हैं। आखिरी बार दोनों टीमें 2022 में वनडे मैच खेलने के लिए आमने–सामने थीं। उस मैच में भारत ने पड़ोसी देश को 107 रनों से हराकर करारी शिकस्त दी थी। वहीं वर्ल्ड कप की बात करें तो भारतीय टीम ने 2005 में एकमात्र वर्ल्ड कप मुकाबला पाकिस्तान से खेला है। कराची

में हुए उस मुकाबले में भारत ने 193 रनों से बेहतरीन जीत दर्ज की थी। अब वर्ल्ड कप में दूसरी बार और ओवरऑल वनडे में 12वीं बार दोनों टीमें आमने–सामने होंगी। भारतीय टीम की बात करें तो टीम इस समय बेहतरीन फॉर्म में है। हालांकि, पहले मैच में स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर का बल्ला नहीं चला था। लेकिन वर्ल्ड कप से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया जैसे खतरनाक टीम को भारत ने नाकों चने चबवा दिए थे।

सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ी खबर, ड्रेस अलाउंस के नियमों में हुआ बड़ा बदलावय अब इस आधार पर मिलेगा पैसा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने लाखों कर्मचारियों को प्रभावित करने वाले ड्रेस भत्ते के नियमों में एक महत्वपूर्ण बदलाव किया है। डाक विभाग द्वारा जारी नए आदेश के अनुसार, अब साल के बीच में नौकरी ज्वाइन करने वाले या रिटायर होने वाले कर्मचारियों को आनुपातिक आधार पर ड्रेस भत्ते का भुगतान किया जाएगा। इस फैसले से कर्मचारियों के बीच भुगतान को लेकर बना कन्फ्यूजन खत्म हो गया है। 24 सितंबर 2025 को जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि जो कर्मचारी साल के बीच में सेवा में आते हैं या रिटायर होते हैं, उन्हें पूरे साल का भत्ता देने के बजाय उनकी सेवा अवधि के अनुपात में भत्ते का भुगतान होगा। यह नया नियम 1 जुलाई 2025 के बाद नौकरी ज्वाइन करने वाले कर्मचारियों पर भी लागू होगा। बता दें कि ड्रेस भत्ता उन कर्मचारियों को दिया जाता है जिन्हें ड्यूटी पर यूनिफॉर्म पहननी होती है। यह भत्ता कपड़ा, जूता और यूनिफॉर्म के रखरखाव समेत कई पुराने भत्तों को मिलाकर दिया जाता है।

आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि ड्रेस भत्ता आमतौर पर जुलाई महीने की सैलरी के साथ दिया जाता है। इस साल जो कर्मचारी रिटायर हो रहे हैं, उनमें से कई को पहले ही पूरे या आधे भत्ते का भुगतान किया जा चुका है। नए नियमों के तहत, 1 अक्टूबर 2025 से रिटायर होने वाले कर्मचारियों से किसी भी अतिरिक्त भुगतान की वसूली की जाएगी। हालांकि, सरकार ने राहत देते हुए कहा है कि 30 सितंबर 2025 या उससे पहले रिटायर हो चुके कर्मचारियों से कोई रिकवरी नहीं होगी।

विभाग ने यह भी साफ किया है कि जो कर्मचारी जुलाई 2025 से पहले नौकरी ज्वाइन कर चुके हैं, उन्हें पुराने नियमों के अनुसार ही भत्ता मिलेगा।

साथ ही, जिन कार्यालयों में पिछले साल का भत्ता जुलाई 2025 की सैलरी में नहीं जोड़ा गया था, उन्हें इसे तुरंत सही करने का निर्देश दिया गया है।

अगर आपकी गाड़ी में नहीं है फास्ट टैग तो ध्यान दें, सरकार ने टोल टैक्स के नियम में कर दिया है ये बड़ा फेरबदल

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने नेशनल हाईवे पर बिना के साथ यात्रा करने वाले वाहन चालकों को एक बड़ी राहत दी है। अब ऐसे वाहन चालकों को दोगुना टोल टैक्स देने से मुक्ति मिल जाएगी, बशर्ते वे भुगतान क्कद्ब के जरिए करें। सरकार ने घोषणा की है कि 15 नवंबर 2025 से यह नया नियम पूरे देश में लागू हो जाएगा। सरकार ने श्नेशनल हाईवे फीस (दरों का निर्धारण और संग्रह) नियम, 2008 में संशोधन किया है। नए नियम के अनुसार, अगर कोई वाहन बिना वैध के टोल प्लाजा पर कैश में भुगतान करता है, तो उसे पहले की तरह दोगुना (2–) टोल देना होगा। लेकिन,

अगर वही वाहन चालक क्कद्ब के जरिए भुगतान करता है, तो उसे सिर्फ सवा गुना (1.25–) टोल ही देना होगा। सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि यह बदलाव हाईवे पर कैश ट्रांजैक्शन को कम करने और डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है। इस कदम से टोल कलेक्शन सिस्टम अधिक तेज और पारदर्शी बनेगा। अब अगर आपका खराब हो गया यदि इसमें बैलेंस नहीं है तो आप यूपीआई के माध्यम से भुगतान करके पेनल्टी पर लगने वाले अतिरिक्त पैसे बचा सकते हैं। इस नए नियम से वाहन चालकों को काफी फायदा होगा। उदाहरण के लिए, अगर किसी टोल पर सामान्य शुल्क 100 रुपये है, तो अब तक कैश में 200 रुपये देने पड़ते थे। लेकिन 15 नवंबर से क्कद्ब के जरिए भुगतान करने पर सिर्फ 125 रुपये ही देने होंगे, जिससे सीधे तौर पर 75 रुपये की बचत होगी। सरकार का लक्ष्य धीरे–धीरे सभी टोल लेन को कैशलेस और पूरी तरह डिजिटल बनाना है, ताकि हाईवे पर यात्रा और भी सुगम और तेज हो सके।

मोहम्मद सिराज ने किया बड़ा खुलासा, कहा- अगर जसप्रीत बुमराह ओवल में खेलते तो करियर खत्म...

ओवल टेस्ट के हीरो मोहम्मद सिराज ने बुमराह को लेकर बड़ा खुलासा किया। इस दौरान सिराज ने बुमराह की पीठ की सर्जरी का हवाला देते हुए कहा कि ओवल में वह खेलते तो उनका करियर खत्म हो सकता था। भारतीय फैंस को समझना चाहिए की बुमराह टीम की रीढ़ की तरह हैं। उन्होंने बेहतर फैसला लिया।टीम इंडिया और दुनिया के बेहतरीन गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के लिए फिटनेस अक्सर चुनौती बनी रहती है। उनके वर्कलोड मैनेजमेंट को लेकर हमेशा ही चर्चा रहती है। जिस पर काफी बहस भी होती है। कुछ समय पहले इंग्लैंड दौरे के दौरान 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत के दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह केवल 3 मैच खेले थे। जिस कारण उनकी काफी

आलोचना हुई थी।वहीं द इंडियन एक्सप्रेस के एक इवेंट के दौरान ओवल टेस्ट के हीरो मोहम्मद सिराज ने बुमराह को लेकर बड़ा खुलासा किया। इस दौरान सिराज ने बुमराह की पीठ की सर्जरी का हवाला देते हुए कहा कि ओवल में वह खेलते तो उनका करियर खत्म हो सकता था। भारतीय फैंस को समझना चाहिए की बुमराह टीम की रीढ़ की तरह हैं। उन्होंने बेहतर फैसला लिया। इस दौरान सिराज ने कहा कि, बुमराह भाई बाहरी राय की परवाह नहीं करते। उनकी पीठ में गंभीर चोट थी और एक बड़ी सर्जरी भी हुई थी। अगर उन्होंने उस मैच में गेंदबाजी की होती और चोट उभर जाती तो क्या पता वह फिर कभी दोबारा गेंदबाजी कर पाते या नहीं।

भारत से एशिया कप ट्राफी विवाद पर पाकिस्तान ने मोहसिन नकवी को सराहा, मिलेगा एक्सीलेंस गोल्ड मेडल

मोहसिन नकव्वी को एशिया कप ट्रॉफी विवाद में भारत के प्रति सिद्धांत आधारित रुख के लिए श्शहीद जुल्फिकार अली भुट्टो एक्सीलेंस गोल्ड मेडलश से नवाजा जाएगा। भारतीय टीम द्वारा ट्रॉफी लेने से इनकार के बाद नकव्वी के अडिग रवैये को पाकिस्तान में राष्ट्रीय गौरव की बहाली के रूप में देखा जा रहा है। यह विवाद, जो भारत–पाकिस्तान के बीच पहले से ही चरम पर चल रहे राजनीतिक और खेल तनाव की पृष्ठभूमि में हुआ है, अब बीसीसीआई द्वारा आईसीसी में उठाए जाने की तैयारी के साथ और गहराता दिख रहा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के प्रमुख और एशियाई क्रिकेट परिषद (।ब्) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी को "शहीद जुल्फिकार अली भुट्टो एक्सीलेंस गोल्ड मेडल" से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उन्हें एशिया कप ट्रॉफी विवाद के दौरान उनके "साहसिक और सिद्धांत आधारित रुख" के लिए दिया जा रहा है।'द नेशन' की रिपोर्ट के अनुसार, सिंध और कराची बास्केटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट गुलाम अब्बास जमाल ने इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि नकव्वी ने भारत के साथ बढ़ते राजनीतिक और खेल तनाव के बीच पाकिस्तान का "राष्ट्रीय गौरव वापस दिलाया" है।यह विवाद एशिया कप फाइनल के बाद तब शुरू हुआ, जब भारतीय खिलाड़ियों ने ट्रॉफी नकव्वी से लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद नकव्वी ने ट्रॉफी अपने पास रखी और सोशल मीडिया पर कहा कि "अगर भारतीय टीम वास्तव में चाहती है, तो वे मुख्यालय से इसे ले सकते हैं।"नकव्वी ने ग (पहले ट्विटर) पर लिखा, "मैंने कुछ गलत नहीं किया और मैं बीसीसीआई से माफी नहीं मांगूंगा।" इस बयान के बाद पाकिस्तान में उन्हें खेल और राजनीति दोनों क्षेत्रों में काफी सराहना मिली।रिपोर्ट के अनुसार, कराची में एक औपचारिक समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (च्च्च्) के चेयरमैन बिलावल भुट्टो जरदारी मुख्य

अतिथि होंगे। कार्यक्रम की तारीख उनकी उपलब्धता के बाद तय की जाएगी।आयोजन समिति का नेतृत्व सिंध बास्केटबॉल एसोसिएशन के चेयरमैन खालिद जमील शम्सी कर रहे हैं, जबकि स्पोर्ट्स डायरेक्टर और कमिश्नर कराची गुलाम मोहम्मद खान को सचिव बनाया गया है।गुलाम अब्बास जमाल ने कहा, "यह सिर्फ क्रिकेट का मामला नहीं है, बल्कि गरिमा और आत्मसम्मान का प्रतीक है दबाव में न झुकने का संदेश है।"एशिया कप के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव पहले से ही चरम पर था। भारत ने अपने खिलाड़ियों को पाकिस्तानी टीम से हाथ मिलाने से मना किया था। फाइनल मैच में भारत ने जीत हासिल की, लेकिन नकव्वी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। अब बीसीसीआई ने इस मामले को ।ब्ब की बैठक में उठाया है और उम्मीद है कि इसे नवंबर में ख्ब्ब के सत्र में भी उठाया जाएगा। यह पूरा मामला उस समय हुआ जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया था, जिसके जवाब में भारत ने "ऑपरेशन सिंदूर" के तहत सीमा पार कार्रवाई की थी।

रोहित शर्मा से कप्तानी छीनकर शुभमन गिल को मिली कैप्टेंसी, अजीत अगरकर ने बताया कारण

नवंबर में होने वाली ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान हो गया है। जहां वनडे सीरीज के लिए रोहित शर्मा की जगह शुभमन गिल को कप्तानी सौंपी गई है। विराट कोहली और रोहित शर्मा भी वनडे स्क्वॉड का हिस्सा हैं। चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने रोहित शर्मा के कप्तानी पद से हटने का कारण भी बताया है।ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी वनडे और टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान हो गया है। जहां वनडे सीरीज के लिए रोहित शर्मा की जगह शुभमन गिल को कप्तानी सौंपी गई है। विराट कोहली और रोहित शर्मा भी वनडे स्क्वॉड का हिस्सा हैं। चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने रोहित शर्मा के कप्तानी पद से हटने का कारण भी बताया है। उन्होंने कहा है कि, रोहित शर्मा को कप्तानी में बदलाव के बारे में बता दिया गया है। इससे पहले इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए स्क्वॉड का ऐलान होने से कुछ दिन पहले रोहित शर्मा और विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। रोहित उस समय टेस्ट टीम के भी कप्तान थे लेकिन चयनकर्ताओं ने गिल को टेस्ट की कप्तान सौंपने का मन बना लिया था। इससे पहले 2021 में विराट कोहली को भी कुछ इस तरह के दौर से गुजरना पड़ा था। कोहली ने टी20 फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ने का फैसला कर लिया था, जिसके बाद बीसीसीआई ने उन्हें वनडे टीम की कप्तानी से भी हटा दिया था और फिर बना कोई ठोस वजह के उन्होंने टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ दी थी। रोहित शर्मा की जगह शुभमन गिल को भारतीय वनडे टीम का कप्तान चुना गया है। श्रेयस अय्यर को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारत की वनडे टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया। चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर ने रोहित शर्मा को वनडे कप्तान के पद से हटाने के फैसले का समर्थन किया। उनका मानना है कि तीनों फॉर्मेट के लिए अलग–अलग कप्तान रखना असंभव है। उन्होंने कहा कि ये फैसला 2027 वनडे वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि, हमें बहुत ज्यादा वनडे नहीं खेलने हैं और हमें अगले कप्तान को पर्याप्त समय देना होगा।

सगाई के मौके पर सोनम कपूर ने दी कजिन अंशुला को बधाई, शेयर की खास तस्वीरें

फिल्म निर्माता–निर्देशक बोनी कपूर की बेटी अंशुला कपूर शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। गुरुवार को मुंबई में उनके घर पर सगाई का भव्य समारोह आयोजित किया गया, जिसमें परिवार और करीबी दोस्तों ने शिरकत की। इस खास मौके पर कपूर परिवार के सभी सदस्यों ने अंशुला के मंगेतर रोहन ठक्कर के साथ उनके रिश्ते को आधिकारिक रूप से सेलिब्रेट किया। अंशुला की सगाई की खुशी में उनकी कजिन और अभिनेत्री सोनम कपूर ने इंस्टाग्राम पर कुछ खूबसूरत तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरों में सोनम स्टाइलिश इंडो–वेस्टर्न लुक में नजर आईं। उन्होंने ब्राउन लॉन्ग स्कर्ट के साथ मैचिंग टॉप और ब्लेजर पहना था। सोनम ने तस्वीरों के कैप्शन में लिखा, मेरी प्यारी अंशुला के लिए तैयार हूं अब जश्न की शुरुआत!

बता दें कि अंशुला और रोहन की प्रेम कहानी की शुरुआत 2022 में एक डेटिंग ऐप के जरिए हुई थी। धीरे–धीरे उनकी दोस्ती धीरे–धीरे प्यार में बदली और जुलाई 2025 में न्यूयॉर्क में दोनों ने एक–दूसरे को रिंग पहनाकर अपने रिश्ते को आधिकारिक रूप दिया। अब यह जोड़ी शादी की ओर कदम बढ़ा रही है।

सगाई समारोह में बोनी कपूर, सोनम कपूर, जाह्नवी कपूर, शनाया कपूर, जहान कपूर, महीप कपूर और उनके बच्चे शामिल हुए। इसके अलावा, अंशुला के कजिन मोहित मारवाह अपनी पत्नी अंतरा मारवाह के साथ मौजूद रहे। समारोह में परिवार और दोस्तों की मौजूदगी ने इस पल को और खास बना दिया।

अंशुला और रोहन की जोड़ी को फैंस और परिवार से ढेर सारी शुभकामनाएं मिल रही हैं। अंशुला कपूर इससे पहले द ट्रेटर्स रियलिटी शो में नजर आई थीं। अंशुला ने न्यूयॉर्क की कोलंबिया यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन किया है। उन्होंने 2014 में एक्सीड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड मुंबई में एक साल बतौर एसोसिएट लिसनिंग एंड मर्चेंडाइजिंग काम किया है। वे गूगल की कर्मचारी भी रह चुकी हैं। अंशुला ऋतिक रोशन की कंपनी एचआरएक्स में बतौर ऑपरेशन मैनेजर काम कर चुकी हैं।वहीं, रोहन ठक्कर, करण जोहर की प्रोडक्शन कंपनी धर्मा प्रोडक्शन से जुड़े हैं। वह फ्रीलांस राइटर के तौर पर धर्माटिक एंटरटेनमेंट के लिए काम करते हैं। यह धर्मा प्रोडक्शन की ही एक डिजिटल कंपनी है। इस तरह रोहन ठक्कर भी फिल्मी इंडस्ट्री से जुड़ चुके हैं।

रुक्मिणी वसंत ने कांतारा चैप्टर 1 को बताया जिंदगी बदल देने वाला अनुभव

आज जब कांतारा रू चौप्टर 1 दुनियाभर में रिलीज हुई है, तब एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत ने अपने दिल की बात शेयर की। एक इमोशनल नोट में उन्होंने बताया कि कैसे ये सफर उन्हें एक कलाकार और इंसान दोनों रूपों में नया बना गया। उन्होंने लिखा दृएक साल पहले मुझे श्कांतारारू चौप्टर 1श का हिस्सा बनने का मौका मिला। इस फिल्म ने मुझे चुनौती दी, मुझे सिखाया, मेरे हुनर को निखारा और जिंदगी को एक नया नजरिया दिया। ये फिल्म सच में प्यार और जुनून से बनी है दृ सैकड़ों लोगों की मेहनत से, जिन्होंने दिन–रात एक कर दिया। इस जादुई फिल्म का हिस्सा बनकर मैं बेहद आभारी हूं। रुक्मिणी ने फिल्म के कप्तान ऋषभ शेट्टी को दिल से शुक्रिया कहारू ऋषभ सर इस प्रोजेक्ट की रीढ़ हैं। सर, आपका जुनून, मेहनत और विजन मेरे लिए बहुत बड़ी प्रेरणा रहा। मुझ पर भरोसा करने और इस सफर में मेरा साथ देने के लिए दिल से धन्यवाद। उन्होंने होम्बले फिल्म्स की पूरी टीम दृ विजय किरागंदूर, चालुवे गौड़ा, आदर्श और उन सभी अनसुने हीरोज का भी शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने पर्दे के पीछे रहकर इस अनुभव को जीवंत बनाया।

ईशा कोप्पिकर मैं चाहती हूँ कि मेरी बेटी बड़ी होकर यह जाने कि वह एक सशक्तमहिलाओं के वंश से है

ईशा कोप्पिकर के लिए दशहरा हमेशा से एक बेहद निजी और भावनात्मक त्योहार रहा है। यह सिर्फ अच्छाई की बुराई पर जीत का प्रतीक नहीं है, बल्कि उनके जीवन में मौजूद चार पीढ़ियों की असाधारण महिलाओं की ताकत का भी उत्सव है। इस कहानी की शुरुआत होती है उनकी नानी से दृ वो स्त्री जिन्होंने ईशा की नींव रखी। बचपन में ईशा हर मौके पर अपनी नानी के साथ रहना चाहती थीं। उनके साथ बिताया हर लम्हा उनके लिए अनमोल था, जिसने उन्हें सिखाया कि जिंदगी में चाहे कुछ भी हो, हमेशा गरिमा, आत्मसम्मान और मजबूती के साथ जीना चाहिए। वह इस असाधारण महिला को अपना आदर्श मानती थीं, जितना हो सके उनके करीब रहती थीं, न केवल उनकी कहानियों को बल्कि उनकी आत्मा को भी आत्मसात करती थीं। ईशा कहती हैं, मेरी नानी मेरी पहली गुरु थीं, जिन्होंने मुझे सिखाया कि असली मजबूती क्या होती है। आज मेरे अंदर जो नैतिक मूल्य, सिद्धांत और सोच है, वो उनकी अडिग विचारधारा का ही प्रतिबिंब है। ईशा का शांत लेकिन अपने विश्वासों पर अडिग रहने की क्षमता, ये सब उन्होंने उन्हीं बचपन के दिनों में अपनी नानी के सान्निध्य में बिताए गए उन शुरुआती वर्षों से ही उन्हें मिली थी। फिर आईं उनकी माँ दृ एक और वारियर महिला, जिन्होंने इस विरासत को आगे बढ़ाया।

ईशा कहती हैं, मेरी माँ ने मुझे सिखाया कि असली सहनशक्ति क्या होती है। उन्होंने जीवन की कठिनाइयों का सामना जिस गरिमा और संकल्प के साथ किया, उसने मुझे कभी ये शक नहीं होने दिया कि एक औरत क्या कुछ कर सकती है। इन शुरुआती सीखों ने ही ईशा को वो नींव दी, जिस पर उन्होंने अपनी जिंदगी और करियर दोनों खड़े किए।

ईशा ने इस विरासत को अपने जीवन में पूरी शिद्दत से निभाया दृ हर उस निर्णय में, जिसमें उन्होंने एक योद्धा महिला की तरह खुद को साबित किया। चाहे फिल्मों में ऐसे किरदार निभाना हो जो मजबूत और अडिग हों, या फिर निजी जीवन की जटिलताओं का सामना करना हो, ईशा ने हर लड़ाई अकेले लड़ी। कई बार उन्होंने ऐसे फैसले लिए जो आसान नहीं थे लेकिन उन्होंने अपने दम पर जीवन को दोबारा खड़ा किया। मैंने महसूस किया कि मुझे खुद ही अपनी दुर्गा बनना होगा,

ईशा कहती हैं। कई बार हमारी लड़ाइयाँ चुपचाप होती हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वो कम महत्वपूर्ण हैं। आज जब ईशा खुद एक माँ हैं दृ उनकी बेटी रिआना के साथ, तो दशहरा उनके लिए और भी गहरा हो गया है। अब यह सिर्फ अपनी नानी और माँ से विरासत में मिली शक्ति का सम्मान करने के बारे में नहीं है, बल्कि उसी योद्धा भावना को चौथी पीढ़ी तक पहुँचाने के बारे में है।

ईशा कहती हैं, जब मैं अपनी बेटी को देखती हूँ, तो मुझे भविष्य दिखाई देता है। मैं चाहती हूँ कि वह यह जानकर बड़ी हो कि वह सशक्त महिलाओं के वंश से है, कि उसकी रगों में उसकी परदादी, नानी और माँ की शक्ति प्रवाहित होती है। इस दशहरे पर, जब ईशा रिआना के साथ उत्सव मना रही हैं, तो वह सिर्फ एक परंपरा का पालन नहीं कर रही हैं, बल्कि चार पीढ़ियों से चली आ रही शक्ति, साहस और अटूट स्त्री शक्ति की विरासत का सम्मान कर रही हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि आने वाली पीढ़ी भी उसी गर्व और आत्मबल के साथ कल को आकार देने वाली महिलाओं में योद्धा भावना निरंतर फलती–फूलती रहे।

श्रद्धा कपूर ने किया एनिमेटेड फिल्म छोटी स्त्री का ऐलान, स्त्री 3™ से पहले थिएटर में देगी दस्तक

बॉलीवुड की लोकप्रिय हॉरर–कॉमेडी फ्रेंचाइजी स्त्रीच के फैंस के लिए बड़ी खबर सामने आई है। अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने घोषणा की है कि उनकी फिल्म पर आधारित एक एनिमेटेड वर्जन श्छोटी स्त्रीच जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देगा। यह फिल्म बच्चों से लेकर बड़ों तक, हर उम्र के दर्शकों के लिए खास तौर पर तैयार की जा रही है।

श्रद्धा कपूर ने यह ऐलान मैडॉक फिल्म्स की आने वाली फिल्म श्थामाच के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में किया। इस मौके पर प्रोड्यूसर दिनेश विजान और एक्टर आयुष्मान खुराना भी मौजूद थे। श्रद्धा ने कहा कि मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स श्छोटी स्त्रीच लेकर आ रहा है। यह थिएटर में सभी उम्र के दर्शकों के लिए रिलीज होगी और भारत के लिए यह एक बेहद रोमांचक समय होगा।

2018 में आई पहली स्त्रीच फिल्म ने दर्शकों को डर और कॉमेडी का मिश्रण दिखाया था। इसके बाद श्रूहीच, श्भेड़ियाच और हाल ही में श्मुंज्याच जैसी फिल्में इसी यूनिवर्स का हिस्सा बनीं। 2024 में रिलीज हुई स्त्री 2च ने तो बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर सबसे बड़ी हिंदी हिट का खिताब हासिल किया। अब श्छोटी स्त्रीच इसी कड़ी में एक नया अध्याय जोड़ने जा रही है।

फिल्म के निर्माता दिनेश विजन ने खुलासा किया कि श्छोटी स्त्रीच का सबसे बड़ा सरप्राइज इसका अंत होगा। इसे अमर कौशिक और निरेन भट्ट ने कॉन्सेप्चुअलाइज किया है और इसकी कहानी सीधे श्स्त्री 3च से जुड़ जाएगी। यानी एनिमेशन फिल्म का अंत एक लाइव–एक्शन सीन से होगा, जो स्त्री 3च की शुरुआत करेगा और दर्शकों को स्त्री की बैकस्टोरी से रूबरू कराएगा।

इस बार फ्रेंचाइजी का टारगेट हैं बच्चे और उनके परिवार। श्रद्धा कपूर का मानना है कि बच्चे और बड़े सभी साथ बैठकर श्छोटी स्त्रीच का मजा ले पाएंगे। इससे यह फिल्म मनोरंजन का नया अनुभव बनकर उभरेगी।

बता दें शुक्रवार को मैडॉक फिल्म्स की एक और फिल्म श्थामाच का ट्रेलर रिलीज हो चुका है।

इसमें आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना, नवाजुद्दीन सिद्दिकी और परेश रावल अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। श्मुंज्याच फेम डायरेक्टर आदित्य सर्पोटदार ने इसे डायरेक्ट किया है और यह फिल्म 21 अक्टूबर को थिएटर में रिलीज होगी।

रणदीप हुड्डा और लिन लैशराम लेकर आ रहे तीरंदाजी का नया जोश, एपीएल में हिस्सा लेगी पृथ्वीराज योद्धा

भारत में खेलों का जादू हमेशा से लोगों के दिलों में खास रहा है। हरियाणा की मिट्टी से लेकर देश के कोने–कोने तक, खेलों ने कई युवाओं को प्रेरित किया है। इस कड़ी में तीरंदाजी यानी आर्चरी के प्रति लोगों का उत्साह बढ़ाने के लिए बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता रणदीप हुड्डा और उनकी पत्नी व पूर्व राष्ट्रीय स्तर की तीरंदाज लिन लैशराम की टीम पृथ्वीराज योद्धा आगामी आर्चरी प्रीमियर लीग (एपीएल) में हिस्सा लेंगी। बता दें कि लिन लैशराम पृथ्वीराज योद्धा टीम की सह–मालिक हैं। एपीएल 2 अक्टूबर से 12 अक्टूबर 2025 तक यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित होगी। रणदीप और लिन की यह साझेदारी न केवल खेल को बढ़ावा देगी, बल्कि युवाओं को भी तीरंदाजी जैसे खेल की तरफ आकर्षित करेगी।आईएएनएस से बात करते हुए रणदीप हुड्डा ने कहा, खेल हमारे जीवन का अहम हिस्सा है। हरियाणा में बचपन से ही खेलों की संस्कृति रही है, जहां कुश्ती, हॉकी, और बॉक्सिंग जैसे खेलों ने देश का नाम रोशन किया है। मेरे लिए तीरंदाजी जैसे खेल से जुड़ना एक गर्व की बात है। तीरंदाजी में कई खासियतें होती हैं, जैसे कि ध्यान केंद्रित करना, धैर्य बनाए रखना, और मुश्किल हालात में टिके रहना। ये सभी गुण हरियाणा की खेल संस्कृति से मेल खाते हैं। मेरी पत्नी लिन का इस खेल के साथ गहरा लगाव है, जो हमारी टीम को और मजबूत बनाता है।

लिन लैशराम के लिए तीरंदाजी केवल एक खेल नहीं, बल्कि एक जीवन की यात्रा है। उनके पिता मणिपुर आर्चरी एसोसिएशन के अध्यक्ष रह चुके हैं जिन्होंने उन्हें बचपन से ही तीरंदाजी की दुनिया की ओर आगे बढ़ाया। लिन ने महज दस साल की उम्र में तीरंदाजी शुरू की और जल्द ही राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने लगीं। टाटा आर्चरी अकादमी में प्रशिक्षण लेने के बाद उन्होंने कई पदक जीते और 1998 में जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप भी अपने नाम की। हालांकि, चोट के कारण उन्हें प्रतियोगिता से दूरी बनानी पड़ी, लेकिन उनका खेल के प्रति जुनून कभी कम नहीं हुआ। अब आर्चरी प्रीमियर लीग में उनका फिर से लौटना उनके लिए एक नई शुरुआत है।इस लीग को लेकर डॉ. विकास गर्ग, जो कि पृथ्वीराज योद्धा टीम के मालिक और एबिक्स ग्रुप के चेयरमैन हैं, ने कहा, आर्चरी प्रीमियर लीग भारतीय तीरंदाजी के लिए एक बड़ा बदलाव लेकर आई है। यह लीग खेल को एक नए स्तर पर लेकर जाएगी, जिससे युवा खिलाड़ियों को न सिर्फ मौका मिलेगा बल्कि खेल को भी लोकप्रियता मिलेगी। इस लीग के जरिए भारतीय तीरंदाजी की परंपरा और संस्कृति को नई ऊंचाइयां मिलेंगी।आर्चरी प्रीमियर लीग का आयोजन आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएआई) द्वारा किया जा रहा है, जिसके अध्यक्ष पूर्व सांसद अरुण मुंडा हैं। इसके साथ ही, एएआई के सचिव विरेंद्र सचदेव भी इस लीग के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस लीग को विश्व आर्चरी, विश्व आर्चरी एशिया और भारत सरकार के खेल मंत्रालय का भी समर्थन प्राप्त है।

एक मंच दो मिस वर्ल्ड विनररू ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा और मानुषी छिल्लर की गर्मजोशी भरी मुलाकात!

जब दो मिस वर्ल्ड एक ही मंच पर एक साथ नजर आती हैं, तो यह महज संयोग नहीं होता कृ यह उत्कृष्टता, गरिमा और ग्लोबल मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने की ताकत का उत्सव होता है। बुधवार की शाम मुंबई में आयोजित एक प्रतिष्ठित गाला इवेंट, जिसमें फिल्म और ग्लैमर जगत की नामचीन हस्तियाँ मौजूद थीं, एक दुर्लभ और विशेष क्षण का साक्षी बना– जब प्रियंका चोपड़ा जोनास (मिस वर्ल्ड 2000) और मानुषी छिल्लर (मिस वर्ल्ड 2017)दोनों एक साथ नजर आईं। यह मुलाकात सिर्फ फैशन और गहनों से कहीं आगे की एक विज़ुअल अनुभूति बन गई। ब्यूटी क्वीन से अभिनेत्रियाँ बनीं इन दोनों ने, अपने सौंदर्य प्रतियोगिता के इतिहास और एक ही ताज से जुड़ी अपनी साझा विरासत के चलते एक गर्मजोशी से एक–दूसरे को शुभकामनाएं दीं और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत की परंपरा और गर्व को आगे बढ़ाने के अर्थ को दर्शाया। प्रियंका चोपड़ा, जो अब एक ग्लोबल आइकन बन चुकी हैं और जिन्होंने मिस वर्ल्ड के खिताब को जीतकर एक असाधारण अंतरराष्ट्रीय करियर में तब्दील कर दिया, और मानुषी छिल्लर, जिन्होंने 17 साल बाद यह प्रतिष्ठित ताज भारत वापस ले आईं और सिनेमा में लगातार अपनी अलग पहचान बना रही हैं। इन दोनों ब्यूटी डिवा ने भारतीय सुंदरता, महत्वाकांक्षा और उपलब्धियों की दो अलग–अलग पीढ़ियों का प्रतिनिधित्व किया। इस प्रतिष्ठित समारोह में उनकी एक साथ मौजूदगी सिर्फ 'स्टार पावर तक सीमित नहीं थी। यह एक मजबूत संदेश था कि कैसे मिस वर्ल्ड के मंच ने भारत की कुछ सबसे प्रभावशाली महिलाओं को आगे बढ़ाया है, और कैसे ये दोनों अपने–अपने सफर में देश को गौरवान्वित कर रही हैं। यह शाम और भी खास हो गई जब दोनों ने मुस्कुराहटों और शब्दों का आदान–प्रदान किया, एक ऐसा लम्हा जो तस्वीरों में कैद हुआ और जो बहनापा, आपसी सम्मान और उस अनुभव को दर्शाता है जो उस ताज को धारण करने के साझा अनुभव की कहानी बयां करती हैं जिसने उनकी जिंदगियाँ हमेशा के लिए बदल दीं।

फिल्म जटाधारा में खलनायिका बन सोनाक्षी सिन्हा बनाएंगी नया इतिहास

सोनाक्षी सिन्हा अपने आगामी द्विभाषी (हिंदी–तेलुगु) प्रोजेक्ट जटाधारा से दर्शकों को चौंकाने वाली हैं क्योंकि जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोड़ा की इस बहुप्रतिक्षित पौराणिक स्पेक्टेकल फिल्म से तेलुगु सिनेमा में कदम रखने जा रहीं सोनाक्षी सिन्हा बड़े पर्दे पर पहली बार खलनायिका के रूप में नजर आनेवाली हैं। हालांकि धन पिशाचिनी के रूप में उनका यह किरदार सिर्फ नकारात्मक ही नहीं, बल्कि बेहद शक्तिशाली और दमदार भी है। गौरतलब है कि जहां अभिनेता कलाकार अपने सकारात्मक किरदार को लेकर काफी सजग रहते हैं, वहां सोनाक्षी का यह कदम न सिर्फ साहसिक है, बल्कि उन्हें नए मुकाम पर ले जाने की काबिलियत को भी दर्शाता है। विशेष रूप से रहस्यवाद, आध्यात्मिक प्रतीकों और शक्ति के स्त्री रूप को एक रोचक सिनेमाई ताने–बाने में पिरोते हुए सोनाक्षी सिन्हा ने जिस तरफ अपना कदम बढ़ाया है, वो बॉलीवुड में उनकी बहुमुखी प्रतिभा को और निखारने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। गौरतलब है कि जटाधारा की कहानी काले जादू की रहस्यमयी दुनिया की झांकी पेश करती है, जहाँ तंत्र–मंत्र, गुप्त अनुष्ठान और प्राचीन श्राप आस्था और भय की सीमाओं को दर्शाया गया है। ऐसे में यहाँ सोनाक्षी का किरदार सिर्फ एक खलनायिका का नहीं, बल्कि तंत्र और तांत्रिक शक्तियों से जन्मी एक भयावह सत्ता की भी है, जो कहानी को गहराई और नया आयाम देती है।

हालांकि हाल ही में दुर्गा पूजा पर रिलीज हुआ सोनाक्षी का गाना धना पिशाची (हिंदी और तेलुगु में) पहले ही फिल्म के रहस्य और रोमांच को और बढ़ा चुका है। इसके अलावा गाने के दृश्यों में प्राचीन अनुष्ठान, भगवान शिव से जुड़े प्रतीक और पौराणिक छवियाँ सोनाक्षी की खलनायिका वाली भयावह छवि को और प्रभावशाली बनाते हैं। फिल्म में उनके अपोजिट सुधीर बाबू नजर आएंगे, जो कहानी को भावनात्मक गहराई देते हैं और अच्छाई और बुराई के संघर्ष को निजी और गहन बनाते हैं।

जटाधारा के साथ सोनाक्षी सिन्हा न सिर्फ तेलुगु सिनेमा में एंट्री कर रही हैं, बल्कि खुद को नए रूप में गढ़ रही हैं और यह साबित कर रही हैं कि खलनायिका की ताकत कभी–कभी नायक से भी ज्यादा आकर्षक और प्रभावशाली हो सकती है। फिल्म जटाधारा 7 नवंबर 2025 को हिंदी और तेलुगु, दोनों भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

हुमा कुरैशी की नई फिल्म सिंगल सलमा का ऐलान, रिलीज तारीख से उठा पर्दा

अभिनेत्री हुमा कुरैशी को इन दिनों फिल्म जॉली एलएलबी 3 में देखा जा रहा है, जिसमें वह अक्षय कुमार की पत्नी की भूमिका निभा रही हैं। उनकी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। अब हुमा की नई फिल्म का ऐलान हो गया है, जिसका नाम सिंगल सलमा है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान नचिकेत सामंत ने संभाली है। इसके साथ सिंगल सलमा की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है।सिंगल सलमा 31 अक्टूबर, 2025 को दर्शकों के बीच आएगी, फिल्म का पहला पोस्टर भी सामने आ गया है, सिमें हुमा समेत तमाम सितारों की झलक दिख रही है।पोस्टर में हुमा कुरैशी बिल्कुल सहज–स्वाभाविक अंदाज में नजर आ रही हैं. वे एक बेंच पर आराम से बैठी हैं, जैसे किसी गाड़ी का इंतजार कर रही हों. उनके बगल में एक पुराना–सा सूटकेस रखा है. वहीं, इसके पीछे की तरफ फिल्म के बाकी कलाकार खड़े दिख रहे हैं– शायद वे सलमा के जीवन के उन ट्विस्ट्स का प्रतीक हों, जो आने वाले सीन में धमाल मचाएंगे.निर्माताओं ने लिखा, लखनऊ और लंदन– दो शहर, दो लड़के और एक सवाल– आखिर कौन बनेगा सिंगल सलमा का बालमा, किससे होगी सलमा की शादी? फिल्म में सनी सिंह और श्रेयस तलपड़े जैसे कलाकार भी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।